HINDI BENGALI SHIKSHA.

By,

PANDIT HARIDASS,

AN EXPERIENCED TEACHER.

Formerly Head Master T A V School, Pokaran (Jodhpur)

AND AUTHOR OF

Swasthya Raksha, Angrezi Shiksha, Aqlamandi ka

Khazana Kalgyan & Translator of Gulistan,

Bhagavada Gita, Rajsingh or

Chanchal Kumari etc

FOURTH EDITION

1917

CALCUTTA

Printed by RAMPRATAP BHARGAVA,

at the 'NARSINGH PRESS

201, Harrison Road

CALCUTTA

चौथी बार २०००]

निवेदन ।

इस पुस्तक की पहली आवृत्ति सन १९११ ई०, दूसरी सन १९१२ ई० और तीसरी सन १९१४ ई० में निकली। प्रथम संस्करण में १०००, द्वितीय में २०००, और तृतीय में २५०० कापियाँ छापी गयीं। इन कई वर्षों में इसकी इतनी कापियोंका छपना और निकल जाना ही, इसकी उपयोगिता का यथेष्ट प्रमाण है।

इस पुस्तक के पहले कोई पुस्तक हमारी नज़र में ऐसी न थी, जिससे हिन्दी जाननेवाले बिना उस्ताद के बँगला सीख सकते, इसीसे इसके प्रकाशित होते ही इसकी बिक्री धड़ाधड़ हुई और हो रही है। युक्तप्रान्त, बिहार और पञ्जाब के सिवा मद्रास, बम्बई और बिहार प्रान्तमें भी इसकी खपत अच्छी रही। वकील, बैरिष्टर, प्रोफेसर, विद्यार्थी और मास्टरोंने इसे सब से ज़ियादा पसन्द किया।

सारी दुनिया जानती है, कि विश्वव्यापी महासमर के कारण कागज़ की दर बहुत ही चढ़ गयी है। जो कागज़ पहले एक रुपये को आता था, वह अब चार रुपये को भी दुष्प्राप्य होगया है। हम तो इसे इस कागज़ के दुर्भिक्ष में छापते भी नहीं, मगर सैकड़ों सज्जनों के बारम्बार लिखने पर इसे छापना स्वीकार किया, क्योंकि अनेक सज्जनोंने इसे १) में भी खरीदना मंजूर किया। मगर हम पुस्तकों के दाम सस्ते रखने के पक्षपाती हैं, इसलिये इस बार सदा से अत्यन्त बढ़िया एन्टीक कागज़ लगाकर भी हमने इसका दाम १) न रखकर लागत भाव ॥) ही रखा है। आशा है, विद्या- प्रेमी सज्जन सन्तुष्ट होंगे और इसे हाथोंहाथ खरीदकर हमें हानि से बचायेंगे।

विनीत—

हरिदास ।

हिन्दी बँगला शिक्षा

प्रथम भाग।

स्वर वर्ण।

অ আ ই ঈ উ ঊ ঋ

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ঌ এ ঐ ও ঔ অং অঃ

ऌ ए ऐ ओ औ अं अः

स्वरों की पहिचान ।

আ অ উ এ ই ঐ

ঊ ঔ ও ঋ ঈ অং

৯ অঃ

व्यञ्जन वर्ण ।

ক খ গ ঘ ঙ চ ছ

क ख ग घ ङ च छ

জ ঝ ঞ ট ঠ ড ঢ

ज झ ञ ट ठ ड ढ

ণ ত থ দ ধ ন প

ণ ত থ দ ধ ন প

ফ ব ভ ম য র ল

ফ ব ভ ম য র ল

ব শ ষ স হ ক্ষ ড়

ব শ ষ স হ ক্ষ ড়

ঢ় য় ং ঁ

ঢ় য

व्यञ्जनों की पहिचान।

শ ল ঘ হ ছ চ ঠ ট

ঢ ঙ ম ক্ষ স থ ধ ব

র ক ভ ধ ঝ প য য়

জ ত ন দ ঞ ব ণ ড

গ ড় ক্ষ য ঢ় ঃ ং

बंगला गिनती।

১	২	৩	৪	৫
एक	दुइ	तिन	चार	पाँच
৬	৭	৮	৯	১০
छय	सात	आट	नय	दश

ध्यान देने योग्य बातें।

नोट (१) "ज" इसको बंगलामें वर्गीय "ज" कहते हैं। इसका इसी भाव ऐसे शब्दोंमें होता है जैसे, ज्ञान, जानवर, जगन्नाथ, जीव, जन्तु इत्यादि।

नोट (२) "य" इसको अन्तस्थ "ज" बोलते हैं, मगर बंगला में यह वहाँ ही इसी भाव होता है, जहाँ हिन्दी में "य" होता है। जैसे, यत्न, योग इत्यादि। *

नोट (३) बंगलामें "ब" और "व" जुदे जुदे नहीं होते, अर्थात् एकसी ही होते हैं।

नोट (४) बंगला और हिन्दी के निम्नलिखित अक्षरोंमें कुछ न कुछ समानता है।

ঘ	घ,	ড	ड,	ঢ	ढ,
ন	न,	ব	व,	ম	म,
ল	ल,	ঃ	ः,	ঁ	ँ

नोट (५) बंगला के निम्नलिखित अक्षरोंके लिखनेमें बहुत थोड़ा भेद है। पढ़नेवालों को उनकी बारीकियाँ खूब समझ लेनी चाहिये।

घ य ष য়, ঙ ড ড়, ণ ন, ব ব, ধ ব,
ঘ য ঘ য, ঙ ঙ ঙ, ণ ন, ব র, ধ ব,
ঋ ঈ, ঊ ঊ ড, ঋ ঝ,
ঋ ঈ, ঊ ঊ ড, ঋ ঝ,

बंगाली लोग 'व' या सयारक अथवा 'ज' के माफ़िक़ कहते हैं। "वय" को "जय" और 'याग को 'जोग कहते हैं।

बँगला अक्षरोंका उच्चारण।

बँगला अक्षरोंको उच्चारण करते समय इस बातपर विशेष ध्यान रखना चाहिये, कि हिन्दीके समान अकारान्त शब्दों का उच्चारण ओकार के स्वरूप की हलकी मात्रा लगाकर किया जाता है। जैसे हिन्दी में "परिमाण" बँगलामें "पोरिमाण" "प" = "पो", "परिमल" "पोरिमल" इत्यादि।

बँगला शब्दोंका उच्चारण।

बँगभाषामें शब्दोंको लावण्ययुक्त बनानेके लिये, कितने ही स्थानों पर उच्चारण बिगाड़ दिया जाता है, जैसे ग्रहमान—ग्रहान, आत्मा—आत्मा, लक्ष्मी—लक्खी, लक्ष्मण—लक्खण, पद्म—पद्द, इत्यादि।

ज़ और ज का भेद।

बंगभाषामें ज़कारान्त अथवा ज़कार के शब्द नहीं हैं। अन्य भाषाओंके शब्दोंके व्यवहार करते समय वर्गीय "ज" से ही काम निकाला जाता है।

व और ब का भेद।

बंगलामें "व" के स्थानपर "ब" ही लिखा जाता है। संस्कृत शब्दोंको लिखते समय "व" के स्थान पर "ब" लिखने के साथही साथ उच्चारण भी "ब" ही किया जाता है। जैसे विवेक—बिबेक, विवर्ण—बिबर्ण, वाचाल—बाचाल इत्यादि।

प्रथम अध्याय ।

अक्षरों का जोड़ना ।

पहला पाठ ।

অ ব	অব	অব	ই স	ইস	ইস
ঈ খ	ঈখ	ঈখ	উ স	উস	উস
উ খ	উখ	উখ	এ ক	এক	এক
ঐ ব	ঐব	ঐব	অংগ	অংগ	অংগ

दूसरा पाठ ।

ক ল	কল	কল	ফ ল	ফল	ফল
জ ল	জল	জল	হ ল	হল	হল
ন ল	নল	নল	ব ল	বল	বল
চ ল	চল	চল	ঝ ট	ঝট	ঝট
প ঢ	পঢ	পঢ	প ট	পট	পট
র চ	রচ	রচ	ঘ ব	ঘব	ঘব

তীসরা পাঠ।

দ র	দব	দর	ড র	ডব	ডর
ধ র	ধর	ধর	ন খ	নখ	নখ
ভ য়	ভয়	ভয়	ব ন	বন	বন
র স	রস	রস	শ ঠ	শঠ	শঠ

চৌথা পাঠ।

অপব	অপর	অবশ	অবশ
অলস	অলস	অধম	অধম
ইতব	ইতর	ঈষৎ	ঈষৎ
উদর	উদর	উমব	উমর
লবণ	লবণ	তরল	তরল
বমন	বমন	চরণ	চরণ
চরম	চরম	কদম	কদম
শবট	শরট	করট	করট
মকট	মকট	দখল	দখল
সবল	সবল	দশম	দশম
মদন	মদন	কটক	কটক

পাঁচবাঁ পাঠ।

কপট	কপট	সমন	সমন
দমন	দমন	দশন	দশন
অটল	অটল	অমব	অমর
অসৎ	অসত্	গবল	গরল
নযন	নয়ন	বজক	রজক

ছঠা পাঠ।

অনশন	অনশন	জলচব	জলচর
পববশ	পরবশ	উপবন	উপবন
অপচয	অপচয়	অকপট	অকপট
থবথব	থরথর	দরদব	দরদর
করবট	করবট	পলটন	পলটন
ববতন	বরতন	মলমল	মলমল
খটমল	খটমল	সববত	সরবত
সবপট	সরপট	পনঘট	পনঘট
বপটন	রপটন	হলচল	হলচল
খটপট	খটপট	শশধব	শশধর

बँगला और हिन्दी मात्राएं।

অ আ ই ঈ উ ঊ এ ঐ ও ঔ অং অঃ

০ া ি ী ু ূ ৃ ে ৈ ো ৌ ং ঃ

০ া ি ী ু ূ ৃ ে ৈ ো ৌ ং ঃ

नोट—ध्यान धरकर देखना चाहिये, कि बंगला और हिन्दी की आकार, इकार और ईकार मात्राओंमें नाम मात्रका अन्तर है। उकार और ऊकार मात्राओंमें भी थोड़ा अन्तर है। एकार, ऐकार, ओकार और औकार मात्राओंमें पूरा २ फ़र्क है। हिन्दीमें एकार और ऐकार मात्राएं अक्षरके सिरपर लगती हैं, किन्तु बंगला में एकार और ऐकार मात्राएं अक्षर के बाईं बगल लिखी जाती हैं। इसी तरह ओकार और औकार मात्राओं में भी भेद है। हिन्दीमें आकार मात्रा अक्षर की बगल में, दाहिनी तरफ़ और एकार और ऐकार सिरपर लगती हैं, किन्तु बंगला में आकार मात्रा तो हिन्दी की तरह अक्षर के दाहिनी तरफ़ ही लगती है, किन्तु एकार और ऐकार मात्रा वही अक्षरकी बाईं तरफ़ बगल में लिखी जाती हैं। नीचे इन चन्द अक्षरों की बारहखड़ी लिखते हैं। पढ़ने वाले हिन्दी और बंगला मात्राओं के भेद को अच्छी तरह समझ लें। जिस तरह क, ख, ग, घ, की बारहखड़ी लिखी है, उसी तरह शेष सब अक्षरों की बारहखड़ी समझनी चाहिये।

बारह खडी ।

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ক	কা	কি	কী	কু	কূ	কে	কৈ	কো	কৌ	কং	কঃ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
গ	গা	গি	গী	গু	গূ	গে	গৈ	গো	গৌ	গং	গঃ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ঘ	ঘা	ঘি	ঘী	ঘু	ঘূ	ঘে	ঘৈ	ঘো	ঘৌ	ঘং	ঘঃ

দূসরা অধ্যায়।

প্রথম পাঠ।

গান	গান	তাল	তাল
নাম	নাম	শাক	শাক
লাভ	লাভ	পাস	পাস
দান	দান	রাগ	রাগ
বাস	বাস	ঘাস	ঘাস
কাক	কাক	জাম	জাম
মান	মান	বাণ	বাণ
কাল	কাল	জাল	জাল
কান	কান	ছাপ	ছাপ
ছাল	ছাল	লতা	লতা
কথা	কথা	দযা	দয়া
জরা	জরা	কায়া	কায়া
ভাষা	ভাষা	মাথা	মাথা
পাতা	পাতা	জটা	জটা

বালক	বালক	চালক	চালক
সমান	সমান	বাচাল	বাচাল
ভাবনা	ভাবনা	কাপাস	কাপাস
কপাট	কপাট	সাহস	সাহস
কাবণ	কারণ	তাডনা	তাডনা
পাষাণ	পাষাণ	কবাল	করাল
মবাল	মরাল	যাতনা	যাতনা
অপাব	অপার	অকাল	অকাল
সকাল	সকাল	অসাব	অসার
পকানা	পকানা	পঢ়ানা	পঢানা
ডালনা	ডালনা	টগবা	টগরা
অবাক	অবাক	আকব	আকর
পাঠক	পাঠক	দানব	দানব
পাশব	পাশব	গাজব	গাজর
বাদাম	বাদাম	বঢ়ানা	বঢানা
বতানা	বতানা	ববষা	বরষা
পলাশ	পলাশ	সাবস	সারস

দুসরা পাঠ।

দিন	দ্বিন	হিম	হ্বিম
যদি	যদ্বি	দধি	দ্বধি
তিল	তিল	গতি	গতি
রবি	রবি	তরি	তরি
নিধি	নিধি	মণি	মণি
লিপি	লিপি	চিনি	চিনি
কিস	কিস	জিস	জিস
কিন	কিন	দিল	দিল
বিহিত	বিহিত	অশনি	অশনি
বিনয়	বিনয়	হরিণ	হরিণ
শিশিব	শিশির	অবধি	অবধি
মলিন	মলিন	কঠিন	কঠিন
দিবস	দিবস	কিরণ	কিরণ
বিলয়	বিলয়	নিয়ত	নিয়ত
অগতি	অগতি	মিলাপ	মিলাপ
রিঝানা	রিঝানা	বিগাড়া	বিগাড়া

तीसरा पाठ।

কালী	काली	শীত	शीत
তীব	तीर	কীব	कीर
দীন	दीन	নীব	नीर
কীট	कीट	বীর	वीर
গীত	गीत	নীল	नील
নদী	नदी	ধনী	धनी
ঘটী	घटी	জয়ী	जयी
শশি	शशि	বলী	बली
চীতা	चीता	চীন	चीन
পদবী	पदवी	রজনী	रजनी
গভীব	गभीर	অধীব	अधीर
জীবন	जीवन	নীবস	नीरस
ধমনী	धमनी	শীতল	शीतल
শবীব	शरीर	কীমত	कीमत
কীবত	कीरत	জীবক	जीरक

चौथा पाठ ।

কুল	কুল	ক্ষুধা	ক্ষুধা
সুধা	সুধা	ঘুণ	ঘুণ
তুষ	তুষ	যুগ	জুগ
বুধ	বুধ	সুখ	সুখ
মুখ	মুখ	লঘু	লঘু
পটু	পটু	কটু	কটু
তনু	তনু	মধু	মধু
ধনু	ধনু	মুগ	মুগ
কুভাব	কুভাব	মুকুট	মুকুট
কুমতি	কুমতি	কুমুদ	কুমুদ
কুমার	কুমার	কুশল	কুশল
কুকুর	কুকুর	অতনু	অতনু
চতুর	চতুর	আকুল	আকুল
কুফল	কুফল	লুটন	লুটন
পুনীত	পুনীত	মুখর	মুখর
মুটরী	মুটরী	মধুর	মধুর

পাচবাঁ পাঠ।

কূপ	কূপ +	দূত	টূত
ভূত	ভূত +	সূপ	সূপ +
শূল	শূল +	মূঢ	মূঢ +
ধূম	ধূম	পূজা	পূজা
মূল	মূল	পূত	পূত +
মূক	মূক +	মূছ	মূছ
দূষণ	টূষণ +	ভূষণ	ভূষণ +
নূতন	নূতন +	শূকব	শূকর +
ময়ূব	ময়ূর +	অকূল	অকূল +
পূবণ	পূরণ +	পূতনা	পূতনা
মূষক	মূষক +	মূষল	মূষল

ছঠা পাঠ।

কৃত	কৃত +	কৃপা	কৃপা
কৃমি	কৃমি +	কৃশ	কৃশ +

কৃষি	কৃষি	গৃহ	গৃহ
ঘৃত	ঘৃত	পৃথু	পৃথু
দৃঢ়	দৃঢ়	মৃত	মৃত
কৃপণ	কৃপণ	কৃষক	কৃষক
গৃহিণী	গৃহিণী	মৃতক	মৃতক
অমৃত	অমৃত	পৃথক	পৃথক
পৃথিবী	পৃথিবী	পৃষৎ	পৃষত্
মৃণাল	মৃণাল	মৃগয়া	মৃগয়া

সাতবাঁ পাঠ।

কেবা	কৈবা	কেন	কৈন
কেশ	কৈশ	কেলি	কৈলি
নেত	নৈত	পেটী	পৈটী
বেত	বৈত	খেত	খৈত
খেদ	খৈদ	খেল	খৈল
গেহ	গৈহ	চেটী	চৈটী
চেলা	চৈলা		

তেলা	तेला	তেলী	तेली
মেষ	मेष	চেত	चेत
লেই	लेई	ভেক	भेक
দেব	देव	বেখা	रेखा
মেক	मेक	সেখ	सेख
কেচিৎ	कैचित्	কেতক	कैतक
কেতাব	कैताब	কেদাব	कैदार
কেমন	कैमन	কেশব	कैशव
কেশব	कैशर	কেশবী	कैशरी
পেশকাব	पेशकार	বেজার	बेजार
খেতাব	खेताब	খেযাল	खेयाल
সেচক	सेचक	চেতনা	चेतना
তেবন	तेवन	তেতালা	तेताला
দেবতা	देवता	দেনাদার	देनादार
দেবকী	देवकी	লেপক	लेपक
হেমল	हेमल	রেচন	रेचन

সেনা	सेना	সেনানী	सेनानी
সেবন	सेवन	সেবনী	सेवनी
লেখক	लेखक	লেখনী	लेखनी
লেকড়ী	लेकडी	মেখলা	मेखला
মেঘনাদ	मेघनाद	মেতর	मेतर
মেদিনী	मेदिनी	পেঁয়াজ	पेंयाज
সেতখানা	सेतखाना	সেনাপতি	सेनापति

আঠবা পাঠ।

কৈতব	कैतव	কৈরব	कैरव
কৈলা	कैला	শৈল	शैल
তৈল	तैल	হৈম	हैम
শৈব	शैव	বৈদ	वैद
শৈশব	शैशव	গৈগা	गैगा
গৈবা	गैरा	জৈন	जैन
বৈকালী	वैकाली	পৈতা	पैता

পৈশাচ	पैशाच	বৈকাল	वैकाल
বৈঠক	बैठक	বৈতরণী	वैतरणी
ভৈরব	भैरव	ভৈরবী	भैरवी
শৈবাল	शैवाल	শৈল	शैल
সৈনিক	सैनिक	সৈরিভ	सैरिभ
সৈরিক	सैरिक	হৈবিক	हैरिक
বৈতালিক	वैतालिक	শৈবলিনী	शैवलिनी

নবা পাঠ।

সোবা	सोरा	সোসব	सोसर
সোহাগ	सोहाग	লোক	लोक
লোচন	लोचन	লোটন	लोटन
লোণ	लोण	লোধ	लोध
লোপ	लोप	বোগ	रोग
বোচক	रोचक	বোজগাব	रोजगार
বোটি	रोटि	বোদন	रोदन

লোমকূপ	লৌমকূপ	রোহিণী	রৌহিণী
মোট	মৌট	মোদক	মৌদক
মোন	মৌন	মোম	মৌম
বোঝা	বৌঝা	বোধক	বৌধক
বোনা	বৌনা	বোরা	বৌরা
বোলী	বৌলী	পোকা	পৌকা
পোত	পৌত	পোয়াল	পৌয়াল
পোষক	পৌষক	পোষণ	পৌষণ
দোতালা	দৌতালা	দোপড়া	দৌপড়া
দোল	দৌল	দোহজ	দৌহজ

দশবা পাঠ।

কৌড়ি	কৌড়ি	কৌতর	কৌতর
কৌশল	কৌশল	কৌতুক	কৌতুক
কৌমুদী	কৌমুদী	কৌরব	কৌরব
কৌশেয়	কৌশেয়	গৌতম	গৌতম

গৌর	गौर	গৌরব	गौरव
ডৌল	डौल	পৌধা	पौधा
গৌরী	गौरी	চৌর	चौर
তৌল	तौल	পৌর	पौर
পৌষ	पौष	রৌপ্য	रौप्य
লৌহ	लौह	মৌন	मौन
পৌরক	पौरक	দৌলত	दौलत
রৌরব	रौरव	রৌহিণ	रौहिण
মৌমাছি	मौमाछि	যৌবন	जौवन
মৌলবী	मौलवी	ফৌজদার	फौजदार
দৌবারিক	दौबारिक	পৌরাণিক	पौराणिक

ग्यारहवा पाठ।

দংশ	दंश	মাংস	मांस
অংশ	अंश	পংক	पंक
হংস	हंस	বংশ	वंश

সংবৎ	संवत्	বংশজ	वंशज
শংবর	संवर	হিংসক	हिंसक
সংবদন	संवदन	সংবাদ	संवाद
সংযম	संयम	সংশয়	संशय
সংসদ্	संसद्	দংশন	दंशन
সংসাব	संसार	নংশুক	नंशुक
সংকলন	संकलन	বংশকর	वंशकर

বারহবাঁ পাঠ।

নভঃ	नभः	দুঃখ	दुःख
নিঃসার	निःसार	নিঃশেষ	निःशेष
দুঃসহ	दुःसह	দুঃশীল	दुःशील
নিঃকাবণ	निःकारण	নিঃকাসন	निःकासन
নিঃসংশব	निःसंशय	অধঃপাত	अधःपात
দুঃশাসন	दुःशासन	দুঃসময়	दुःसमय

পন্দ্রহবা পাঠ।

পরিশোধ	পরিশোধ	অনুশীলন	অনুশীলন
কচহবী	কচহরী	চূড়াকবণ	চূড়াকরণ
কটার	কটার	জাতীয	জাতীয
কবচ	কবচ	তনয়	তনয
কবিতা	কবিতা	অনুজ	অনুজ
কমঠ	কমঠ	পরিণাম	পরিণাম
কবিণী	করিণী	তপোবল	তপোবল
কলম	কলম	তামাসা	তামাসা
কলস	কলস	কাকাবলী	কাকাবলী
তুলা	তুলা	কাকী	কাকী
দশনবাসাঃ	দশনবাসা	কাগজক	কাগজক
দশ[illegible]	দশমূল	কাতেল	কাতিল
[illegible]	পরিহাস	দিকদাবী	দিকদারী
	কামকলা	দেবকুসুম	দেবকুসুম
	[illegible]	দোষাদোষি	দোষাদোষি
		ধনপতি	ধনপতি

চৌদ্দহবা পাঠ।

অভিলাষ	অভিলাষ	অকাল	অকাল
অতাত	অতাত	অতাপ	অতাপ
অনুশাসন	অনুশাসন	আতবাদ	আতবাদ
অতীত	অতীত	অতীব	অতীব
অনামক	অনামক	অনাময়	অনাময়
অনুগমন	অনুগমন	অনুরাগ	অনুরাগ
আদর	আদর	আতপ	আতপ
আপন	আপন	আমূল	আমূল
আবীব	আবীর	আশপাশ	আশপাশ
আলোক	আলোক	আশিস্	আশিস্
ইতিহাস	ইতিহাস	ইদং	ইদং
ইদানীং	ইদানী	ইমান	ইমান
ইহকাল	ইহকাল	ইহলোক	ইহলোক
ইহাবা	ইহারা	ঈদ	ঈদ
ঈশ	ঈশ	ঈশান	ঈশান
অনুমোদন	অনুমোদন	অনুমান	অনুমান

পন্দ্রহবা পাঠ।

পবিশোধ	পরিশোধ	অনুশীলন	অনুশীলন
কচহবী	কচহরী	চূড়াকরণ	চূড়াকরণ
কটার	কটার	জাতীয়	জাতীয়
কবচ	কবচ	তনয	তনয
কবিতা	কবিতা	অনুজ	অনুজ
কমঠ	কমঠ	পরিণাম	পরিণাম
কবিণী	করিণী	তপোবল	তপোবল
কলম	কলম	তামাসা	তামাসা
কলস	কলস	কাকাবলী	কাকাবলী
তুলা	তুলা	কাকী	কাকী
দশনবাসাঃ	দশনবাসাঃ	কাগজক	কাগজক
দশমূল	দশমূল	কাতেল	কাতেল
পবিহাস	পরিহাস	দিকদাবী	দিকদারী
কামকলা	কামকলা	দেবকুসুম	দেবকুসুম
কুমাবিকা	কুমারিকা	দোষাদোষি	দোষাদোষি
কোকনদ	কোকনদ	ধনপতি	ধনপতি

কোপাল	কৌপাল	ধনাধিপ	ধনাধি
কোমলতা	কৌমলতা	নব বধূ	নব ব
গজানন	গজানন	নিমিষ	নিমি
গামলা	গামলা	নিরাহার	নিরাহ
গোদোহন	গোদোহন	নিরবকাশ	নিরব
চকোর	চকোর	নিশাপতি	নিশাপ
চাঁদী	চাঁদী	নীলমণি	নীলম
চাঁপকলি	চাঁপকলি	চাটবাদী	চাটবা

সোলহবা পাঠ।

অনুপায়	অনুপায়	পিকদান	পিকদা
ফলোদয়	ফলোদয়	ফুঁকন	ফুঁক
অভিমান	অভিমান	ফৌজদারী	ফৌজদ
ফৌতিক	ফৌতিক	অবিবেচনা	অবিবেচ
বিভাবনা	বিভাবনা	বিবিধ	বিবি
বিবাদ	বিবাদ	বিমোহন	বিমোহ
বেতাকুক	বেতাকুক	বৈতালিক	বৈতালি
ভবনমোহন	ভবনমোহন	ভূতকাল	ভূতকাল

ভূতনাথ	भूतनाथ	পুরাতন	पुरातन
ভোলানাথ	भोलानाथ	ভৌতি	भौति
ভৌম	भौम	মহাঘোষ	महाघोष
মহাকায	महाकाय	মহিলা	महिला
মহীতল	महीतल	লাভালাভ	लाभालाभ
লোলুপ	लोलुप	শতদল	शतदल
শনিবার	शनिवार	শাসনীয	शासनीय
শিশিব	शिशिर	সদৃশতা	सदृशता

সত্রহবাঁ পাঠ।

গ+উ=গু গ+ঙ=গ্ঙ

গুণ	गुण	গুণক	गुणक
গুণকথন	गुणकथन	গুণগান	गुणगान
গুণজনক	गुणजनक	গুণবান	गुणवान
গুণাগুণ	गुणागुण	গুণাকর	गुणाकर
গুণাবলী	गुणावली	গুদাম	गुदाम
গুণযোগ	गुणजोग	গুণহীন	गुणहीन

গুণধর	গুণধর	গুড	গুড
গুটী	গুটী	গুলি	গুলি

অঠারহ্বাঁ পাঠ।

র+উ=রু র+ঙ=রু

গুরু	গুরু	গুরুপাক	গুরুপাক
গুরুপাপ	গুরুপাপ	চরু	চরু
রুচি	রুচি	রুচির	রুচির
রুজ	রুজ	রুধির	রুধির
রুমাল	রুমাল	রুহক	রুহক
তরু	তরু	গরু	গরু

উন্নীসবা পাঠ।

শ+উ=শু শ+ঙ=শু

শুক	শুক	শুকনা	শুকনা
শুচ	শুচ	শুচি	শুচি
শুভ	শুভ	আশুতোষ	আশুতোষ
পশুপতি	পশুপতি	পশুরাজ	পশুরাজ

बीसवा पाठ।

ह+ऊ=हू

हूकुम	हुकुम
हूतवह	हुतवह
वहू	वहु

ह+उ=हु

हूड	हुड
हूताशन	हुताशन
वहूधा	वहुधा

इक्कीसवा पाठ।

ब+ऊ=रू

रूप	रूप
रूपवती	रूपवती
अपरूप	अपरूप

ब+ऊ=रू

निरूपण	निरूपण
रूपा	रूपा
आरूढ	आरूढ

बाईसवा पाठ।

ह+ऋ=हृ

अपहृत	अपहृत
सुहृद	सुहृद
हृषीकेश	हृषीकेश

ह+ऋ=हृ

हृदय	हृदय
हृष	हृष
हृदेश	हृदेश

तीसरा अध्याय।

मिले हुए अक्षर।

प्रथम पाठ।

	य फला।	ा यफला।	
क + य = क्य	वाक्य,	शाक्य,	चालुक्य
क + य = क्य	वाक्य	शाक्य,	चालुक्य
थ + य = थ्य	सुथ्याति,	आथ्यान,	अथ्याति
ख + य = ख्य	सुख्याति,	आख्यान,	अख्याति
ग + य = ग्य	आरोग्य,	योग्य,	सौभाग्य
ग + य = ग्य	आरोग्य,	योग्य,	सौभाग्य
च + य = च्य	विवेच्य,	आलोच्य,	वच्य
च + य = च्य	विवेच्य,	आलोच्य,	वच्य
ज + य = ज्य	राज्य,	ज्यामिति,	ज्योति
ज + य = ज्य	राज्य,	ज्यामिति,	ज्योति
ट + य = ट्य	अकाट्य,	नाट्य,	कापाट्य
ट + य = ट्य	अकाट्य,	नाट्य,	कापाट्य
ठ + य = ठ्य	सुपाठ्य,	पाठ्य,	अपाठ्य
ठ + य = ठ्य	सुपाठ्य,	पाठ्य,	अपाठ्य

ড+য=ড্য	জাড্য	জাড্যারি	
ঢ+য=ঢ্য	জাঢ্য	জাঢ্যারি	
ঢ+য=ঢ্য	ধনাঢ্য	আঢ্য	সনাঢ্য
ঢ+য=ঢ্য	ধনাঢ্য	আঢ্য	সনাঢ্য
ণ+য=ণ্য	লাবণ্যবতী,	পুণ্যবান	
ণ+য=ণ্য	লাবণ্যবতী	পুণ্যবান	
ত+য=ত্য	অনিত্য,	ত্যাগ,	অমাত্য
ত+য=ত্য	অনিত্য,	ত্যাগ	অমাত্য
থ+য=থ্য	রথ্যা,	মিথ্যা,	অপথ্য
থ+য=থ্য	রথ্যা,	মিথ্যা	অপথ্য
দ+য=দ্য	সদ্য,	অদ্য,	গদ্য
দ+য=দ্য	সদ্য,	অদ্য,	গদ্য
ধ+য=ধ্য	বধ্য,	ডমরুমধ্য,	আরাধ্য
ধ+য=ধ্য	বধ্য,	ডমরুমধ্য,	আরাধ্য
ন+য=ন্য	বন্য,	জন্য,	জঘন্য
ন+য=ন্য	বন্য,	জন্য,	জঘন্য
প+য=প্য	রৌপ্য,	গোপ্য,	আলাপ্য
প+য=প্য	রৌপ্য,	গোপ্য,	আলাপ্য
ভ+য=ভ্য	লভ্য,	সভ্যতা,	আরভ্য
ভ+য=ভ্য	লভ্য,	সভ্যতা,	আরভ্য
ম+য=ম্য	স্যোর,	ধৌম্য,	সৌম্য
ম+য=ম্য	স্যোর,	ধৌম্য,	সৌম্য

ল+য=ল্য	লাল্যকাল,	মূল্যবান,	কল্যাণ
ল+য=ল্য	বাল্যকাল,	মূল্যবান,	কল্যাণ
ব+য=ব্য	ব্যয়,	ব্যথা,	ব্যোপার
ব+য=ব্য	ব্যয়,	ব্যথা,	ব্যোপার
শ+য=শ্য	শ্যামতা,	শ্যালক,	প্রকাশ্য
শ+য=শ্য	শ্যামতা,	শ্যালক,	প্রকাশ্য
ষ+য=ষ্য	পোষ্য,	শিষ্য,	মনুষ্য
ষ+য=ষ্য	পোষ্য,	শিষ্য,	মনুষ্য
স+য=স্য	আলস্য,	শস্য,	ঔদাস্য
স+য=স্য	আলস্য,	শস্য,	ঔদাস্য
হ+য=হ্য	গহ্যমান,	মুহ্যমান,	লেহ্য
হ+য=হ্য	দহ্যমান,	মুহ্যমান,	লেহ্য

দুসরা পাঠ।

	র ফলা।	র ফলা।	
ক+র=ক্র	তক্র,	শক্র,	চক্রপাণি
ক+র=ক্র	তক্র,	শক্র,	চক্রপাণি
গ+র=গ্র	অগ্রজ,	গ্রাহক,	গ্রাহী
গ+র=গ্র	অগ্রজ,	গ্রাহক,	গ্রাহী
ঘ+র=ঘ্র	শীঘ্র,	অবঘ্রাণ,	আঘ্রাণ
ঘ+র=ঘ্র	শীঘ্র,	অবঘ্রাণ,	আঘ্রাণ

জ+র=জ্র	বজ্রপাত,	বজ্রপাণি,	বজ্রাঙ্কুশ
জ+র=জ্ব	বজ্বপাত,	বজ্বপাণি,	বজ্বাঙ্কুশ
ত+র=ত্র	পাত্র,	মিত্র,	ত্রাস
ত+র=ত্ব	পাত্ব,	মিত্ব,	ত্বাস
দ+র=দ্র	মদ্ররাজ,	ভদ্র,	দ্রাবক
দ+র=দ্ব	মদ্বরাজ,	ভদ্ব,	দ্বাবক
ধ+র=ধ্র	ধ্রুব,	গৃধ্র,	ধ্রুবরেখা
ধ+র=ধ্ব	ধ্বুব,	গৃধ্ব,	ধ্বুবরেখা
প+র=প্র	প্রবাসী,	প্রলয়,	প্রসাদ
প+র=প্ব	প্বাসী,	প্বলয়,	প্বসাদ
ভ+র=ভ্র	ভ্রূণ,	ভ্রমণ,	জাতিভ্রংশ
ভ+র=ভ্ব	ভ্বূণ,	ভ্বমণ,	জাতিভ্বংশ
ম+র=ম্র	আম্র,	তাম্র,	নম্র
ম+র=ম্ব	আম্ব,	তাম্ব,	নম্ব
ব+র=ব্র	ব্রজ,	পরিব্রাজক,	ব্রত
ব+র=ব্ব	ব্বজ,	পরিব্বাজক,	ব্বত
শ+র=শ্র	শ্রম,	শ্রীমান্,	শ্রীমতী
শ+র=শ্ব	শ্বম,	শ্বীমান্,	শ্বীমতী
হ+র=হ্র	হ্রাস,	হ্রিণীয়া,	হ্রিপিত
হ+র=হ্ব	হ্বাস,	হ্বিণীয়া	হ্বিপিত

तीसरा पाठ।

রেফ ´ रेफ

র+ক=র্ক	কর্ক,	তর্ক,	শর্করা
র+ক=র্ক	कर्क,	तर्क,	शर्करा
র+থ=র্থ	মূর্খ,	সূর্য,	চর্থা
र+ख=र्ख	मूर्ख,	सूर्ख,	चर्खा
র+গ=র্গ	দুর্গম,	দুর্গতি,	অনর্গল
र+ग=र्ग	दुर्गम,	दुर्गति,	अनर्गल
র+ঘ=র্ঘ	অর্ঘ,	দুর্ঘট,	মহার্ঘ
र+घ=र्घ	अर्घ,	दुर्घट,	महार्घ
র+জ=র্জ	বর্জ,	আর্জন,	পুনর্জাত
र+ज=र्ज	वर्ज,	आर्जन,	पुनर्जात
র+ঝ=র্ঝ	ঝর্ঝরী,	ঝর্ঝর,	নির্ঝর
र+झ=र्झ	झर्झरी,	झर्झर,	निर्झर
র+ণ=র্ণ	পর্ণকুটী,	মহার্ণব,	কর্ণধার
र+ण=र्ण	पर्णकुटी,	महार्णव,	कर्णधार
র+থ=র্থ	অর্থহানি,	গতার্থক,	চতুর্থাংশ
र+थ=र्थ	अर्थहानि,	गतार्थक,	चतुर्थांश
র+প=র্প	কুর্পর,	দর্পণ,	খর্পর
र+प=र्प	कुर्पर,	दर्पण,	खर्पर

र+व=र्व	निर्व्वल,	दुर्व्वल,	गर्व्व
र+व=र्व्व	निर्व्वल,	दुर्व्वल,	गर्व्व
र+ज=र्ज	गर्जकोष,	दुर्जन,	चतुर्भुज
र+भ=र्भ	गर्भकोष,	दुर्भच,	चतुर्भुज
र+य=र्य	दुर्योधन,	तिर्यक,	मर्यादा
र+य=र्य्य	दुर्य्योधन,	तिर्य्यक,	मर्य्यादा
र+ल=र्ल	दुर्ललित,	दुर्लभ,	वार्लि
र+ल=र्ल्ल	दुर्ल्ललित,	दुर्ल्लभ,	वार्ल्लि
र+श=र्श	अर्श,	दर्शक,	आदर्श
र+श=र्श्श	अर्श्श,	दर्श्शक,	आदर्श्श
र+ष=र्ष	लोमहर्ष,	महर्षि,	वर्षण
र+ष=र्ष्ष	लोमहर्ष्ष,	महर्ष्षि,	वर्ष्षण
र+ह=र्ह	गर्हित,	शास्त्रार्ह,	गार्हस्थ्य
र+ह=र्ह्ह	गर्ह्हित,	शास्त्रार्ह्ह,	गार्ह्हस्थ्य

चौथा पाठ।

क+ग=क्ग	वक्गकार,	रुक्मिणीकान्त
क+म=क्म	रुक्मकार,	रुक्मिणीकान्त
ग+म=ग्म	युग्म,	वाग्मी
ग+म=ग्म्म	युग्म्म,	वाग्म्मी

नोट—याद रखना चाहिये कि बँगाली लोग "दुर्य्योधन" को दुर्जोधन और "मर्य्याद्य" को "मर्जादा" बोलते हैं।

জ+ব=জ্ব	জটাজ্বাল,	জ্বর,	জ্বলন
জ+ব=জ্ব	জটাজ্বাল,	জ্বর,	জ্বলন
ট+ব=ট্ব	খট্বা,	খট্বাঙ্গ,	
ঠ+ব=ঠ্ব	খঠ্বা,	খঠ্বাঙ্গ	
ত+ব=ত্ব	মহত্ব,	ত্বরা,	সত্বর
ত+ব=ত্ব	মহত্ব,	ত্বরা,	সত্বর
দ+ব=দ্ব	দ্বারপাল,	অদ্বিতীয়,	দ্বারা
দ+ব=দ্ব	দ্বারপাল,	অদ্বিতীয়,	দ্বারা
ধ+ব=ধ্ব	মোরধ্বজ,	গরুড়ধ্বজ,	ধ্বংশ
ধ+ব=ধ্ব	মোরধ্বজ,	গরুড়ধ্বজ,	ধ্বংশ
শ+ব=শ্ব	বিশ্বাসপাত্র,	শ্বাসরোগ,	নিশ্বাস
ষ+ব=ষ্ব	বিষ্বাসপাত্র,	ষ্বাসরোগ,	নিষ্বাস
স+ব=স্ব	স্বরান্ত,	স্বাদু,	স্বর
স+ব=স্ব	স্বরান্ত,	স্বাদু,	স্বর
হ+ব=হ্ব	জিহ্বা,	আহ্বান,	বিহ্বল
হ+ব=হ্ব	জিহ্বা,	আহ্বান,	বিহ্বল

सातवा पाठ ।

ष+ण=ष्ण	विष्ण	कृष्ण	जिष्णु
ष+ण=ष्ण	विष्णु	कृष्ण	जिष्णु
ग+न=ग्न	नग्न	लग्निका	दावाग्नि
ग+न=ग्न	नग्न	लग्निका	दावाग्नि
घ+न=घ्न	कृतघ्न	रोगघ्न	विघ्न
घ+न=घ्न	कृतघ्न	रोगघ्न	विघ्न
त+न=त्न	रत्न	यत्न	रत्नाकर
त+न=त्न	रत्न	यत्न	रत्नाकर
न+न=न्न	अन्नप्राशन	छिन्नभिन्न	आच्छन्न
न+न=न्न	अन्नप्राशन	छिन्नभिन्न	आच्छन्न
श+न=श्न	प्रश्न	प्रश्नदूती	
श+न=श्न	प्रश्न	प्रश्नदूती	

आठवा पाठ ।

क+क=क्क	चक्की	मक्का	तुक्क
क+क=क्क	चक्की	मक्का	तुक्क
क+त=क्त	रक्त	तक्त	शक्ति
क+त=क्त	रक्त	तक्त	शक्ति

नोट—बंगाली लोग प्राय "ष्ण" का उच्चारण "ष्ट" करते हैं जैसे "कृष्ण" को "कृष्ट" "विष्णु" को विष्टु कहते हैं।

ক্ + ষ = ক্ষ	তক্ষক	দক্ষিণা	ক্ষমা
ক্ + ঘ = ঘ্ন	তঘ্নক	দঘ্নিণা	ঘ্নমা
গ্ + ধ = গ্ধ	দুগ্ধ	দগ্ধ	দগ্ধিকা
গ + ধ = গ্ধ	দুগ্ধ	দগ্ধ	দগ্ধিকা
ঙ + ক = ঙ্ক	অঙ্ক	ময়ঙ্ক	শঙ্কা
ঙ + ঙ্গ = ঙ্গ	অঙ্গ	ময়ঙ্গ	অঙ্গা
ঙ + খ = ঙ্খ	শঙ্খ	শঙ্খিনী	পঙ্খ
ঙ + ঘ = ঙ্ঘ	গঙ্ঘ	গঙ্ঘিনী	পঙ্ঘ
ঙ + গ = ঙ্গ	মঙ্গল	জঙ্গল	মাতঙ্গ
ঙ + গ = ঙ্গ	মঙ্গল	জঙ্গল	মাতঙ্গ

নবাঁ পাঠ।

চ + চ = চ্চ	লুচ্চা	চৌবাচ্চা	সচ্চা
চ + ছ = চ্ছ	লুচ্ছা	চৌবাচ্ছা	গুচ্ছা
চ + ছ = চ্ছ	অচ্ছা	তুচ্ছ	স্বচ্ছ
চ + ছ = চ্ছ	অচ্ছা	তুচ্ছ	স্বচ্ছ
জ + জ = জ্জ	মজ্জন	লজ্জাশীল	সজ্জন
জ + জ = জ্জ	মজ্জন	লজ্জাশীল	সজ্জন
জ্ঞ	বিজ্ঞতা	বিজ্ঞান	জ্ঞাতা
জ্ঞ	বিজ্ঞতা	বিজ্ঞান	জ্ঞাতা

ঞ+চ=ঞ্চ	কাঞ্চন	মঞ্চ	বৈঞ্চ
ঞ+ছ=ঞ্ছ	কাঞ্ছন	মঞ্ছ	বৈঞ্ছ
ঞ+জ=ঞ্জ	লাঞ্ছনা	বাঞ্ছা	মঞ্জাল
ঞ+ঝ=ঞ্ঝ	লাঞ্ঝনা	বাঞ্ঝা	মঞ্ঝাল
ঞ+জ=ঞ্জ	অঞ্জাল	মঞ্জন	মঞ্জিল
ঞ+ঝ=ঞ্ঝ	অঞ্ঝাল	মঞ্ঝন	মঞ্ঝিল

দশবাঁ পাঠ।

ট+ট=ট্ট	টট্টি	গট্টী	পট্টী
ট+ঠ=ট্ঠ	টট্ঠী	গট্ঠী	পট্ঠী
ট+ট=ণ্ট	চিরণ্টী	কণ্টক	বণ্টন
ট+ঠ=ণ্ঠ	চিরণ্ঠী	কণ্ঠক	বণ্ঠন
ঠ+ঠ=ণ্ঠ	কুণ্ঠিত	কণ্ঠ	উৎকণ্ঠা
ঠ+ঠ=ণ্ঠ	কুণ্ঠিত	কণ্ঠ	উৎকণ্ঠা
ড+ড=ণ্ড	ঠণ্ডা	কাণ্ড	দণ্ডপাণি
ড+ড=ণ্ড	ঠণ্ডা	কাণ্ড	দণ্ডপাণি
ত+ত=ত্ত	চৌরবৃত্তি	চৌরাণত্ত	মত্ত
ত+ত=ত্ত	চৌরবৃত্তি	চৌরাণত্ত	মত্ত
থ+থ=থ	উত্থান	উত্থাপন	সমুত্থিত
থ+থ=থ	উত্থান	উত্থাপন	সমুত্থিত

দ + গ = দ্গ	উদ্গাব	উদ্গীবণ	সদ্গতি
দ + গ = দ্ঘ	উদ্ঘার	উদ্ঘীরণ	সদ্ঘতি
দ + দ = দ্দ	উদ্দেশ্য	উদ্দাম	তদ্দণ্ডে
দ + দ = দ্দ্	উদ্দেশ্য	উদ্দাম	তদ্দণ্ডে
দ + ধ = দ্ধ	কদ্ধমান	উদ্ধার	শ্রাদ্ধ
দ + ধ = দ্ধ	কদ্ধমান	উদ্ধার	শ্রাদ্ধ
দ + ভ = দ্ভ	উদ্ভব	সদ্ভাব	উদ্ভিদ
দ + ভ = দ্ভ	উদ্ভব	সদ্ভাব	উদ্ভিদ
ন + ত = ন্ত	দিগন্তব	অনন্তর	কান্তা
ন + ত = ন্ত	দিগন্তর	অনন্তর	কান্তা

ग्यारहवाँ पाठ।

ন + থ = ন্থ	পন্থ	পান্থশালা	পন্থা
ন + থ = ন্থ	পন্থ	পান্থশালা	পন্থা
ন + দ = ন্দ	নন্দ	কন্দ	ছন্দ
ন + দ = ন্দ	নন্দ	কন্দ	ছন্দ
ন + ধ = ন্ধ	অন্ধ	দুর্গন্ধ	সন্ধি
ন + ধ = ন্ধ	অন্ধ	দুর্গন্ধ	সন্ধি
প + ত = প্ত	তৃপ্ত	সুপ্ত	গুপ্ত
প + ত = প্ত	তৃপ্ত	সুপ্ত	গুপ্ত

ब+द=ब्द	शब्द	अब्द	
ब+द=ब्द	शब्द	अब्द	
ब+ध=ब्ध	लब्ध	स्तब्ध	क्रुद्ध
ब+ध=ब्ध	लब्ध	स्तब्ध	क्षुब्ध
प+प=प्प	टप्पा	छप्पर	
प+प=प्प	टप्पा	छप्पर	
म+प=म्प	लम्पट	सम्पद	अनुकम्पा
म+प=म्प	लम्पट	सम्पद	अनुकम्पा
म+फ=म्फ	गुम्फित	लिम्फ	
म+फ=म्फ	गुम्फित	लिम्फ	
म+ब=म्ब	दिगम्बर	चुम्बक	तम्बूरा
म+ब=म्ब	दिगम्बर	चुम्बक	तम्बूरा
म+भ=म्भ	विश्वम्भर	गम्भीरता	
म+भ=म्भ	विश्वम्भर	गम्भीरता	
ल+क=ल्क	शुल्क	मुल्क	बाल्क
ल+क=ल्क	शुल्क	मुल्क	भाल्क
ल+प=ल्प	अल्प	कल्प	गल्प
ल+प=ल्प	अल्प	कल्प	गल्प

बारहवा पाठ।

श+च=श्च	उत्पश्चात्	निश्चय
श+च=श्च	तत्पश्चात्	निश्चय

য+ট=ষ্ট	জলকষ্ট	তুষ্টিকর	অষ্টমী
ষ+ট=ষ্ট	জলকষ্ট	তুষ্টিকর	অষ্টমী
য+ঠ=ষ্ঠ	পৃষ্ঠ	চতুষ্ঠয়	তপনেষ্ঠ
ষ+ঠ=ষ্ঠ	পৃষ্ঠ	চতুষ্ঠয়	তপনেষ্ঠ
স+ক=স্ক	তস্কর	নিস্ক	
ষ+ক=ষ্ক	তস্কর	নিষ্ক	

তেরহবাঁ পাঠ।

ক+য+ণ=ক্ষ্ণ	তীক্ষ্ণ		
ক+ষ+ণ=ক্ষ্ণ	তীক্ষ্ণ		
ক+য+ম=ক্ষ্ম	লক্ষ্মণ		
ক+ষ+ম=ক্ষ্ম	লক্ষ্মণ		
ঙ+ক+য=ঙ্ক্ষ	আকাঙ্ক্ষা		
ঙ+ক+ষ=ঙ্ক্ষ	আকাঙ্ক্ষা		
জ+জ+ব=জ্জ্ব	জাজ্বল্যমান		
জ+জ+ব=জ্জ্ব	জাজ্বল্যমান		
ত+ত+র=ত্র	পুত্রবধূ,	পুত্র,	ছাত্র
ত+ত+র=ত্র	পুত্রবধূ,	পুত্র,	ছাত্র
ত+ত+ব=তত্ত্ব	তত্ত্ববিদ,	তত্ত্বকারক	
ত+ত+ব=ত্ত্ব	তত্ত্ববিদ,	তত্ত্বকারক	
ন+ত+র=ন্ত্র	তন্ত্র,	মন্ত্র	যন্ত্রণা
ন+ত+র=ন্ত্র	তন্ত্র,	মন্ত্র,	যন্ত্রণা

न+द+र=न्द्र	इन्द्र,	चन्द्रकला,	तन्द्रा
न+द+र=न्द्र	इन्द्र,	चन्द्रकला,	तन्द्रा
न+ध+य=न्ध्या	सन्ध्या,	बन्ध्या,	
न+ध+य=न्ध्य	सन्ध्या,	बन्ध्या	
म+प+र=म्प्र	सम्प्रदान		
म+प+र=म्प्र	सम्प्रदान		
म+ब+र=म्ब्र	सम्ब्रम,	सम्ब्राज	
म+भ+र=म्भ्र	सम्भ्रम,	सम्भ्रान्त	
र+च+च=र्च्च	चर्च्चा,	चर्च्चित	
र+च+च=र्च्च	चर्च्चा,	चर्च्चित	
र+छ+छ=र्च्छ	मूर्च्छितावस्था		
र+छ+छ=र्च्छ	मूर्च्छितावस्था		
र+ज+ज=र्ज्ज	तर्ज्जनी,	दुर्ज्जन,	दुर्ज्जय
र+ज+ज=र्ज्ज	तर्ज्जनी,	दुर्ज्जन,	दुर्ज्जय

चौदहवा पाठ।

र+द+द=र्द्द	दुर्द्दशा,	चतुर्द्दशी	
र+द+द=र्द्द	दुर्द्दशा,	चतुर्द्दशी	
र+द+ध=र्द्ध	अर्द्धाशन,	दुर्द्धर	
र+द+ध=र्द्ध	अर्द्धाशन,	दुर्द्धर	
र+ग+म=र्ग्म	चर्म्मकार,	जातकर्म्म,	दुर्म्मति
र+ग+म=र्ग्म	चर्म्मकार,	जातकर्म्म,	दुर्म्मति

र+य+य=र्य्य	सूर्य्यावर्त्त,	धैर्य्य,	वीर्य्य	
र+य+य=र्य्य	सूर्य्यावर्त्त,	धैर्य्य,	वीर्य्य	
र+व+व=र्व्व	सर्व्व,	खर्व्व,	पूर्व्व,	दुर्व्वल
र+व+व=र्व्व	सर्व्व,	खर्व्व,	पूर्व्व,	दुर्व्वल
र+श+व=र्श्व	पार्श्वभाग			
र+ष+व=र्ष्व	पार्ष्वभाग			
ष+ट+र=ष्ट्र	राष्ट्रीय सभा			
ष+ट+र=ष्ट्र	राष्ट्रीय सभा			
श+त+र=श्त्र	शास्त्र,	स्त्री		
स+त+र=स्त्र	शास्त्र,	स्त्री		

चौथा अध्याय।

रिश्तेदार—स्वजन।

परमेश्वर	परमेश्वर	परमेश्वर
मानुष	मानुष	मनुष्य
पिता	पिता	बाप
माता	माता	मा
भ्राता	भ्राता	भाई
[illegible]	काका	चाचा
[illegible]	[illegible]	मौसा

পিসে	पिसे	फूफा
পুত্র	पुत्र	बेटा
বালক	बालक	बालक
কন্যা	कन्या	कन्या, लडकी
বালিকা	बालिका	बालिका
ভাগিনা	भागिना	भाञ्जा
ভাইপো	भाइपो	भतीजा
স্বামী	स्वामी	स्वामी
বাবা	बाबा	बाप
ঠাকুর দাদা	ठाकुर दादा	दादा
পিতামহ	पितामह	दादा, बाबा
মাতামহ	मातामह	नाना
জ্যেঠা	ज्येठा	ताऊ
স্ত্রীলোক, মেয়ে মানুষ	स्त्रीलोक, मेये मानुष	स्त्रियाँ
ভগিনী	भगिनी	बहिन
জ্যেঠী	ज्येठी	ताई
কাকী	काकी	काकी, चाची
মাসী	मासी	मौसी
পিসী	पिसी	फूफी, भूआ
ভাগিনী	भागिनी	भाञ्जी
ভাইঝী	भाइझी	भतीजी
স্ত্রী	स्त्री	पत्नी, बीबी

र+य+य=र्य्य	सूर्य्यावर्त्त,	धैर्य्य,	वीर्य्य
र+य+य=र्य्य	सूर्य्यावर्त्त,	धैर्य्य,	वीर्य्य
र+व+व=र्व्व	सर्व्व,	खर्व्व,	पूर्व्व, दुर्व्व
र+व+व=र्व्व	सर्व्व,	खर्व्व,	पूर्व्व, दुर्व्व
र+श+व=र्श्व	पार्श्वभाग		
र+श+व=र्श्व	पार्श्वभाग		
र+ष+ट=र्ष्ट्र	राष्ट्रीय सभा		
र+ष+ट=र्ष्ट्र	राष्ट्रीय सभा		
र+स+त=र्स्त्र	शास्त्र,	स्त्री	
र+स+त=र्स्त्र	शास्त्र,	स्त्री	

चौथा अध्याय।

रिश्तेदार—स्वजन।

परमेश्वर	परमेश्वर	परमेश्वर
मानुष	मानुष	मनुष्य
पिता	पिता	बाप
माता	माता	मा
भ्राता	भ्राता	भाई
काका	काका	चाचा
मेसो	मेसो	मौसा

পিসে	पिसे	फूफा
পুত্র	पुत्र	बेटा
বালক	बालक	बालक
কন্যা	कन्या	कन्या, लड़की
বালিকা	बालिका	बालिका
ভাগিনা	भागिना	भाञ्जा
ভাইপো	भाइपो	भतीजा
স্বামী	स्वामी	स्वामी
বাবা	बाबा	बाप
ঠাকুর দাদা	ठाकुर दादा	दादा
পিতামহ	पितामह	दादा, बाबा
মাতামহ	मातामह	नाना
জ্যেঠা	ज्येठा	ताऊ
স্ত্রীলোক, মেয়ে মানুষ	स्त्रीलोक, मेये मानुष	स्त्रियाँ
ভগিনী	भगिनी	बहिन
জ্যেঠী	ज्येठी	ताई
কাকী	काकी	काकी, चाची
মাসী	मासी	मौसी
পিসী	पिसी	फूफी, भूआ
ভাগিনী	भागिनी	भाञ्जी
ভাইঝী	भाइझी	भतीजी
স্ত্রী	स्त्री	पत्नी, बीबी

র+য+য=র্য্য	সূর্য্যাবর্ত্ত,	ধৈর্য্য,	বীর্য্য	
র+য+য=র্য্য	সূর্য্যাবর্ত্ত,	ধৈর্য্য,	বীর্য্য	
র+ব+ব=র্ব্ব	সর্ব্ব,	খর্ব্ব,	পূর্ব্ব,	দুর্ব্বল
র+ব+ব=র্ব্ব	সর্ব্ব,	খর্ব্ব,	পূর্ব্ব,	দুর্ব্বল
র+শ+ব=র্শ্ব	পার্শ্বভাগ			
র+ষ+ব=র্ষ্ব	পার্ষ্বভাগ			
ষ+ট+র=ষ্ট্র	রাষ্ট্রীয় সভা			
ষ+ট+র=ষ্ট্র	রাষ্ট্রীয় সভা			
স+ত+র=স্ত্র	শাস্ত্র,	স্ত্রী		
স+ত+র=স্ত্র	শাস্ত্র,	স্ত্রী		

চৌথা অধ্যায়।

রিস্তেদার—স্বজন।

পরমেশ্বর	পরমেশ্বর	পরমেশ্বর
মানুষ	মানুষ	মনুষ্য
পিতা	পিতা	বাপ
মাতা	মাতা	মা
ভ্রাতা	ভ্রাতা	ভাই
কাকা	কাকা	চাচা
মেসো	মেসো	মৌসা

পিসে	पिसे	फूफा
পুত্র	पुत्र	बेटा
বালক	बालक	बालक
কন্যা	कन्या	कन्या, लड़की
বালিকা	बालिका	बालिका
ভাগিনা	भागिना	भाञ्जा
ভাইপো	भाइपो	भतीजा
স্বামী	स्वामी	स्वामी
বাবা	बाबा	बाप
ঠাকুর দাদা	ठाकुर दादा	दादा
পিতামহ	पितामह	दादा, बाबा
মাতামহ	मातामह	नाना
জ্যেঠা	ज्येठा	ताऊ
স্ত্রীলোক, মেয়ে মানুষ	स्त्रीलोक, मेये मानुष	स्त्रियाँ
ভগিনী	भगिनी	बहिन
জ্যেঠী	ज्येठी	ताई
কাকী	काकी	काकी, चाची
মাসী	मासी	मौसी
পিসী	पिसी	फूफी, भूआ
ভাগিনী	भागिनी	भाञ्जी
ভাইঝী	भाइझी	भतीजी
স্ত্রী	स्त्री	पत्नी, बीबी

মা	मा	मा, माता
ঠাকুর-মা	ठाकुर मा	दादी
দিদি-মা	दिदि-मा	नानी
দৌহিত্র	दौहित्र	दोहिता
পৌত্র	पौत्र	नाती,पोता
পৌত্রী	पौत्री	नतनी, पोती
দৌহিত্রী	दौहित्री	दुहिती
মামা	मामा	मामा
মামী	मामी	मामी
জামাই, জামাতা	जामाइ, जामाता	दामाद,जमाई
পুত্রবধূ	पुत्रवधू	बेटेकी बहु
শ্বশুর	श्वशुर	सुसर
শাশুড়ি	शाशुडि	सास
খুড়-শ্বশুর	खुड-श्वशुर	ककिया सुसर
মামা শ্বশুর	मामा श्वशुर	ममिया सुसर
খুড়-শাশুড়ি	खुड शाशुडि	ककिया सास
মামা শাশুড়ি	मामा शाशुडि	ममिया सास
শালা, সম্বন্ধী	शाला, सम्बन्धी	साला
শালী	शाली	साली
ভগিনীপতি	भगिनीपति	बहनोई
ভাজ	भाज	भौजाई
দেবর	देवर	देवर

ভাসুর	भासुर	जेठ
বেয়াই	बेयाइ	समधी (सम्बन्धी)
ননদ	ननद	ननद
বেয়ান	बेयान	समधिन
প্রভু	प्रभु	प्रभु
মনিব	मनिब	मालिक
মনিব-পত্নী	मनिब-पत्नी	मालिकिन
বর	बर	बर, दूलह
ক'নেবউ	क'नेबउ	छोटीबहू
বিবাহের ক'নে	बिबाहेर क'ने	दुलहिन
সতীন পো	सतीन पो	सौतेलाबेटा
সতীন-ঝি	सतीन झि	सौतेलीबेटी
ধর্ম্ম পিতা	धर्म्म पिता	धर्म्मपिता
ধর্ম্মমাতা	धर्म्म माता	धर्म्म माता
ধাত্রীপুত্র	धात्री पुत्र	धा भाई
ধাত্রী কন্যা	धात्री कन्या	धा बहिन
পুরোহিত	पुरोहित	प्रोहित
পুরোহিত-পত্নী	पुरोहित-पत्नी	प्रोहितानी
গৃহ শিক্ষক	गृह शिक्षक	घरमें सिखानेवाला
শিক্ষয়িত্রী	शिक्षयित्री	सिखानेवाली
গুরু	गुरु	गुरु
গুরু-পত্নী	गुरु पत्नी	गुरुमाइन

চাকর	चाकर	चाकर, नौकर
মহাজন	महाजन	महाजन
ধনদাতা	धनदाता	बौहरा
বিদেশী	बिदेशी	परदेशी
ঠিকাদার	ठिकादार	ठेकेदार
প্রতিবেশী	प्रतिवेशी	पड़ोसी
অপরিচিত ব্যক্তি	अपरिचित व्यक्ति	अजनबी
জমিদার	जमिदार	ज़मींदार
প্রজা	प्रजा	किरायेदार
কৃতদাস	क्रतदास	गुलाम
ছাত্র	छात्र	छात्र, विद्यार्थी
শিক্ষানবীশ	शिक्षानवीश	उम्मेदवार
শিষ্য	शिष्य	शिष्य, शागिर्द
শরীর	शरीर	बदन
মস্তক	मस्तक	मस्तक, सिर
অঙ্গ	अङ्ग	अङ्ग

অঙ্গ প্রত্যঙ্গ।

মাথারখুলি	माथारखुलि	खोपड़ी
মুখমণ্ডল	मुखमण्डल	चेहरा
মুখগহ্বর	मुखगह्वर	मुँह
দাঁত	दाँत	दाँत

জিভ	জিভ	जीभ
আলজিভ	আলজিভ।	गलेकीकौडी
কণ্ঠ	কণ্ঠ	गला, कण्ठ
ঘাড়	ঘাড় ।	गर्दन
গাল	গাল	गाल
চিবুক	চিবুক ।	ठोडी
ঠোঁট	ঠোঁট ।	होठ
কাঁধ	কাঁধ ।	कन्धा
চোয়াল	চোয়াল।	जाबडा
বুক	বুক।	छाती
পিঠ	পিঠ	पीठ
মেরুদণ্ড	মেরুদণ্ড ।	पीठका बाँसा
পেট	পেট	पेट
তলপেট	তলপেট।	पेडू
পাকস্থলী	পাকস্থলী	पाकस्थली
কোমর	কোমর	कमर
চামড়া	চামড়া	चमड़ा
ত্বক	ত্বক।	चमडा
হাত	হাত	हाथ
হাতের কব্জী	হাতের কব্জী	कब्जा
হাতের আঙ্গুল	হাতের আঙ্গুল	हाथकी उँगली
বুড়া আঙ্গুল	বুড়া আঙ্গুল	अँगूठा

চঞ্চু	চঞ্চু	ঠোঁট
ডানা	ডানা	পর
ডিম্ব	ডিম্ব	অণ্ডা
কীট	কীট	কীড়া
পিপালিকা	পিপীলিকা	পীঁটী
উকুণ	উকুণ	জুঁ
নিকি	নিকি	লীক
মাকড়সা	মাকড়সা	মকড়ী
গুটিপোকা	গুটিপোকা	রেশমকা কীড়া
জোঁক	জোঁক	জোঁক
ছারপোকা	ছারপোকা	খটমল
গুবরেপোকা	গুবরেপোকা	গুবরীলা
সর্প	সর্প	সর্প, সাঁপ
ঝিনুক	ঝিনুক	সীপ
কচ্ছপ	কচ্ছপ	কছুআ
শামুক	শামুক	ঘোঁঘা
শঙ্খ, শাঁখ	শঙ্খ, শাখ	শঙ্খ
কুম্ভীর	কুম্ভীর	মগর, ঘড়িয়াল
টিক্‌টিকি	টিক্‌টিকি	-ছিপকলী
কিউটেসাপ	কিউটেসাপ	কালাসাঁপ
কটকটে-বেঙ	কটকটে-বেঙ	মেঁঙকা
বিছা	বিছা	বিচ্ছু

ফুটী	फुटी	फूट
তরমুজ	तरमुज	तरबूज़
খরমুজ	खरमुज	खरबूज़ा
বাদাম	बादाम	बादाम
পিস্তা	पिस्ता	पिस्ता
আঙ্গুর	आङ्गुर	अङ्गूर
কিসমিস	किसमिस	किशमिश
আখরোট	आखरोट	अखरोट
গোলাপ	गोलाप	गुलाब
গাঁদা	गाँदा	गेंदा
যুঁতি	जुँति	चमेली
পদ্ম	पद्म	पद्म, कमल
ধুতুরাফুল	धुतुराफुल	धतूरेकाफूल
শাক সবজী	शाक सबजी	साग, तरकारी
বাঁধা কপি	बाँधा कपि	बन्द गोभी
ফুলকপি	फुलकपि	फूलगोभी
বেগুন	बेगुन	बैंगन
রসুন	रसुन	लहसन
পেঁয়াজ	पेंयाज	प्याज
গোলআলু	गोलआलु	आलू
লাউ	लाउ	लौकी
মূলা	मूला	मूली

फल और मेवे।

ফল	फल	फल
আম	आम	आम
জাম	जाम	जामुन
কাঁঠাল	काँठाल	कटहल
পিয়ারা	पियारा	अमरूद
নাশপাতি	नाशपाति	नाशपाती
কলা	रम्भा	केला
লেবু	लेबु	नीबू
কমলা লেবু	कमलालेबु	नारङ्गी
দাড়িম	दाडिम	
তাল	ताल	
খেজুর	खेजुर	
ফুল	फुल	
কালজাম	कालजाम	
সুপারি	सुपारि	
আনারস	आनारस	
নারিকেল	नारिकेल	
লিচু	लिचु	
শসা	शसा	
তেঁতুল	तेँतुल	

ফুটী	ফুটী	ফুট
তরমুজ	তরমুজ	তরবুজ
খরমুজ	খরমুজ	খরবুজা
বাদাম	বাদাম	বাদাম
পিস্তা	পিস্তা	পিস্তা
আঙ্গুর	আঙ্গুর	অঙ্গুর
কিসমিস	কিসমিস	কিশমিশ
আখরোট	আখরোট	অখরোট
গোলাপ	গোলাপ	গুলাব
গাঁদা	গাঁদা	গেঁদা
যুঁতি	যুঁতি	চমেলী
পদ্ম	পদ্ম	পদ্ম, কমল
ধুতুরাফুল	ধুতুরাফুল	ধতুরকাফুল
শাক সবজী	শাক সবজী	সাগ, তরকারী
বাঁধা কপি	বাঁধা কপি	বন্দ গোভী
ফুলকপি	ফুলকপি	ফুলগোভী
বেগুন	বেগুন	বৈগন
রসুন	রসুন	লহসন
পলাণ্ডু	পলাণ্ডু	প্যাজ
গোলআলু	গোলআলু	আলু
লাউ	লাউ	লৌকী
মূলা	মূলা	মূলী

মসালে।

মসলা	मसला	मसाले
জয়ত্রী	जयत्री	जावित्री
জিরা	जिरा	ज़ीरा
হরিদ্রা	हरिद्रा	हलदी
মৌরি	मौरि	सौंफ
জাফ্রান	जाफ़्रान	केशर
কস্তুরি	कस्तुरि	कस्तूरी
লবঙ্গ	लवङ्ग	लौंग
কর্পূর	कर्पूर	कपूर
শুঁঠ	शुँठ	सोंठ
গোলমরিচ	गोलमरिच	गोलमिर्च
সরিসা	सरिसा	राई
লঙ্কা	लङ्का	लालमिर्च
আদা	आदा	अदरख
জায়ফল	जायफल	जायफल
এলাইচ	एलाइच	इलायची
তেজপাত	तेजपात	तेजपात
দারুচিনি	दारुचिनि	दालचीनी
পেঁপুল	पेँपुल	पीपर
কাবাবচিনি	काबाबचिनि	कबाबचीनी
খয়ের	खयेर	खैर, कत्था

खाद्य द्रव्य और बरतन ।

খাদ্য	खाद्य	भोजन
জল	जल	पानी, जल
ভাত	भात	भात
মদ্য	मद्य	मद्य, शराब
রুটী	रुटी	रोटी
ডাল	डाल	दाल
ঝোল	झोल	झोल, शोरवा
অম্বল, টক্	अम्बल, टक्	खट्टा, चटनी
মাছ	माछ	मछली
ডিম্ব	डिम्ब	अण्डा
মাংস	मांस	मांस
পিষ্টক	पिष्टक	टिकिया
দুগ্ধ	दुग्ध	दूध
সাগু	सागु	साबू
মাখম	माखम	मक्खन
ছানা	छाना	छना
দধি	दधि	दही
পনির	पनिर	पनीर
সর	सर	मलाई
ক্ষীর	क्षीर	खीर

कपड़े और ज़ेवर।

পোষাক	पोषाक	पोशाक
অলঙ্কার	अलङ्कार	गहना
কাপড়	कापड	कपड़ा
চাদর	चादर	चद्दर
পাজামা	पाजामा	पायजामा
কোট	कोट	कोट
কামিজ	कामिज	कमीज
ঘাগরা	घागरा	घागरा
চোগা	चोगा	चुगा
আস্তিন	आस्तिन	आस्तीन
কোমরবন্ধ	कोमरबन्ध	कमरबन्द
জেব	जेब	जेब
তোয়ালে	तोयाले	तौलिया
দস্তানা	दस्ताना	दस्ताना
টুপি	टुपि	टोपी
পাগড়ী	पागडी	पगड़ी
মলমল	मलमल	मलमल
ছিট-কাপড়	छिट कापड	छींट
মখমল	मखमल	मखमल
পশমী কাপড়	पशमी कापड	ऊनी कपड़ा

পশম	पशम	ऊन
রেশম	रेशम	रेशम
অস্তর	अस्तर	अस्तर
কঙ্কন	कङ्कन	कङ्कन
বোতাম	बोताम	बोताम, बटन
মোজা	मोजा	मोज़ा
শাল,	शाल	शाल, दुशाला
রুমাল	रुमाल	रुमाल
আংটি	आँटि	अँगूठी
হার	हार	हार, माला
ফিতা	फिता	फीता

घर और घरका सामान।

বাড়ী	बाड़ी	घर
ইমারত বাড়ী	इमारत बाड़ी	इमारत
বসতবাড়ী	बसतबाड़ी	रहनेका मकान
কুঠারী	कुठारी	कोठरी
ছাদ	छाद	छत
দরজা	दरजा	दरवाज़ा
চৌকাট	चौकाट	चौखट

দোলনা	दोल्‌ना	पालना
লণ্ঠন	लण्ठन	लालटेन
দেওয়ালগিরি	देवालगिरि	दीवालगीरी
ঝাড়	झाड़	झाड़
প্রদীপ	प्रदीप	चिराग, दीपक
সলতা	सल्‌ता	बत्ती
বাতী	बाती	मोमबत्ती
খিল	खिल	चिटकनी
শিকল	शिकल	साँकल, ज़ञ्जीर
পেরেক	पेरेक	कील
ইস্ক্রুপ	इस्क्रूप	पेच, स्क्रू
কড়ি	कड़ि	कड़ी, लट्ठा
ধন্না	धन्ना	कड़ी, धरन
মেজে	मेजे	फर्श
দেওয়াল	देवाल	दीवार
সিঁড়ি	सिँड़ि	सीढ़ी
তক্তা	तक्ता	तख़्त
খুঁটি	खुँटि	खूँटी
ফটক	फटक	फाटक
কেদারা	केदारा	कुर्सी
মেজ্‌	मेज़	मेज़
বাক্স	बाक्स	सन्दूक

চুণ	চুণ	চুনা
বিলাতী মাটি	বিলাতী মাটি	বিলায়তী মিট্টী
বাক্সের কল	বাক্সের কল	তালা
কুলুপ	কুলুপ	তালা
চাবি	চাবি	চাবী, কুঞ্জী
পর্দ্দা	পর্দা	পর্দা
কার্পেট	কার্পেট	দরী
ঘটি	ঘটি	পানীকী ঘড়িয়া
বাটী	বাটী	কটোরী
কড়া	কড়া	কড়াহ
জলের জালা	জলের জালা	পানীকা মাট
কাঁচের বাসন	কাঁচের বাসন	কাঁচকা বরতন
চীনের বাসন	চীনের বাসন	চীনীকা বরতন
কেট্‌লি	কেট্‌লি	দেগচী
ঝাঁটা	ঝাঁটা	ঝাড়ু
ছাতা	ছাতা	ছাতা, ছতরী
লাটিম	লাটিম	লট্টু
ছাঁক্‌নি	ছাঁক্‌নি	ছন্না
চালনী	চালনী	চলনী
জাঁতা	জাঁতা	চক্কী
দিয়াশালাই	দিয়াশালাই	দিয়াসলাই
পুত্তলিকা	পুত্তলিকা	গুড়িয়া

চিকনী	चिकनी	कंघी
খেল্‌না	खेल्‌ना	खिलौना
ছড়ি	छड़ि	छड़ी
শাঁক	शाँक	शङ्ख
খড়ি	खड़ि	खड़िया
ছুরি	छुरि	छुरी, चाकू
কম্বল	कम्बल	कम्बल
লেপ	लेप	रजाई
তোশক	तोशक	तोशक
বালিশ	बालिश	तकिया
পাশবালিশ	पाशबालिश	गोल लम्बा तकिया
গদি	गदि	गद्दी
মসারি	मसारि	मच्छरी
গামছা	गामछा	अँगोछा
ঝুড়ি	झुड़ि	टोकरी
থলে	थले	थैला
কোচ	कोच	पलँग
বিছানার চাদর	बिछानार चादर	बिस्तरोंकीचद्दर
মোম্‌	मोम्‌	मोम
গালিচা	गालिचा	गलीचा
জীন	जीन	ज़ीन
লাগাম	लागाम	लगाम

চাবুক	चाबुक	चाबुक
ভাঁড়	भाँड	भांड़ी
ফাঁদ	फाँद	फन्दा

वस्त्र और जूते वगैरः।

আটপৌরে কাপড়	आटपौरे कापड	हर समय के कपड़े
ধোলাই করা কাপড়	धोलाइ करा कापड़	धुले हुए कपड़े
শীতকালের কাপড়	शीतकालेर कापड	जाड़े के कपड़े
সুতার কাপড	सुतार कापड	सूती कपड़ा
রেশমী কাপড়	रेशमी कापड़	रेशमी कपड़ा
খাদি কাপড়	खादि कापड	कपड़े का टुकड़ा
মোমের কাপড	मोमेर कापड	मोमजामा
বনাত	बनात	बनात
ফ্লানেল্	फ्लानेल्	फलालेन
ক্যানবিস	क्यानविस	किरमिच
পকেট	पकेट	जेब
বগলি	बगलि	जेब
গলাসি	गलासि	कॉलर
পরিচ্ছদ	परिच्छद	पोशाक
কোরা কাপড়	कोरा कापड़	कोरा कपड़ा

সাদা কাপড	सादा कापड	सफ़ेद कप
ঘোম্‌টা	घोम्‌टा	घूँघ
গরম চাদর	गरम चादर	लिहा
সুতা	सूता	डो
সূচ	सूच	स
চসমা	चसमा	चश्मा, ऐन
ঘড়ির চেন	घडिर चेन	घडीकी चे
জুতা	जूता	जू
চটি জুতা	चटि जूता	चपटा जू

स्कूल और लिखने पढ़ने का सामान।

বিদ্যালয়	विद्यालय	विद्यालय
চতুষ্পাঠী	चतुष्पाठी	पाठशाला
শিক্ষক	शिक्षक	शिक्षक
অধ্যাপক	अध्यापक	पढानेवाला
বিশ্ববিদ্যালয়	विश्वविद्यालय	विश्वविद्यालय
প্রধান শিক্ষক	प्रधान शिक्षक	प्रधान शिक्षक
অধ্যক্ষ	अध्यक्ष	अध्यक्ष
পাঠার্থী	पाठार्थी	विद्यार्थी

শিক্ষার্থী	शिक्षार्थी	विद्यार्थी
ছাত্র	छात्र	छात्र
পাঠক	पाठक	पढ़नेवाला
পুস্তক	पुस्तक	पुस्तक
পাঠ্য পুস্তক	पाठ्य पुस्तक	पाठ्य पुस्तक
কাগজ	कागज	कागज़
চুষীকাগজ	चुषीकागज	स्याही सोख
কলম	कलम	क़लम
কালি	कालि	स्याही
দোয়াত	दोयात	दावात
পুরস্কার	पुरस्कार	पुरस्कार, इनाम
ফল	फल	फल, परिणाम
শ্রেণী	श्रेणी	दर्जा, श्रेणी
নম্বর	नम्बर	नम्बर
সাপ্তাহিক পরীক্ষা	साप्ताहिक परीक्षा	
পাক্ষিক পরীক্ষা	पाक्षिक परीक्षा	
মাসিক পরীক্ষা	मासिक परीक्षा	
দ্বৈমাসিক পরীক্ষা	द्वैमासिक परीक्षा	
ত্রৈমাসিক পরীক্ষা	त्रैमासिक परीक्षा	
বার্ষিক পরীক্ষা	वार्षिक परीक्षा	
উচ্চশ্রেণীতে উঠা	उच्चश्रेणीमें उठा	दर्जा चढ़ाना
পুস্তকাগার	पुस्तकागार	पुस्तकालय

रोज़गारी लोग।

উকীল	उकील	वकील
কৌন্সিলি	कौन्सिलि	बड़ा वकील
কৃষক	कृषक	कृषक, किसान
ডাক্তার	डाक्तार	डाक्टर
মহাজন	महाजन	महाजन
চিকিৎসক	चिकित्सक	चिकित्सक, वैद्य
নাপিত	नापित	नाई
ধীবর	धीवर	धीवर, मछुवा
ব্যারিষ্টার	बारिष्टार	बैरिष्टर
জেলে	जेले	मछुआ
ভিক্ষুক	भिक्षुक	भिखारी
বাগানেরমালী	बागानिरमाली	बागकामाली
কামার	कामार	लुहार
স্বর্ণকার	स्वर्णकार	सुनार
মাঝি	माझि	माझी, मल्लाह
স্যাকরা	स्याकरा	सुनार
দপ্তরি	दप्तरि	जिल्दसाज़
মুদী	मुदी	पसारी
পুস্তক বিক্রেতা	पुस्तक विक्रेता	किताबवाला
সহিস	सहिस	साईस

দালাল	দালাল	দলাল
ফিরিওয়ালা	ফিরিবালা	ফেরিবালা
কসাই	কসাই	কসাই
বিচারকর্ত্তা	বিচারকর্ত্তা	বিচারক, জজ
সূত্রধর, সুথার	সূত্রধর, সুথার	বঢই
মজুর	মজুর	মজদুর
পাহারাদার	পাহারাদার	পুলিসকাসিপাহী
আইন ব্যবসায়ী	আইন ব্যবসায়ী, কানুনী পেশীবালা	
জুতা মেরামতকারী	জুতা মেরামত কারী	মোচী
ফৌজদারী হাকিম	ফৌজদারী হাকিম	মজিষ্ট্রেট
মুচী	মুচী	মোচী
রাজমিস্ত্রী	রাজমিস্ত্রী	রাজ-মিস্ত্রী
রাঁধুনী	রাঁধুনী	রসোইয়া
সওদাগর	সওদাগর	সৌদাগর
রাখাল	রাখাল	চরবাহা
গোয়ালা	গোয়ালা	গ্বালা, দুধবালা
দোকানদার	দোকানদার	দুকানদার
ধাত্রী	ধাত্রী	ধাত্রী, দাই
সৈন্য	সৈন্য	সিপাহী
কলু	কলু	তেলী
যোদ্ধা	জোদ্ধা	যোধা
চসমাবিক্রেতা	চসমাবিক্রেতা,	চশমা বেচনেবালা

আজ রাত্রি	आज रात्रि	आजरात
গতকল্য	गतकल्य	गयाहुआ कल
আগামী কল্য	आगामी कल्य	आनेवाला कल

सप्ताह के दिन और ऋतुए ।

রবিবার	रविवार	रविवार
সোমবার	सोमवार	सोमवार
মঙ্গলবার	मङ्गलवार	मङ्गलवार
বুধবার	बुधवार	बुधवार
বৃহস্পতিবার	बृहस्पतिवार	बृहस्पतिवार
শুক্রবার,	शुक्रवार	शुक्रवार
শনিবার	शनिवार	शनिवार
ঋতু	ऋतु	ऋतु-मौसम
গ্রীষ্মকাল	ग्रीष्मकाल	गरमीका मौसम
বর্ষাকাল	वर्षाकाल	वर्षाका
শরৎকাল	शरत्काल	शरत्का
হেমন্তকাল	हेमन्त काल	हेमन्तका
শীতকাল	शीतकाल	शीतका
বসন্তকাল	वसन्तकाल	वसन्त ऋ

नोट—बंगाली लोग बृहस्पतिवार को "लक्खीवार" औ
"गुरुवार" भी बोलते हैं।

खनिज पदार्थ ।

र्ण	स्वर्ण	सोना
ौप्य	रौप्य	चांदी
ाम्र	ताम्र	ताम्बा
ौह	लौह	लोहा
ोलाद	इस्पात	फौलाद
स्ता	दस्ता	जस्ता
टकिरि	फट्किरि	फिटकरी
ीसा	सीसा	शीशा
ीतल	पित्तल	पीतल
ारा, पारद	पारा, पारट	पारा
न्धक	गन्धक	गन्धक
न्धव लवण	सैन्धव लवण	सैंधा नमक
ीरक	हीरक	हीरा
ान्ना	पान्ना	पन्ना
नी	चुनी	चुनी

दिशाऐं ।

उत्तरदिक	उत्तरदिक	उत्तर दिशा
क्षिणदिक	दक्षिणदिक	दक्खन दिशा

প্রমাণ	प्रमाण	प्रमा
নালিস	नालिस	नाल
খৎ	खत्	दस्ता
পাট্টা	पाट्टा	
জবানবন্দী	जबानबन्दी	जबानब
শপথ	शपथ	शपथ, क
গ্রেপ্তারি পরোয়ানা	ग्रेप्तारि-परवाना	गिरफ्तारीका प
		वान
মুচলিখা	मुचलिखा	मुचल
নিষ্পত্তি	निष्पत्ति	फैस
খালাস	खालास	रिह
পুনর্ব্বিচার	पुनर्व्विचार	नज़रसा
নথী	नथी	ना
আমমোক্তার নামা	आममोक्तारनामा	आममुख़्तारना
দলিল	दलिल	दली
শুনানি	शुनानि	सुनवा
নীলাম	नीलाम	नीला

संज्ञाविशेषण पद।

লাল	लाल	ला

সাদা	सादा	सफ़ेद
শান্ত	शान्त	शान्त
ধূর্ত্ত	धूर्त्त	धूर्त्त
বলবান্	बलवान्	बलवान्
দুর্ব্বল	दुर्ब्बल	कमज़ोर
মোটা	मोटा	मोटा
কৃশ	कृश	कृश, दुबला
সুন্দর	सुन्दर	सुन्दर
ভাল	भाल	अच्छा
সুশ্রী	सुश्री	सुन्दर
কোন	कोन	कोई, कुछ
এ কোন	ए कोन	कोई
কতকগুলি	कतकगुलि	कुछ
অনেক	अनेक	बहुतेरे
এই	एइ	यह
ঐ	ऐ	वह
সেই	सेइ	वह
এই সকল	एइ सकल	ये सब
ঐ সকল	ऐ सकल	ये सब
মন্দ	मन्द	बुरा
বড়	बड़	बड़ा
বৃহৎ আকার	बृहत् आकार	

মূক	मूक	गूँगा
বোবা	बोबा	गूँगा
দীর্ঘাকার	दीर्घाकार	लम्बा
বেঁটে	बेंटे	छोटा
খর্ব্বাকার	खर्व्वाकार	बौना
বিশ্রী	बिश्री	कुरूप
কুৎসিৎ	कुत्सित्	भद्दा
প্রবল	प्रबल	तेज़, ज़ोरावर
গভীর	गभीर	गहरा
উচ্চ	उच्च	ऊँचा
নিম্ন	निम्न	नीचा
গরম	गरम	गरम
শীতল	शीतल	शीतल
ঠাণ্ডা	ठाण्डा	ठण्डा
সুমিষ্ট	सुमिष्ट	मीठा
সুমধুর	सुमधुर	मीठा
দ্রুতগামী	द्रुतगामी	तेज़ चलनेवाला
ভয়ানক	भयानक	भयानक
সংকীর্ণ	सकीर्ण	तङ्ग
বিস্তৃত	विस्तृत	चौड़ा
উপস্থিত	उपस्थित	मौजूद, हाज़िर
অনুপস্থিত	अनुपस्थित	नामौजूद

জীবিত	জীবিত	ज़िन्दा
মৃত	মৃত	मृत, मुर्दा
প্রফুল্ল	প্রফুল্ল	ख़ुश
গম্ভীর	গম্ভীর	गम्भीर
লজ্জাশীল	লজ্জাশীল	शरमीला
লাজুক	লাজুক	लजीला
শিষ্টাচারী	শিষ্টাচারী	शिष्टाचारी
অশিষ্ট	অশিষ্ট	गँवार
সাবধান	সাবধান	सावधान
অসাবধান	অসাবধান	ग़ाफ़िल
বিশ্বাসী	বিশ্বাসী	विश्वासी
বিশ্বাসঘাতক	বিশ্বাসঘাতক	विश्वासघातक
গৃহপালিত	গৃহপালিত	घरेलू
বে আদব	বে আদব	बे अदब
খিটখিটে	খিট্‌খিটে	चिरचिरा
নিরুপায়	নিরুপায়	नि सहाय
কৃতজ্ঞ	কৃতজ্ঞ	एहसानमन्द
কশা	কশা	कसा हुआ
ঢিলে	ঢিলে	ढीला
অল্প	অল্প	अल्प, थोड़ा
যথেষ্ট	যথেষ্ট	यथेष्ट, काफ़ी
সমুদয়	সমুদয়	

सर्व्वनाम शब्द ।

আমি	आमि	मैं
তুই	तुइ	तू
আপনি	आपनि	आप
তুমি	तुमि	तुम
আমরা	आमरा	हम
তোমরা	तोमरा	तुम लोग
আপনারা	आपनारा	आपलोग
তিনি	तिनि	वह
সে	से	वह
ইহা	इहा	यह
তাহারা	ताहारा	[illegible]
তাঁহারা	ताँहारा	[illegible]
আমার	आमार	मेरा
আপনার	आपनार	आपका

তোর	तोर	तेरा
তাহার	ताहार	उसका
তাঁহার	ताँहार	उसका
আমাদিগের	आमादिगेर	हमारा
তোমার	तोमार	तुम्हारा
তোমাদিগের	तोमादिगेर	तुम्हारा
তাহাদিগের	ताहादिगेर	उनका
আমাকে	आमाके	मुझे
তোকে	तोके	तुझे
আপনাকে	आपनाके	आपको
তোমাকে	तोमाके	तुम्हें
তাহাকে	ताहाके	उसे
ইহাকে	इहाके	इसे
আমাদিগকে	आमादिगके	हमें
তোমাদিগকে	तोमादिगके	तुम्हें
তাহাদিগকে	ताहादिगके	उन्हें

सम्बन्ध और प्रश्न वाचक शब्द ।

যিনি, যে	जिनि, जो	जो
যাহার	जाहार	जिसका
যাহাকে	जाहाके	जिसको

যাহা, যে	জাহা, জে	जो
কে	কে	कौन
কাহার	কাহার	किसका
কাহাকে	কাহাকে	किसको
কোন্	কোন্	कौनसा
কি	কি	क्या
কাহারা	কাহারা	किनका
কে কে	কে কে	कौन-कौन
কাহাদিগের	কাহাদিগের	किनका
কাহাদিগকে	কাহাদিগকে	किनको
আমি নিজে	আমি নিজে	मैं खुद
তুমি নিজে	তুমি নিজে	तुम खुद
তিনি নিজে	তিনি নিজে	वह खुद
সে নিজে	সে নিজে	वह खुद
আমরা নিজে	আমরা নিজে	हम खुद
তোমরা নিজে	তোমরা নিজে	तुम खुद
তাহারা নিজে	তাহারা নিজে	वे खुद

गुण और अवस्था वाचक विशेष्य शब्द।

दया	दया	दया
कृपा	कृपा	कृपा
उदारता	उदारता	उदारता
आशा	आशा	आशा
भय	भय	भय, डर
दुःख	दुःख	दुःख
क्रोध	क्रोध	क्रोध
हिंसा	हिंसा	हिंसा
गर्व	गर्व	गर्व, घमण्ड
सहानुभूति	सहानुभूति	सहानुभूति
श्रद्धा	श्रद्धा	श्रद्धा
बन्धुता	बन्धुता	मित्रता
सत्यता	सत्यता	ईमानदारी
आग्रह	आग्रह	आग्रह
साहस	साहस	साहस
धैर्य्य	धैर्य्य	धैर्य्य
निष्ठुरता	निष्ठुरता	निष्ठुरता
उच्चाभिलाष	उच्चाभिलाष	उच्चाभिलाष

উচ্চাকাঙ্খা	উচ্চাকাঙ্খা	উচ্চাকাঙ্খা
ঘৃণা	ঘৃণা	ঘৃণা
ক্ষমা	ক্ষমা	ক্ষমা
আমোদ	আমোদ	আমোদ, খুশী
ব্যথা	ব্যথা	ব্যথা, দুঃখ
ভীরুতা	ভীরুতা	ভীরুতা, ভয়পোকপন
দৈর্ঘ্য	দৈর্ঘ্য	লম্বাই
বিস্তার	বিস্তার	চৌড়াই
অভ্যাস	অভ্যাস	অভ্যাস
বেধ	বেধ	মুটাই
গভীরতা	গভীরতা	গহ্বরাই
উচ্চতা	উচ্চতা	উঁচাই
নীচতা	নীচতা	নীচতা
সম্পদ	সম্পদ	সম্পদ
বিপদ	বিপদ	বিপদ
দুর্গতি	দুর্গতি	দুর্গতি
বিশুদ্ধতা	বিশুদ্ধতা	সফাই
উপস্থিতি	উপস্থিতি	হাজিরী
শৈশবকাল	শৈশবকাল	
যৌবন	জীবন	
প্রৌঢ়াবস্থা		
উন্মত্তাবস্থা		

লজ্জা	লজ্জা	লজ্জা
দ্বেষ	দ্বেষ	দ্বেষ
ক্ষুধা	ক্ষুধা	ক্ষুধা, ভূখ
পিপাসা	পিপাসা	প্যাস
নিদ্রা	নিদ্রা	নীঁদ
অহঙ্কার	অহঙ্কার	অহঙ্কার
স্মৃতি	স্মৃতি	স্মৃতি
স্নেহ	স্নেহ	স্নেহ
স্বাস্থ্য	স্বাস্থ্য	স্বাস্থ্য
দুর্বলতা	দুর্ব্বলতা	দুর্ব্বলতা
পীড়া	পীড়া	পীড়া, বীমারী
বল	বল	বল, তাকত
সৌন্দর্য্য	সৌন্দর্য্য	সুন্দরতা
স্থূলতা	স্থূলতা	মোটাপন
কৃশতা	কৃশতা	দুবলাপন
আরাম	আরাম	আরাম
নম্রতা	নম্রতা	নম্রতা
সলজ্জভাব	সলজ্জভাব	শর্ম, হয়া
শত্রুতা	শত্রুতা	শত্রুতা
নির্ব্বুদ্ধিতা	নির্ব্বুদ্ধিতা	নির্ব্বুদ্ধিতা
চাকরী	চাকরী	চাকরী, নৌকরী
সত্বরতা	সত্বরতা	জল্দী

পাবগতা	পারগতা	লিয়াক
অমিতব্যয়	অমিতব্যয়	ফিজুলখ
ক্ষিপ্রতা	ক্ষিপ্রতা	ফুরতি
নিস্তব্ধতা	নিস্তব্ধতা	খামোশ
উপকারিতা	উপকারিতা	উপকারি
আঘ্রাণ	আঘ্রাণ	গ
অধ্যবসায়	অধ্যবসায়	অধ্যবসা
দুষ্টামি	দুষ্টামি	দুষ্ট
কৌতূহল	কৌতূহল	কৌতূহ
ভক্তি	ভক্তি	ভ
গোলমাল	গোলমাল	গোল, হ

संयुक्त शब्द।

পশ্চাদ্ভূমি	पश्चाद्भूमि	पश्चाद्भूमि
গুপ্তসিঁড়ি	गुप्तसिंडि	गुप्तसीढ़ि
স্নানাগার	स्नानागार	स्नान घ
যুদ্ধক্ষেত্র	युद्धक्षेत्र	युद्धक्षेत्र
শয়নকাল	शयनकाल	
জন্মদিন	जन्मदिन	
স্বস্থগত-সত্ব	सत्व	

গ্রন্থকীট	ग्रन्थकीट	किताब का कीडा
তীরন্দাজ	तीरन्दाज	तीरन्दाज़
সহাধ্যায়ী	सहाध्यायी	सहपाठी
শস্যক্ষেত্র	शस्यक्षेत्र	अनाजका खेत
যুবরাজ	युवराज	युवराज
দিবা-স্বপ্ন	दिवा-स्वप्न	दिनका सुपना
কর্ণাভরণ	कर्णाभरण	कानका गहना
সান্ধ্যভ্রমণ	सान्ध्यभ्रमण	शाम की सैर
স্ত্রী শিক্ষা	स्त्री-शिक्षा	स्त्री शिक्षा
চলনপথ	चलनपथ	चलने की राह
পদচিহ্ন	पदचिह्न	पदचिह्न
জ্বালানী কাষ্ঠ	ज्वालानी काष्ठ	जलानेकी लकड़ी
স্বর্ণরেণু	स्वर्णरेणु	स्वर्णकी खाक
স্বর্ণ খনি	स्वर्ण खनि	सोने की खान
ঘোড-দৌড়	घोड दौड़	घुड़दौड़
আলোকস্তম্ভ	आलोकस्तम्भ	रोशनीका मीनार
বাজার দর	बाजार दर	बाज़ार भाव
জ্যোৎস্না	ज्योत्स्ना	चांदनी
সংবাদপত্র-বিক্রয়কারী বালক	संवादपत्र-विक्रय कारी बालक	सवादपत्र बेचने वाला लडका
সংবাদপত্র	संवादपत्र	अखबार
ইন্দ্রধনু	इन्द्रधनु	इन्द्रधनुष

ক্রিয়াপদ।

শোষন করা	সোখনা
জিজ্ঞাসা করা	পুছনা
আরম্ভ করা	আরম্ভ করনা
বন্ধন করা (বাঁধা)	বাঁধনা
ধার করা	উধার লেনা
ভগ্ন করা (ভাঙ্গা)	তোড়না
আনয়ন করা	লানা
ক্রয় করা (কেনা)	খরীদনা
আহ্বান করা (ডাকা)	পুকারনা
ধারণ করা (ধরা)	পকড়না
প্রতারণা করা	ধোখা দেনা
কর্ত্তন করা (কাটা)	কাটনা
করা	করনা
উপার্জ্জন করা	কমানা
আহার করা (খাওয়া)	খানা
সুখভোগ করা	সুখভোগ করনা
অনুমান করা	অনুমান করনা
দান করা (দেওয়া)	দেনা
অধিকার কর (থাকা)	রখনা
ক্ষতি করা	নুকসান করনা

ঘৃণা করা	ঘৃণা করনা
সাহায্য করা	সহায়তা করনা
আঘাত করা	চোট লগানা
উত্তোলন করা	উঠানা, চঢানা
প্রজ্বলিত করা	আগ লগানা জলানা
অগ্রাহ্য করা	ন মানলা
কল্পনা করা	কল্পনা করনা, বিচারনা
কারাবদ্ধ করা	কৈদ করনা
যোগ করা	জোড়না, মিলানা
অপমান করা	অপমান করনা
বিপর্য্যস্ত করা (উলটান)	উলটনা, ঔঁধা করনা
নিমন্ত্রণ করা	নিমন্ত্রণ করনা, বুলানা
সমর্থন করা	সমর্থন করনা, সহী সাবিত করনা
রক্ষা করা (রাখা)	রক্ষা করনা, রখনা
পদাঘাত করা (লাথিমারা)	লাত মারনা
নিহত করা (মারিয়া ফেলা)	মার ডালনা
বোধগম্য করা (জানা)	জানলা
ধার দেওয়া	উধার দেনা
উত্তোলন করা (তোলা)	উঠানা
পরিচালন করা	রাস্তা দিখানা, লেজানা
লেহন করা (চাটা)	চাটনা
পছন্দ করা	পসন্দ করনা

সংযুক্ত করা	জোড়না, মিলানা
নষ্ট করা	খোনা
প্রীতি করা (ভালবাসা)	প্রেম করনা
অবনত করা	নীচা করনা
নির্ম্মাণ করা	বনানা
বন্দোবস্ত করা	বন্দোবস্ত করনা
খণ্ড খণ্ড করা	টুকড়ে-টুকড়ে করনা
উর্ব্বরা করা (জমীতে সার দেওয়া)	খাদ দেনা
লক্ষ করা	লক্ষ করনা
বিবাহ করা	বিবাহ করনা
পরিমাণ করা	পরিমাণ করনা তীলনা
দ্রব করা (গলান)	গলানা
অবিশ্বাস করা	অবিশ্বাস করনা
বিপথে চালিত করা	বহকানা
অস্থানে স্থাপন করা	ঔর কী ঔর জগহ রখনা
ভুল মুদ্রন করা (ভুল ছাপা)	গলত ছাপনা
দু-শাসন করা	অন্ধের করনা, বুরী তরহ পেশ আ
অপব্যবহার করা	বুরী তরহ কাম মেঁ লানা
লাঘব করা	ঘটানা, কম করনা
ঘাস কর্ত্তন করা (ঘাস কাটা)	ঘাস কাটনা
গুণ করা	গুণা করনা
খুন করা (হত্যা করা)	খুন করনা

নাম করা	নाम लेना
সংকীর্ণ করা	तङ्ग करना
হস্তান্তর করা	हस्तान्तर करना
নামোল্লেখ করা	नाम लेना
লক্ষ করা (টুকে রাখা)	नोट करना, टाँक लेना
অবগত করা	प्रकाश करना, मालूम करना
আজ্ঞাপালন করা	आज्ञापालन करना
মুছিয়া ফেলা	मिटाना, पोंछना
প্রতিরোধ করা (বাধা দেওয়া)	रोकना
এড়ি টেনি করা	एवज़ी करना
অনুল্লেখ করা (বাদ দেওয়া)	छोड़ना
প্রকাশ করা (খুলিয়া দেওয়া)	खोलना, प्रकाश करना
বিবেচনা করা	विवेचना करना, विचार करना
উৎপীড়ন করা	दबाना, ज़ुल्म करना
আদেশ করা	हुक्म देना
বল প্রয়োগ করা	ज़ियादती करना, ज़बरदस्ती करना
অতিক্রম করা	पीछे छोड़ना, लङ्घन करना
অধিক দাবী করা	अधिक दाम लगाना
পরাজয় করা	जीतना, हराना
অধিক বোঝাই করা	अधिक बोझ लादना
অগ্রাহ্য করা	तरह देना, ख्याल न करना

পুনরুদ্ধার করা	পুনরুদ্ধার করনা
পুনর্লাভ করা	পুনর্লাভ করনা, ফিরসে পানা
অস্বীকার করা	অস্বীকার করনা, ইঁকার করনা
অনুতাপ করা	অনুতাপ করনা, অফ্‌সোস করনা
বর্ণনা করা	বয়ান করনা
শিথিল করা	ঢীলা করনা
মুক্ত করা	ছোড়দেনা
ত্যাগ করা	ত্যাগনা, ছোড়না
মন্তব্য প্রকাশ করা	রায় দেনা
স্থানান্তর করা	হটানা, স্থানান্তর করনা
মেরামত করা	মরম্মত করনা
দমন করা	দমন করনা
বিমুখ করা	বিমুখ করনা
অনুরোধ করা	অনুরোধ করনা, দরখাস্ত ক°
কার্য্যত্যাগ করা	ইস্তেফা দেনা, কাম ছোড়না
প্রতিজ্ঞা করা	প্রতিজ্ঞা করনা, প্রণ করনা
সম্মান করা	সম্মান করনা
উত্তর করা	জবাব দেনা, উত্তর দেনা
সীমাবদ্ধ করা	সীমাবদ্ধ করনা
খুচরা বিক্রয় করা	ফুটকর বিক্রী করনা
প্রতিশোধ গ্রহণ করা	বদলা লেনা
প্রত্যুত্তর করা	জবাব পর জবাব দেনা

বিনষ্ট করা (ধ্বংশ করা)	बरबाद करना
শাসন করা	शासन करना
লুণ্ঠন করা	लूटना
উৎসর্গ করা	बलिदान देना, अर्पण करना
সন্তুষ্ট করা	सन्तुष्ट करना
বিকীর্ণ করা	छितराना
দগ্ধ করা	जलाना, झुलसाना
নখাঘাত করা	नाखून से खरोचना
প্রলোভিত করা	फुसलाना
দর্শন করা (দেখা)	देखना
অনুসন্ধান করা	तलाश करना
আক্রমণ করা	आक्रमण करना
বিক্রয় করা	बेचना
দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করা	सज़ाका हुक्म देना
সেবা করা	सेवा करना
চাকরী করা	चाकरी करना
গঠন করা	ढाल डालना
ধারাল করা	तेज़ करना
ক্ষৌর কার্য্য করা	हजामत बनाना
আশ্রয় দেওয়া	आश्रय देना
গুলি করা	गोली मारना
সংক্ষেপ করা	संक्षेप करना

লাফান	কূদনা, উছলনা
মিথ্যাবলা	ঝুঁঠ বোলনা
বাস করা	রহনা
উঁকিমারা	ঝাঁকনা
প্রার্থনা করা	প্রার্থনা করনা
বিবাদ করা	ঝগড়া করনা
উঠা	উঠনা
দৌড়ান	দৌড়না
বোধ হওয়া	মালুম হোনা
গান করা	গানা
বসা	বৈঠনা
ঘুমান	সোনা
হাস্য করা	মুস্করানা, হঁসনা
দাঁড়ান	খড়া হোনা
যাত্রা করা	চলনা, রবান. হোনা
থাকা	ঠহরনা
থামা	রোকনা, ঠহরনা
সফল হওয়া	সফল হোনা
সাঁতার দেওয়া	তৈরনা
শপথ করা	কসম খানা
বলা	বাতচীত করনা
হওয়া	নজরসে গায়ব হোনা

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
দাঁড়ান
[illegible] করা
[illegible] করা
[illegible]
শুনান
[illegible] করা
দাঁড়ান
[illegible] করা
থাকা
থামা
সফল করা
[illegible] দেওয়া
শপথ করা
[illegible] বলা
[illegible] করা

[illegible]
[illegible]
বহনা
[illegible]
প্রার্থনা করা
[illegible] করা
উঠা
দৌড়না
মালুম হোনা
যানা
বৈঠনা
সোনা
মুস্করানা, হঁসনা
[illegible] হোনা
চলনা, রবান হোনা
ঠহরনা
রোকনা, ঠহরনা
[illegible] হোনা
তৈরনা
কসম খানা
বাতচীত করনা
[illegible] মায়ব হোনা

অপেক্ষা করা	बाट देखना
বেড়ান	सैर करना, घूमना, फिरना
কার্য্যকরা	काम करना
লেখা	लिखना
হাইতোলা	जमुहाई लेना
জাগরিত করা	जगाना
জাগরিত হওয়া	जागना
বহন করা	लेजाना, ढोना
প্রহার করা	मारना
আরম্ভ করা	आरम्भ करना
আজ্ঞা করা	आज्ञा देना
কামড়ান	काटना, डकमारना
বহা	चलना
ফাটিয়া যাওয়া	फटना
খণ্ডিত করা	खण्डित करना, चीरना
লগ্ন হওয়া	चिपटना, लगना
আসা	आना
কা কা করা	काँव काँव करना
খনন করা	खोदना
টানা	खींचना
পান করা	पीना
চালান	हाँकना, चलाना

খাওয়া	खाना
পতিত হওয়া	गिरना
দেখা	देखना
উড়া	उडना
ক্ষান্ত থাকা	सहना
ভুলিয়া যাওয়া	भूलजाना
জমিয়া যাওয়া	जमना
পাওয়া	पाना
গুঁড়া করা	पीसना
ঝুলান	लटकाना
ফাঁসি দেওয়া	फाँसी देना
গোপন করা	छिपाना
জানা	जानना
বোঝাই করা	लादना
শয়ন করা	लेटना
গলান	गलाना
পক্ষ সমর্থন করা	वकालत करना
আরোহণ করা	सवार होना, चढ़ना
পচা	सडना
করাত দিয়া কাটা	आरे से काटना
চরা	चराना
সিলাই করা	सीना

কম্পিত হওয়া	কাঁপনা
ক্ষৌরী করা	হজামত করনা
লোম কর্ত্তন করা	বাল কাটনা
উজ্জ্বল হওয়া	চমকনা
গুলি করা	গোলী মারনা
দেখান	দিখানা
সঙ্কুচিত হওয়া	সুকড়না
মগ্ন হওয়া	ডুবনা
বসা	বৈঠনা
বপন করা	বোনা
সূতা কাটা	সূত কাটনা
থুথু ফেলা	থুকনা
লাফান	ছলাঁগ মারনা, কুদনা
চুরি করা	চোরী করনা
সংযুক্ত থাকা	চিপকা রহনা, লগা রহনা
দড়িতে গাঁথা	ডোরী বাঁধনা
ফুলিয়া উঠা	ফুলনা
দোলা	ঝুলনা, হিলনা
লওয়া	লেনা
ছিন্ন করা	ফাড়না
ছেঁড়া	ফাড়না, চীরনা
বঞ্চিত হওয়া	বঢ়না

নিক্ষেপ করা	फेंकना
মাড়ান	कुचलना
জাগা	जागना
পরিধান করা	पहनना
বস্ত্র বুনা	कपडा बिनना
নত হওয়া	झुकना
বঞ্চিত করা	वञ्चित करना
মিনতি করা	मिन्नत करना
রক্ত বাহির করা	खून बहाना
বস্ত্র পরা	कपडे पहनना
খরচ হওয়া	खर्च होना
সাহস করা	हिम्मत करना
অনুভব করা	मालुम करना
প্রবাহিত হওয়া	बहना
সোনালী করা	सुनहली करना
বেষ্টন করা	लपेटना, ढकना
থাকা	रखना
শ্রবণ করা	सुनना
হাঁটু গাড়িয়া বসা	घुटनों के बल बैठना
স্থাপন করা	स्थापन करना
ত্যাগ করা	छोडना
প্রজ্বলিত করা	रोशन करना, जलाना

হারান	খোনা, গঁবানা
শিক্ষা করা	সিখানা
প্রস্তুত করা	বনানা
সাক্ষাৎ করা	মিলনা, মুলাকাত বা ভেট করনা
টাকা দেওয়া	রুপয়া দেনা
আকর্ষণ করা	খীঁচনা
দয়া করা	দয়া করনা
যোগ্য করা	যোগ্য করনা, ফিট করনা
অন্বেষণ করা	তলাশ করনা
পাঠান	ভেজনা
অস্ত যাওয়া	অস্ত হোনা
বিস্তার করা	ফৈলানা
ঝাঁট দেওয়া	ঝাড়না
মনে করা	খ্যাল করনা, সমঝনা
প্রবেশ করাইয়া দেওয়া	ঘুসেড়না
অশ্রুবর্ষণ করা	রোনা, আঁসু বরসানা
আর্দ্র করা	ভিগোনা
ভিজান	ভিগোনা
সানদেওয়া	ধার ধরনা

क্রিয়া বিশেষণ।

আগে (গত হইল)	आगे (गत हुआ)	गुज़रा हुआ, बीता हुआ
পূর্ব্বেই	पूर्व्वेह	पहले ही
শনৈঃ	शनैः	धीरे-धीरे
তখন, তৎপরে	तखन, तत्परे	तब, उसके बाद
এখন	एखन	अब, इस समय
যতক্ষণ	यतक्षण	जबतक
পূর্ব্বে	पूर्व्वे	पहले, आगे
শীঘ্র	शीघ्र	शीघ्र, जल्दी
অবিলম্বে	अविलम्बे	तुरन्त, झटपट
প্রত্যহ	प्रत्यह	रोज़-रोज़
প্রতি বৎসর	प्रति वत्सर	हर साल
গতকল্য	गतकल्य	गया कल
আগামী কল্য	आगामी कल्य	आनेवाला कल
দীর্ঘকাল	दीर्घकाल	बहुत देर
কদাচিত	कदाचित	कदाचित, शायद
ক্বচিৎ	क्वचित्	कदाचित, कभी२
কখন কখন	कखन कखन	कभी कभी
এই সময় মধ্যে	एइ समय मध्ये	इतने में
কিছু পূর্ব্বে	किछु पूर्व्वे	थोड़े दिन हुए

তৎক্ষণাৎ	তত্ক্ষণাত্	তুরন্ত, ফৌরন
সর্ব্বদা	সর্ব্বদা	হমেশা, সদা
পুনঃপুন.	পুন'পুন	ফির-ফির, বার ২
আবার	আবার	ফির
কখন	কখন	কভী
কখন না	কখন না	কভী নহীঁ
প্রায়ই	প্রায়ঃ	প্রায়, অক্সর
বারম্বার	বারম্বার	বারম্বার, ফির ২
একবার	একবার	একবার, একদফা
দুইবার	দুইবার	দোবার
তিনবার	তিনবার	তীনবার,তীন দফা
দেরি করিয়া	দেরি করিয়া	দের করকে
সম্প্রতি	সম্প্রতি	হালমেঁ, অভী
এ যাবৎ	এ যাবত্	অব তক
সকাল সকাল	সকাল সকাল	সবেরে
হঠাৎ	হঠাত্	অচানক
উচিত সময়ে	উচিত সময়ে	উচিত সময় পর
উপরে	উপরে	ঊপর
নীচে	নীচে	নীচে
তথায়	তথায়	বহাঁ
কোথায়	কোথায়	কহাঁ, কিস জগহ
যেখানে	যেখানে	জহাঁ, জিস জগহ

এখানে	এখানে	यहाँ
এইস্থান পর্য্যন্ত	এইস্থান পর্য্যন্ত	इधर, यहाँतक
ঐ স্থান পর্য্যন্ত	ঐ স্থান পর্য্যন্ত	उधर, यहाँतक
একদিকে	একদিকে	एक तरफ
একত্র	একত্র	इकट्ठा
ভিতরে	ভিতরে	भीतर
বাহিরে	বাহিরে	बाहर
উচ্চৈঃস্বরে	উচ্চৈঃস্বরে	ऊँचे स्वरसे
যেমন, যে প্রকারে	জেমন, জে প্রকারে	जैसे, जैसा
খারাপ রূপে	খারাপরূপে	बुरी तरह से
উত্তমরূপে	উত্তমরূপে	अच्छी तरह से
উপযুক্তরূপে	উপযুক্তরূপে	उचित रूपसे
যথার্থরূপে	যথার্থরূপে	यथार्थ रूपसे
যথেষ্টরূপে	যথেষ্টরূপে	यथेष्ट रूपसे
সম্পূর্ণরূপে	সম্পূর্ণ রূপে	सम्पूर्ण रूपसे
আংশিকরূপে	আংশিকরূপে	आंशिक रूपसे
সাবধানে	সাবধানে	सावधानी से
সাহসের সহিত	সাহসের সহিত	साहस से
আস্তে আস্তে,	আস্তে আস্তে	धीरे धीरे
সহজে	সহজে	सहज में
নীরবে	নীরবে	चुपचापसे
বুদ্ধির সহিত	বুদ্ধির সহিত	बुद्धिमानी से

কি প্রকারে	কি প্রকারে	কैसे, किस तरहसे
স্থির ভাবে	স্থির ভাবে	स्थिरतासे, शान्तिसे
এইরূপে	এইরূপে	इस तरह
দুঃখের সহিত	দুঃখের সহিত	दुःखसे
অবহেলার সহিত	অবহেলার সহিত	बेपरवाहीसे
অসাবধান ভাবে	অসাবধান ভাবে	असावधानीसे
অনুগ্রহ পূর্ব্বক	অনুগ্রহ পূর্ব্বক	अनुग्रह पूर्वक
সৌভাগ্যক্রমে	সৌভাগ্যক্রমে	सौभाग्यसे
দুর্ভাগ্যক্রমে	দুর্ভাগ্যক্রমে	दुर्भाग्यसे
প্রায়	প্রায়	लगभग
অত্যন্ত	অত্যন্ত	अत्यन्त
অতিরিক্ত রূপে	অতিরিক্ত রূপে	अधिक, बहुतही
অধিক পরিমাণে	অধিক পরিমাণে	बहुत
মাত্র	মাত্র	सिर्फ़, केवल
সম্পূর্ণ পরিমাণে	সম্পূর্ণ পরিমাণে	बिल्कुल
কিয়ৎ পরিমাণে	কিয়ৎ পরিমাণে	कुछ-कुछ
অর্দ্ধেক পরিমাণে	অর্দ্ধেক পরিমাণে,	आधा
	অল্প পরিমাণে	थोडा
	পরিমাণে	सब
		और भी
		पहिले, आदिमें
		दूसरे

এখানে	एखाने	यहाँ
এইস্থান পর্য্যন্ত	एइस्थान पर्य्यन्त	इधर, यहाँतक
ঐ স্থান পর্য্যন্ত	ऐ स्थान पर्य्यन्त	उधर, वहाँतक
একদিকে	एकदिके	एक तरफ
একত্র	एकत्र	इकट्ठा
ভিতরে	भितरे	भीतर
বাহিরে	बाहिरे	बाहर
উচ্চৈঃস্বরে	उच्चैःस्वरे	ऊँचे स्वरसे
যেমন, যে প্রকারে	जेमन, जे प्रकारे	जैसे, जैसा
খারাপ রূপে	खारापरूपे	बुरी तरह से
উত্তমরূপে	उत्तमरूपे	अच्छी तरह से
উপযুক্তরূপে	उपयुक्तरूपे	उचित रूपसे
যথার্থরূপে	यथार्थरूपे	यथार्थ रूपसे
যথেষ্টরূপে	यथेष्टरूपे	यथेष्ट रूपसे
[illegible]	सम्पूर्ण रूपे	सम्पूर्ण रूपसे
[illegible]	आंशिकरूपे	आंशिक रूपसे
সাবধানে	सावधाने	सावधानी से
সহিত	साहसेर सहित	साहस से
ধীরে,	आस्ते आस्ते	धीरे धीरे
	सहजे	सहज में
	नीरवे	चुपचापसे
সহিত	बुद्धिर सहित	बुद्धिमानी से

কি প্রকারে	कि प्रकारे	कैसे, किस तरहसे
স্থির ভাবে	स्थिर भावे	स्थिरतासे, शान्तिसे
এইরূপে	एइरूपे	इस तरह
দুঃখের সহিত	दु खेर सहित	दु खसे
অবহেলার সহিত	अवहेलार सहित	बेपरवाहीसे
অসাবধান ভাবে	असावधान भावे	असावधानीसे
অনুগ্রহ পূর্ব্বক	अनुग्रह पूर्व्वक	अनुग्रह पूर्वक
সৌভাগ্যক্রমে	सौभाग्यक्रमे	सौभाग्यसे
দুর্ভাগ্যক্রমে	दुर्भाग्यक्रमे	दुर्भाग्यसे
প্রায়	प्राय	लगभग
অত্যন্ত	अत्यन्त	अत्यन्त
অতিরিক্ত রূপে	अतिरिक्त रूपे	अधिक, बहुतही
অধিক পরিমাণে	अधिक परिमाणे	बहुत
মাত্র	मात्र	सिर्फ, केवल
সম্পূর্ণ পরিমাণে	सम्पूर्ण परिमाणे	बिल्कुल
কিয়ৎ পরিমাণে	कियत् परिमाणे	कुछ-कुछ
অর্দ্ধেক পরিমাণে	अर्द्धेक परिमाणे	आधा
অল্প পরিমাণে	अल्प परिमाणे	थोडा
সমস্ত পরিমাণে	समस्त परिमाणे	सब
আরও	आरभो	और भी
প্রথমত	प्रथमत	पहिले, आदिमें
দ্বিতীয়ত	द्वितीयत.	दूसरे

সহিত	সহিত	সহিত, সাথ, से
ব্যতীত	ব্যতীত	सिवाय
চারিদিকে	চারিদিকে	चारों तरफ़
বিরুদ্ধে	বিরুদ্ধে	विरुद्ध
এপার ওপার	এপার ওপার	आरपार
সত্ত্বে	সত্ত্বে	तथापि
আশে পাশে	আশে পাশে	आस-पास
পার্শ্বে	পার্শ্বে	पास
সম্মুখে	সম্মুখে	सामने
অগ্রে	অগ্রে	आगे
পশ্চাতে	পশ্চাতে	पीछे
যে পর্য্যন্ত না	যে পর্য্যন্ত না	जबतक न

पांचवां अध्याय

प्रथम पाठ।

আমি হই	आमि हइ	मैं हूँ
আমরা হই	आमरा हइ	हमलोग हैं
আমি আছি	आमि आछि	मैंहूँ
আমরা আছি	आमरा आछि	हमलोग हैं
তুই হ'স্	तुइ ह'स्	तू है
তোমরা হও	तोमरा हओ	तुमलोग हो
তুই আছিস্	तुइ आछिस्	तू है
তোমরা আছ	तोमरा आछ	तुमलोग हो
সে হয়	से हय	वह है
তাহারা হয়	ताहारा हय	वे हैं
সে আছে	से आछे	वह है
তাহারা আছে	ताहारा आछे	वे हैं
তিনি হন্	तिनि हन	वे हों

তোমার আছে	तोमार आछे	तुम्हारा है
তাহাদের আছে	ताहादेर आछे	उनका है

पॉंचवां पाठ।

আমার ছিল	आमार छिल	मेरा था
তোর ছিল	तोर छिल	तेरा था
তাহার ছিল	ताहार छिल	उसका था
আমাদের ছিল	आमादेर छिल	हम लोगोंका
তোমাদের ছিল	तोमादेर छिल	तुम लोगोंका
তাহাদের ছিল	ताहादेर छिल	उन सबका था

छठा पाठ।

আমি যাই	आमि जाइ	मैं जाता हूँ
তুমি যাও	तुमि जाओ	तुम जाओ
সে যায়	से जाय	वह जाता है
আমরা যাই	आमरा जाइ	हमलोग जाते
যাও	तोमरा जाओ	जाते
	ताहारा जाइ	है

আমরা যাইতেছি	हम जा रहे हैं।
তোমরা যাইতেছ	तुम लोग जा रहे हो।
তাহারা যাইতেছে	वे लोग जा रहे हैं।

ग्यारहवा पाठ।

আমি যাইতেছিলাম	मै जा रहा था।
তুমি যাইতেছিলে	तुम जा रहे थे।
সে যাইতেছিল	वह जा रहा था।
আমরা যাইতেছিলাম	हम जा रहे थे।
তোমরা যাইতেছিলে	तुम लोग जा रहे थे।
তাহারা যাইতেছিল	वे लोग जा रहे थे।

बारहवा पाठ।

আমি গেলেও যেতে পারি	मैं जा सकता हूँ (सम्भावना)
আমি গেলেও যেতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমি যাইতে পারি	मैं जा सकता हूँ (शक्ति)
আমি যাইতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমাকে যাইতে হইবে	मुझे जाना ही होगा (अवश्य)
আমাকে	है।

সে যাইবে	वह जायगा।
আমরা যাইব	हम जायँगे।
তোমরা যাইবে	तुम लोग जाओगे।
তাহারা যাইবে	वे लोग जावेंगे।

नोट ।—हिन्दी में भविष्यत् कालका चिन्ह "ग" है बङ्गला में "ब" है। जिस तरह हिन्दीमें लिङ्ग पुरुष वचनके अनुसार "गा, गे, गी" रूप हो जाते हैं वैसे ही बङ्गला में भी "ब, बे, बि" रूप हो जाते हैं।

नवां पाठ।

আমি গিয়াছি	मैं गया हूँ।
তুমি গিয়াছ	तुम गये हो।
সে গিয়াছে	वह गया है।
আমরা গিয়াছি	हम गये हैं।
তোমরা গিয়াছ	तुम लोग गये हो।
তাহারা গিয়াছে	वे लोग गये हैं।

दशवां पाठ।

আমি যাইতেছি	मैं जा रहा हूँ।
তুমি যাইতেছ	तुम जा रहे हो।
সে যাইতেছে	

আমরা যাইতেছি	हम जा रहे हैं।
তোমরা যাইতেছ	तुम लोग जा रहे हो।
তাহারা যাইতেছে	वे लोग जा रहे हैं।

ग्यारहवा पाठ।

আমি যাইতেছিলাম	मैं जा रहा था।
তুমি যাইতেছিলে	तुम जा रहे थे।
সে যাইতেছিল	वह जा रहा था।
আমরা যাইতেছিলাম	हम जा रहे थे।
তোমরা যাইতেছিলে	तुम लोग जा रहे थे।
তাহারা যাইতেছিল	वे लोग जा रहे थे।

बारहवा पाठ।

আমি গেলেও যেতে পারি	मैं जा सकता हूँ (सम्भावना)
আমি গেলেও যেতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমি যাইতে পারি	मैं जा सकता हूँ (शक्ति)
আমি যাইতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমাকে যাইতে হইবে	मुझे जाना ही होगा (अवश्य)
আমাকে যাইতে হয়	मुझे जाना पडता है।
আমাকে যাইতে হইয়াছিল	मुझे जाना पडा था।

আমাকে যাইতে হইবে	মুঝে জানা হোগা।
আপনি দীর্ঘজীবী হউন	আপ দীর্ঘজীবী হোবেঁ।
তোমার যাওয়া উচিত	তুমকো জানা উচিত হৈ।
তোমার যাওয়া উচিত ছিল	তুম্হেঁ জানা উচিত থা।

তেরহবাঁ পাঠ।

সেখানে যাও	বহাঁ জাঔ।
ইহা করিও না	যহ মত করো।
পড়িতে আরম্ভ কর	পঢ়না শুরু করো।
সেখানে যাইও না	বহাঁ মত জাঔ।
আমাকে একটী কলম দাও	মুঝে এক কলম দো।
তাহাকে মারিও না	উসকো মত মারো।
আমাদিগকে যাইতে দাও	হমেঁ জানে দো।
তাহাকে ছাড়িয়া দাও	উসে ছোড দো।

চৌদহবাঁ পাঠ।

চুরি করিও না	চোরী মত করো।
তাহাকে ছাড়িয়া দাও	উসে ছোড দো।
সে লিখুক	উসে লিখনে দো।

এস আমরা লিখি	आओ हम लिखे ।
অবিলম্বে এই কাজটা কর	इस कामको जल्दी करो ।
এই কার্য্যটা কর	यह काम करो ।
মাতাপিতার কথা শুনিও	मा बापकी बात सुनो ।
সদা সত্য কথা বলিও	सदा सच बात बोलो ।
পরিষ্কার পরিচ্ছন্ন থাকিও	साफ़ सुथरे रहो ।
ঈশ্বরকে ধন্যবাদ দাও	ईश्वरको धन्यवाद दो ।
আমাকে দেখিতে দাও	मुझे देखने दो ।

ছঠা অধ্যায়।

প্রথম পাঠ।

এই দেখ	इधर देखो (यह देखो)
সেখানে যাও	वहाँ जाओ।
ইহা করিও না	यह मत करो।
সেখানে যাইও না	वहाँ मत जाओ।
পা চালিয়ে চল	जल्दी जल्दी चले चलो।
শীঘ্র বাড়ী যাও	जल्दी घर जाओ।
আসল কথা বল	असल बात कहो।
পড়িতে ২ গল্প করিও না	पढ़नेके समय बात मत करो।
শাস্তি গ্রহণ কর	दण्ड ग्रहण करो।
জামা পর	कुरता पहनो।
শিক্ষককে বিশ্বাস কর	शिक्षक पर भरोसा करो।
আয় বুঝিয়া ব্যয় কর	आमदनी देखकर खर्च करो।
অন্ততঃ আমাকে দশ টাকা দাও	मुझे कमसे कम दश रुपये दो।
কথা ফিরাইয়া লইও না	बात मत बदलो।

সময়ে পরিশ্রম কর — সময় পর কাম করো।
কুড়ুল রেখে দাও — কুলহাড়ী রখ দো।
অন্যের উপর নির্ভর ক'রো না — দূসরোঁ পর নির্ভর মত রখো।
তোমার ভুল সংশোধন কর — অপনী ভুল সুধারো।
এই বাক্যটী মুখস্থ কর — ইস বাক্যকো কণ্ঠস্থ করো।
কাহাকেও একথা বলিও না — কিসীসে ভী যহ বাত মত কহনা।
যদি ভাল চাও, লোকের ভাল কর — অগর ভলা চাহতে হো, দূসরোঁ কা ভলা করো।

দূসরা পাঠ।

কাহারও সহিত বাজি রাখিও না
কিসী কে সাথ বাজী মত লগানা।
সত্য বলিতে ভীত হইও না — সত্য বোলনেমেঁ মত ডরনা।
তাহার সহিত বিবাদ মিটাইয়া ফেল — উসসে ঝগড়া মিটা দো।
অঙ্গিকারের পূর্ব্বে দুইবার ভাবা উচিত।
বাদা করনেসে পহলে দো বার বিচারনা উচিত হৈ।
অসাক্ষাতে কাহারও নিন্দা করিও না।
পীঠ পীছে কিসী কী নিন্দা মত করনা।
তোমার বলের বড়াই করিও না।
অপনে বলকী শেখী মত মারনা।

আর আমায় সন্দেহে রেখো না।
मुझे और सन्देह में न रक्खो।
চোরকে সিঁড়ির উপর থেকে নীচে টেনে আন।
चोरको सीढीके ऊपर से नीचे खींच लाओ।
তুমি কি আমার উপর রাগ করিয়াছ?
क्या तुम मुझपर गुस्सा हो?
অনুগ্রহ করিয়া আমাকে একখানি পুস্তক পড়িতে দিন।
अनुग्रह करके मुझे एक पुस्तक पढ़नेको दो।

तीसरा पाठ।

এই বালককে ক্ষমা করো	इस बालकको क्षमा करो।
এমন কথা বলিও না	ऐसी बात मत कहना।
আলস্য পরিত্যাগ কর	सुस्ती छोडो।
দূর হও	दूर हो।
ইহার নিদ্রা ভঙ্গ করিও না	इसकी निद्रा भङ्ग मत करना
বৃদ্ধকে সমাদর কর	बूढेका आदर करो।
শত্রুকেও ভালবাসিও	दुश्मनका भी भला चाहो।
দরজাটা বন্ধ কর	दरवाज़ा बन्द करो।
সৎকার্য্যে পরিশ্রান্ত হইও না	अच्छे काममें मत थकना।

चौथा पाठ।

সে কি পীড়িত ?	क्या वह बीमार है ?
তুমি কি বাড়ী যাইবে ?	क्या तुम घर जाओगे ?
মোহন কি গিয়াছে ?	क्या मोहन गया है ?
আমি কি পড়া করি নাই ?	क्या मैंने सबक नहीं पढ़ा ?
তিনি কি আসিতেছেন ?	क्या वह आरहे हैं ?
তুমি কি ফিরিবে ?	क्या तुम वापस आओगे ?

—*—

पांचवां पाठ।

তুমি কি ইহা জান ?	क्या तुम इसे जानते हो ?
সে কি তথায় যায় ?	क्या वह वहाँ जाता है ?
হরি কি হাসিয়াছিল ?	क्या हरी हँसा था ?
তুমি কি তথায় গিয়াছিলে ?	क्या तुम वहाँ गये थे ?

তুমি কি তাঁহার কাছে কোন সাহায্য পাইয়াছিলে ?
क्या तुमने उससे कुछ सहायता पाई थी ?

छठा पाठ।

প্রশ্ন—তুমি কি সাঁতার দিতে পার ?
प्रश्न—क्या तुम तैर सकते हो ?

আর আমায় সন্দেহে রেখো না।
মুঝে ঔর সন্দেহ মে ন রক্খো।
চোরকে সিঁড়ির উপর থেকে নীচে টেনে আন।
চোরকো সীঢ়ীকে ঊপর সে নীচে খীঁচ লাও।
তুমি কি আমার উপর রাগ করিয়াছ?
ক্যা তুম মুঝপর গুস্সা হো?
অনুগ্রহ করিয়া আমাকে একখানি পুস্তক পড়িতে দিন।
অনুগ্রহ করকে মুঝে এক পুস্তক পঢ়নেকো দো।

তীসরা পাঠ।

এই বালককে ক্ষমা করো	ইস বালককো ক্ষমা করো।
এমন কথা বলিও না	ঐসী বাত মত কহনা।
আলস্য পরিত্যাগ কর	সুস্তী ছোড়ো।
দূর হও	দূর হো।
ইহার নিদ্রা ভঙ্গ করিও না	ইসকী নিদ্রা ভঙ্গ মত কর
বৃদ্ধকে সমাদর কর	বুঢ়েকা আদর করো।
শত্রুকেও ভালবাসিও	দুশ্মনকা ভী ভলা চাহো।
দরজাটা বন্দ কর	দরবাজা বন্দ করো।
সৎকার্য্যে পরিশ্রান্ত হইও না	অচ্ছে কামমেঁ মত থকনা।

चौथा पाठ।

সে কি পীড়িত ?	क्या वह बीमार है ?
তুমি কি বাড়ী যাইবে ?	क्या तुम घर जाओगे ?
মোহন কি গিয়াছে ?	क्या मोहन गया है ?
আমি কি পড়া করি নাই ?	क्या मैंने सबक नहीं पढा ?
তিনি কি আসিতেছেন ?	क्या वह आरहे हैं ?
তুমি কি ফিরিবে ?	क्या तुम वापस आओगे ?

—*—

पाचवा पाठ।

তুমি কি ইহা জান ?	क्या तुम इसे जानते हो ?
সে কি তথায় যায় ?	क्या वह वहाँ जाता है ?
হরি কি হাসিয়াছিল ?	क्या हरी हँसा था ?
তুমি কি তথায় গিয়াছিলে ?	क्या तुम वहाँ गये थे ?

তুমি কি তাঁহার কাছে কোন সাহায্য পাইয়াছিলে ?
क्या तुमने उससे कुछ सहायता पाई थी ?

छठा पाठ।

প্রশ্ন—তুমি কি সাঁতার দিতে পার ?
प्रश्न—क्या तुम तैर सकते हो ?

নবাঁ পাঠ।

তুমি কে ?	तुम कौन हो ?
এ ছেলেটী কে ?	यह लडका कौन है ?
এ কি ?	यह क्या है ?
তাহার কি হইয়াছে ?	उसे क्या हुआ है ?
তুমি কি চাও ?	तुम क्या चाहते हो ?
আপনি কাহাকে খোঁজেন ?	आप किसको ढूँढते हैं ?
তুমি কাহার অনুসন্ধান কর ?	तुम किसकी तलाश करते
তুমি কখন ফিরিয়া আসিবে ?	तुम कब लौट आओगे ?
তুমি এখন কেমন আছ ?	तुम अब कैसे हो ?
তুমি কেন আমাকে পত্র লেখনা ?	तुम मुझे पत्र क्यों नहीं लिखते ?

দসবাঁ পাঠ।

তুমি কাহাকে ডাকিয়া পাঠাইয়াছিলে ?	तुमने किसे बुला भेजा था ?
তুমি কোথায় যাও ?	तुम कहाँ जाते हो ?
তুমি কখন আসিবে ?	तुम कब आओगे ?
হরি কখন ফিরিয়া আসিবে ?	हरि कब लौटेगा ?

শীলার বিবাহ কবে হইবে ? সুশীलाका विवाह कब होगा ?
মি কবে টাকা দিবে ? तुम कब रुपया दोगे ?
মি কোথায় যাইতে চাও ? तुम कहाँ जाना चाहते हो ?
আম কেমন ? यह आम कैसा है ?
ট্রেন কখন ছাড়িবে ? गाडी कब छूटेगी ?

গ্যারহবা পাঠ।

তোমার কাল কি হইয়াছিল ? कल तुमको क्या हुआ था ?
তোমার নাম কি ? तुम्हारा नाम क्या है ?
স কে ? वह कौन है ?
স কি করিবে ? वह क्या करेगा ?
আমি কি এখন যাইব ? मैं क्या अब जाऊँगा ?
হরি কি কলিকাতায় যাইবে ? क्या हरि कलकत्ते जायगा ?
আর কে সেখানে যাইবে ? वहाँ और कौन जायगा ?

বারহবা পাঠ।

তুমি কি আমাকে মূর্খ মনে কর ?
क्या तुम मुझे मूर्ख समझते हो ?
তোমার কি কাণ্ডাকাণ্ড জ্ঞান নাই ?
क्या तुम्हें बुरे भलेका ज्ञान नहीं है ?

তুমি কি নির্দ্দয় ? क्या तुम निर्दयी हो ?
আমাকে কি করিতে হইবে ? मुझे क्या करना होगा ?
তুমি কোথা হ'তে আসছ ? तुम कहाँसे आते हो ?
তুমি কেন কাঁদিতেছ ? तुम क्यों रो रहे हो ?
তাহাকে রাগাও কেন ? उसे गुस्सा क्यों दिलाते हो ?
একথা তোমাকে কে বলিয়াছে ?
यह बात तुमसे किसने कही ?
তুমি কতক্ষণ এখানে থাকিবে ?
तुम यहाँ कितनी देर तक रहोगे ?
তুমি কাল স্কুলে আস নাই কেন ?
तुम कल स्कूलमें क्यों नहीं आये ?

সোলহবাঁ পাঠ।

আমাকে ঐ বইখানা এনে দেবে ?
क्या मुझे यह किताब ला दोगे ?
তুমি কি পশুশালা দেখিতে যাবে ?
क्या तुम चिड़िया घर देखने जाओगे ?
তাহারা কি আমার উপদেশ মত কাজ করিবে ?
क्या वे मेरी सलाहके माफ़िक़ काम करेंगे ?
বালক মৃত্যুর কথা কি জানে ?
मृत्युकी बात क्या जाने ?

তিনি ধূমপান করেন না।	वे हुक्का नहीं पीते।
হরি ব্রাহ্মণ নহে।	हरि ब्राह्मण नहीं है।
তিনি অসুস্থ।	वे बीमार हैं।
আমি ধনবান লোক নহি।	मैं धनवान नहीं हूँ।
এ সহজ নয়।	यह आसान नहीं है।
তুমি দোষী নও।	तुम दोषी नहीं हो।

दूसरा पाठ।

তুমি এ পদের উপযুক্ত নয়।
तुम इस पदके योग्य नहीं हो।
আমি তোমার সহিত যাইব না।
मैं तुम्हारे साथ न जाऊँगा।
আমি তোমাকে গালি দিই নাই।
मैंने तुम्हें गाली नहीं दी।

तीसरा पाठ।

তাহারা আজ গান করিবে না।	वे आज नहीं गावेंगे।
তুমি ইহা কর নাই।	तुमने यह नहीं किया है।
সে পড়িতে যায় না।	वह पढ़नेको नहीं जाता।
আমি রাত্রে কাজ করি না।	मैं रातको काम नहीं करता।

সাতবাঁ অধ্যায়।

প্রথম পাঠ।

আমার অবকাশ নাই।	মুझे अवकाश नहीं है।
তাহার কলম নাই।	उसके पास कलम नहीं है।
সে পড়িতে যায় নাই।	वह पढनेको नहीं जाता।
তাহার ঘোড়া নাই।	उसके घोडा नहीं है।
এ গ্রামে স্কুল নাই।	इस गांवमें स्कूल नहीं है।
ঘরে কেহ নাই।	घरमें कोई नहीं है।
আকাশে মেঘ নাই।	आकाशमें बादल नहीं है।
তাঁহার বন্ধু নাই।	उसके मित्र नहीं है।
তাহার নড়িবার শক্তি নাই।	उसकी हिलनेकी शक्ति नहीं है
তাহার সামান্য জ্ঞানও নাই।	उसमें सामान्य ज्ञानभी नहीं है
আমার এখন চাকরী নাই।	अब मेरी नौकरी नहीं है।
দোকানে চাউল নাই।	दूकान में चांवल नहीं हैं।
তাহার পুত্র নাই।	उसके लडका नहीं है।

তিনি ধূমপান করেন না।	वे हुक्का नहीं पीते।
হরি ব্রাহ্মণ নহে।	हरि ब्राह्मण नहीं है।
তিনি অসুস্থ।	वे बीमार हैं।
আমি ধনবান লোক নহি।	मैं धनवान नहीं हूँ।
এ সহজ নয়।	यह आसान नहीं है।
তুমি দোষী নও।	तुम दोषी नहीं हो।

দুসরা পাঠ।

তুমি এ পদের উপযুক্ত নয়।
तुम इस पदके योग्य नहीं हो।
আমি তোমার সহিত যাইব না।
मैं तुम्हारे साथ न जाऊँगा।
আমি তোমাকে গালি দিই নাই।
मैंने तुम्हें गाली नहीं दी।

তীসরা পাঠ।

তাহারা আজ গান করিবে না।	वे आज नहीं गावेंगे।
তুমি ইহা কর নাই।	तुमने यह नहीं किया है।
সে পড়িতে যায় না।	वह पढ़नेको नहीं जाता।
আমি রাত্রে কাজ করি না।	मैं रातको काम नहीं करता।

একটীও কথা কহিও না।	एक शब्द भी मत कहो।
অতি ভোজন করিও না।	बहुत मत खाओ।
এখানে জায়গা নাই।	यहाँ जगह नहीं है।
আমি তথায় যাইব।	मैं वहाँ जाऊँगा।
আমার চক্ষু নষ্ট হইয়াছে।	मेरी आँखें नष्ट होगई हैं।
আমি বাড়ী যাইব।	मैं घर जाऊँगा।
আমি একটি ফুল দেখিয়াছি।	मैंने एक फूल देखा है।
আমার তৃষ্ণা পাইয়াছে।	मैं प्यासा हूँ।
আমার ক্ষুধা পাইয়াছে।	मैं भूखा हूँ।

चौथा पाठ।

আমার ঘুম পাচ্ছে।	मुझे नींद आती है।
তিনি হঠাৎ আসিয়াছিলেন।	वह यकायक आये।
এক এক জন করিয়া যাও।	एक एक करके जाओ।
আমার পয়সায় কাজ নাই।	मुझे पैसे की ज़रूरत नहीं है।
যেমন কর্ম্ম তেমনি ফল।	जैसा कर्म वैसा फल।
এখন সওয়া তিনটা হইয়াছে।	इस समय सवा तीन बजे हैं।
তিনি এই মাত্র আসিয়াছেন।	वे अभी आये हैं।
তিনি ভুল করিয়াছেন।	उन्होंने भूल की है।
আমি ভুলিব না।	मैं नहीं भूलूँगा।

তিনি পলাইয়া গিয়াছেন।	वे भाग गये हैं।
বাতিটা নিবিয়া গিয়াছে।	बत्ती बुझ गई है।
তিনি বাতিটা জ্বালিয়াছেন।	उन्होंने बत्ती जलाई है।

पांचवां पाठ।

আমার এখনও লেখা হয় নাই।
मेरा लिखना अभी तक समाप्त नहीं हुआ है।
এই পল্লীতে ধনী লোক নাই।
इस गांवमें धनी लोग नहीं हैं।
তোমার কিছুমাত্র ক্ষমতা নাই।
तुम्हारी कुछ भी शक्ति नहीं है।
আমি কখনও গাছে উঠি নাই।
मैं कभी पेडपर नहीं चढा।
আমাদের একটীও বাটী নাই।
हमारे एक भी घर नहीं है।
আমি গত কল্য বাটী যাই নাই।
मैं कल घर नहीं गया।
সেখানে কাহাকেও দেখি নাই।
वहां किसीको भी नहीं देखा।
আমার হাথে একটীও পয়সা নাই।
हमारे हाथमें ~ पैसा नहीं है।

একটীও কথা কহিও না।	एक शब्द भी मत कहो।
অতি ভোজন করিও না।	बहुत मत खाओ।
এখানে জায়গা নাই।	यहाँ जगह नहीं है।
আমি তথায় যাইব।	मैं वहाँ जाऊँगा।
আমার চক্ষু নষ্ট হইয়াছে।	मेरी आँखें नष्ट होगई हैं।
আমি বাড়ী যাইব।	मैं घर जाऊँगा।
আমি একটি ফুল দেখিয়াছি।	मैंने एक फूल देखा है।
আমার তৃষ্ণা পাইয়াছে।	मैं प्यासा हूँ।
আমার ক্ষুধা পাইয়াছে।	मैं भूखा हूँ।

चौथा पाठ।

আমার ঘুম পাচ্ছে।	मुझे नींद आती है।
তিনি হঠাৎ আসিয়াছিলেন।	वह यकायक आये।
এক এক জন করিয়া যাও।	एक एक करके जाओ।
আমার পয়সায় কাজ নাই।	मुझे पैसे की ज़रूरत नहीं है।
যেমন কর্ম্ম তেমনি ফল।	जैसा कर्म वैसा फल।
এখন সওয়া তিন্‌টা হইয়াছে।	इस समय सवा तीन बजे हैं।
তিনি এই মাত্র আসিয়াছেন।	वे अभी आये हैं।
তিনি ভুল করিয়াছেন।	उन्होंने भूल की है।
আমি ভুলিব না।	मैं नहीं भूलूँगा।

তিনি পলাইয়া গিয়াছেন।	वे भाग गये हैं।
বাতিটা নিবিয়া গিয়াছে।	बत्ती बुझ गई है।
তিনি বাতিটা জ্বালিয়াছেন।	उन्होंने बत्ती जलाई है।

পাঁচবাঁ পাঠ।

আমার এখনও লেখা হয় নাই।
मेरा लिखना अभी तक समाप्त नहीं हुआ है।
এই পল্লীতে ধনী লোক নাই।
इस गाँवमें धनी लोग नहीं हैं।
তোমার কিছুমাত্র ক্ষমতা নাই।
तुम्हारी कुछ भी शक्ति नहीं है।
আমি কখনও গাছে উঠি নাই।
मैं कभी पेड़पर नहीं चढा।
আমাদের একটীও বাটী নাই।
हमारे एक भी घर नहीं है।
আমি গত কল্য বাটী যাই নাই।
मैं कल घर नहीं गया।
সেখানে কাহাকেও দেখি নাই।
वहाँ किसीको भी नहीं देखा।
আমার হাথে একটীও পয়সা নাই।
हमारे हाथमें एक भी पैसा नहीं है।

ছঠা পাঠ।

তাহার একটুও অসুখ হয় নাই।
যহ বিলকুল বীমার নহীঁ হুআ।
ইহাতে সন্দেহের লেশমাত্র নাই।
ইস বাতমেঁ জরাভী শক নহীঁ হৈ।
চাবিটা বাজিতে দশ মিনিট বাকী।
চার বজনেমেঁ দশ মিনিট বাকী হৈ।
তিনি কখন অলস করেন না।
বে কভী আলস্য নহীঁ করতে।
এ পৃথিবীতে কিছুই অসম্ভব নহে।
ইস দুনিয়া মেঁ কুছ ভী অসম্ভব নহীঁ হৈ।
এ রোগের আর চিকিৎসা নাই।
ইস রোগকা ঔর ইলাজ নহী হৈ।
তিনি ভাল লিখিতে পারেন না।
বে অচ্ছী তরহ নহীঁ লিখ সকতে।
সে ইহা করিতে প্রস্তুত নহে।
বহ ইসে করনেকো তয়্যার নহীঁ হৈ।

সাতবাঁ পাঠ।

ছি! ছি! আমি তোমার বুদ্ধি দেখে অবাক্।
[illegible] - [illegible] তুম্হারী বুদ্ধিপর আশ্চর্য্য হৈ।

ত রাত্রে আমি অনেকক্ষণ পর্য্যন্ত জাগিয়াছিলাম।
গত রাত্রিকো মৈঁ বহুত দের তক জাগতা রহা।
আমার ঘোড়াটা একেবারে খোঁড়া হ'য়ে গিয়েছে।
মেরা ঘোড়া একদম লঁগড়া হো গয়া হৈ।
এ তোমার চালাকি মাত্র।
যহ খালী তুম্হারী চালবাজী হৈ।
তাঁহার সঙ্গে তাঁহার বাপের সদ্ভাব নাই।
উসকে সাথ উসকে বাপ কা মেল নহীঁ হৈ।
তাঁহার সঙ্গে আমার বন্ধুতা আছে।
উসকে সাথ মেরী মিত্রতা হৈ।
সোমবারের পূর্ব্বে ইহা করিতে হইবে।
সোমবার কে পহলে যহ করনা হোগা।
আমার এখন পড়িবার ইচ্ছা নাই।
অব মেরা পঢ়নেকা ইরাদা নহীঁ হৈ।
তিনি ষোল আনা ভদ্রলোক।
বে সোলহ আনি সজ্জন পুরুষ হৈঁ।
আমি এক ঘণ্টা ধ'রে এখানে দাঁড়াইয়া আছি।
মৈঁ যহাঁ এক ঘণ্টে সে খড়া হুঁ।

আঠবাঁ পাঠ।

আমি বরাবর সেইখানে যাইতেছি।
মৈঁ বরাবর সীধা জা রহা হুঁ।

আমি পুস্তক খানি হারাইয়াছি।
মৈনে পুস্তক খো দী হৈ।
তিনি সারাদিন বাহিরে ছিলেন।
বে তমাম দিন বাহর থে।
ফোঁটা ২ করিয়া বোতলটি খালি হইয়া গিয়াছিল।
বুঁদ-বুঁদ করকে বোতল খালী হো গয়ী থী।
সে দিন দিন খারাপ হ'য়ে যাচ্ছে।
বহ দিন বদিন খরাব হোতা জাতা হৈ।
সে গান গাহিতে গাহিতে আসছে।
বহ গাতা-গাতা আতা হৈ।
তিনি মাসে ২ চাকরদিগের মাহিনা চুকাইয়া দেন।
বে মহীনে-মহীনে নৌকরোঁকী তনখ্‌বাহ চুকা দেতে হৈঁ।
বেশী বাক্যে কাজ কম হয়।
বহুত বাতোঁসে কাম কম হোতা হৈ।

—০—

নবাঁ পাঠ।

আমি যথাসাধ্য চেষ্টা করিব।
মৈঁ ভরসক কোশিশ করুঁগা।
তিনি আমার প্রতি নেক্ নজর দিয়াছিলেন।
উন্হোনে মুঝ পর কৃপা কী থী।
ভিন্নঃ রুচিহি লোকঃ।

সে আমার কথা শুনে না।
যহ মেরী বাত নহীঁ সুনতা।
রৌদ্রে বেড়াইও না।
ধূপমেঁ মত ঘুমনা।
সে এতক্ষণ চলিয়াগিয়াছে।
যহ অভী চলা গয়া হৈ।
তিনি একজন ডাকাত।
যহ এক ডাকু হৈ।
ইহার দাম এক পয়সাও নহে।
ইসকা মূল্য এক পৈসা ভী নহী হৈ।
একথা প্রকাশ পাইয়াছে।
যহ বাত প্রকাশিত হো গই হৈ।
ইহা কোন কাজের নয়।
যহ কিসী কামকা নহী হৈ।

ইসবাঁ পাঠ।

সকল কথা খুলে বল।
সারী বাত খোল কর কহো।
আমি প্রাণপনে ইহা করিব।
মৈঁ ইসে প্রাণকী বাজী লগাকর করুঁগা।
সে পাগল হইয়াছে।

वह पागल हो गया है।
তিনি এই অপমান সহ্য করিয়াছেন।
उन्होंने यह अपमान सह लिया है।
আমি ইহা ধারে কিনিয়া আনিয়াছি।
मैं इसे उधार खरीद कर लाया हूँ।
আমি এ অপমান সহ্য করিতে পারি না।
मैं यह अपमान नहीं सह सकता।
তিনি অবস্থার অতিরিক্ত খরচ করেন।
वे औक़ात से बाहर खर्च करते हैं।
এই আফিসে কোনও কর্ম্ম খালি নাই।
इस दफ्तरमें कोई भी काम खाली नहीं है।
যে অসময়ের বন্ধু, সেই যথার্থ বন্ধু।
विपत्ति में जो काम आवे वही सच्चा मित्र है।
অর্থ অনর্থের মূল।
धन अनर्थ की जड़ है।
শতস্য শোচনা নাস্তি।
बीती बातका सोच करना व्यर्थ है।
আমি তাঁহাকে দুই শত টাকা ধার দিয়াছি।
मैंने उन्हें २०० रुपये उधार दिये हैं।

গ্যারহবাঁ পাঠ।

আমি তাঁহাকে ইংরাজ মনে করিয়াছিলাম।
মৈনে উসে অঁগরেজ সমঝা থা।
কুসংবাদ শীঘ্রই প্রচারিত হয়।
বুরী খবর জল্দী ফৈল জাতী হৈ।
যত গর্জ্জে, তত বর্ষে না।
জিতনা গরজতা হৈ উতনা বরসতা নহীঁ।
প্রত্যেক জাহাজের একজন অধ্যক্ষ আছে।
হরেক জহাজ মেঁ এক অধ্যক্ষ হোতা হৈ।
তিনি ও আমি হরিহর আত্মা।
বে ঔর মেঁ পক্কে দোস্ত হৈঁ।
তিনি আমার একজন বিশেষ বন্ধু।
বে হমারে দিলী দোস্ত হৈঁ।
তাঁহারা আমার পরামর্শ হাসিয়া উড়াইয়া দিয়াছিল।
উন্হোঁনে মেরী সলাহ হঁসী মেঁ উড়া দী থী।
তাঁহারা তাহাদের বাড়ী বিক্রয় করিয়াছে।
উন্হোঁনে অপনা মকান বেচ দিয়া হৈ।
আমি স্বয়ং তথা গমন করিব।
মৈঁ বহাঁ খুদ জাঊঁগা।
তিনি একজন মহাকবি।
বে এক মহাকবি হৈঁ।

তিনটার সময় গাড়ী ছাড়িবে।
तीन बजे गाड़ी छूटेगी।
রাধাবাজারে তাঁর বাসা।
उसका बासा राधाबाज़ार में है।
সে যথেষ্ট ধন জমাইয়াছে।
उसने यथेष्ट धन जमा किया है।

চৌদ্দবাঁ পাঠ।

তিনি একমাত্র পুত্র রাখিয়া মরিয়াছেন।
वे एक मात्र पुत्र छोड़ कर मर गये हैं।
তিনি উপাধি পাইবার জন্য লালায়িত।
वह उपाधि पाने को लालायित हैं।
তিনি আহার করিতেছেন।
वह भोजन कर रहे हैं।
তিনি আমার বিরুদ্ধে বলিয়াছেন।
वह मेरे विरुद्ध बोले हैं।
সে ঠিক আমার মনের মত লোক।
वह ठीक मेरे मनका आदमी है।
তিনি সুদে টাকা খাটাইতেছেন।
उन्होंने ब्याज पर रुपया लगा दिया है।
টাকায় টাকা বাড়ে।
रुपया से रुपया बढ़ता है।

সে তাহার বাপের নয়ন তারা ছিল।
वह अपने बाप की आँखोंका तारा था।
এই বই খানা শীঘ্র ছাপাইব।
मैं इस पुस्तक को जल्दी ही छपाऊँगा।
আজ আমার জন্মদিন।
आज मेरा जन्मदिन है।
তিনি আমার পরিবর্ত্তে কাজ করিয়াছিলেন।
उन्होंने मेरी जगह काम किया था।

পন্দ্রহবাঁ পাঠ।

তাহার যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর হইয়াছে।
उसको जन्म भरको देश निकाला हुआ है।
ভয় আছে পাছে সে পাগল হ'য়ে যায়।
भय है कि वह पागल न होजावे।
তাহাকে পুলিসে দেওয়া হইয়াছে।
वह पुलिस के सिपुर्द कर दिया गया है।
আমি যতদূর জানি সে চোর নহে।
जहाँतक मैं जानता हूँ वह चोर नहीं है।
সে তাহার বাপের খুব প্রিয় ছিল।
वह अपने बाप का खूब प्यारा था।
তিনি দুই এক দিনের মধ্যেই আসিবেন।
वे दो एक दिनमें ही आवे गे।

তাহাকে ফাঁসী দেওয়া হইয়াছে।
উসে ফাঁসী দীগয়ী হৈ।
আমার মরিবার অবকাশ নাই।
মুঝে মরনে কী ভী ফুর্সত নহীঁ হৈ।
এই বাড়ী ভাড়া দেওয়া যাইবে।
যহ মকান ভাড়ে দিয়া জায়গা।
এই টাকাটী ভাঙ্গাইয়া আন ত।
ইস রুপয়ে কী ভঁজাইয়ী।

সোলহবাঁ পাঠ।

তিনি আমাকে গোপাল মনে করিয়াছিলেন।
উন্হোঁনে মুঝে গোপাল সমঝা থা।
আমি শীঘ্রই তাহার টাকা শোধ করিয়া দিব
মৈঁ উনকা রুপয়া জল্দী হী চুকা দুঁগা।
আমি হিসাব পত্র দেখিয়াছি।
মৈঁনে হিসাব কিতাব দেখ লিয়া হৈ।
আমার আজকাল টানাটানির অবস্থা।
আজকল মেরী হালত তংগ হৈ।
প্রতিদিন ঈশ্বরোপাসনা করা উচিত।
প্রতিদিন ঈশ্বরোপাসনা করনা উচিত হৈ।

তিনি জামিনে খালাস পাইয়াছেন।
উন্হোনে জমানত পর রিহাই পায়ী হৈ।
তিনি তার সমুদয় সম্পত্তি বাঁধা দিয়াছেন।
উন্হোনে অপনী সারী সম্পত্তি বন্ধক রখদী হৈ।
ভবিষ্যতের জন্য কিছু সঞ্চয় করা ভাল।
ভবিষ্যতকে লিয়ে কুছ সঞ্চয় করনা অচ্ছা হৈ।
আজকাল আমাকে ভারি টানাটানি করিয়া চালাইতে হয়।
আজকল মুঝে ভারী খীঁচতান করকে কাম চলানা হোতা হৈ।
আমি কাল তোমার সঙ্গে দেখা করিব।
মৈঁ কল তুমসে মিলুঁগা।
আজ আমার জ্বর বোধ হইতেছে।
আজ মুঝে জ্বর মালুম হোতা হৈ।
সে দেউলে হইয়াছে।
বহ দিবালিয়া হোগয়া হৈ।
ইন্‌কম্ টেক্স উঠাইয়া দেওয়া উচিত।
ইন্‌কম্ টেক্স উঠা দেনা উচিত হৈ।
আমি তাহাকে ঘুস দিব না।
মৈঁ উসে ঘুঁস ন দুঁগা।
সৌন্দর্য্য হৃদয়কে আকর্ষণ করে।
সুন্দরতা দিলকো খীঁচ লেতী হৈ।
এ জীবনের সুখ ক্ষণস্থায়ী।
ইস জীবন কা সুখ ক্ষণস্থায়ী হৈ।

তাহার বয়স কেবল মাত্র দশ বৎসর।
উসকী উম্র সির্ফ দশ বর্ষ কী হৈ।
আমি তাহার সহিত বিবাদ মিটাইয়া ফেলিব।
মৈঁ উসসে ঝগড়া মিটা লূঁগা।

—৭—

সত্তরহবাঁ পাঠ।

তিনি অনেক রাত্রি পর্য্যন্ত জাগেন।
বে বহুত রাততক জাগতে হৈঁ।
আমি যে ক্ষতি করিয়াছি, তাহা পূরণ করিব।
মৈঁনে জো হানি কী হৈ, উসে পূরী করূঁগা।
সে তাহার বাপের বিষয় পাইয়াছে।
উসনে অপনে বাপ কী মিলকিয়ত পাই হৈ।
আমি তোমাকে বিশেষরূপে সাজা দিব।
মৈঁ তুমকো অচ্ছীতরহ দণ্ড দূঁগা।
আমি একটা ব্যবসা করিব।
মৈঁ এক ব্যবসায় করূঁগা।
সে আমার পত্রের জবাব দিয়াছে।
উসনে মেরে পত্র কা জবাব দিয়া হৈ।
সে আমার চেয়ে বেশী চালাক।
বহ মুঝসে অধিক চালাক হৈ।

তিনি এখন বেকার আছেন।
वह अब बेरोज़गार हैं।
মানুষ মাত্রেরই ভ্রম হয়।
मनुष्य मात्रको भ्रम होता है।

আঠারহবাঁ পাঠ।

আমি বেশ ভাল আছি।
मैं बिल्कुल तन्दुरुस्त हूँ।
সে আমাকে এ বিষয়ে ঠকিয়াছে।
उसने मुझे इस काममें धोखा दिया है।
আমি খুব সকালে উঠিয়াছিলাম।
मैं खूब सवेरे उठा था।
আমি তাঁহার সঙ্গে ছিলাম।
मैं उनके साथ था।
তোমার স্বাস্থের দিকে দৃষ্টি রাখা উচিত।
तुमको स्वास्थ्य की तरफ़ नज़र रखनी चाहिये।
আমি তাঁহাকে বাড়ীতে দেখিতে পাইলাম না।
मुझे वह घर में नहीं मिले।
গরু আমাদের অত্যন্ত উপকারী।
गाय हमारे लिये अत्यन्त उपकारी है।
সে একজন জ্ঞানী লোক হ'বে।
वह एक बुद्धिमान आदमी होगा।

উন্নীসবাঁ পাঠ।

সে একটী প্রদীপ হাতে লইয়া আসিয়াছিল।
বহ এক দীপক হাথমেঁ লেকর আয়া থা।
আমার কাজ যা তা আমি জানি।
মৈঁ অপনা কাম জানতা হুঁ।
ইহা কিনিতে তাঁহার চারি টাকা লাগিয়াছে।
ইসকো খরীদনেমেঁ উসকে চার রুপয়ে লগে হৈঁ।
ইহা প্রস্থে এক ইঞ্চ।
যহ চৌড়াই মেঁ এক ইঞ্চ হৈ।
আমি যাহা চাই, তাই আমাকে দাও।
মৈঁ জো চাহতা হুঁ বহী মুঝে দো।
তোমাকেই বল্‌তে হবে।
তুম্হেঁ হী বোলনা হোগা।
তিনি এখানে এক দিন অন্তর আইসেন।
বহ যহাঁ এক দিনকে অন্তর সে আতে হৈঁ।
তাঁহার এক চোক কানা।
যহ এক আঁখ সে কানা হৈ।
তিনি ভাল দিন দেখিয়াছেন।
উন্হোনে অচ্ছে দিন দেখে হৈঁ।
তুমি সেদিন আমাকে বোকা বানাইয়াছিলে।
তুমনে উস দিন মুঝে মূর্খ বনা দিয়া থা।

বোসবাঁ পাঠ।

কুক্ষণে তাহাকে আমি বাড়ীতে স্থান দিয়াছিলাম।
बुरे समय में मैंने उसे घरमें जगह दी थी।
তিনি যাহা খান তাহাই বমি করিয়া ফেলেন।
वह जो खाते हैं वही वमन कर देते हैं।
তাহারা সকলে একই প্রকৃতির লোক।
उन सबका एक स्वभाव है।
ডাকাতেরা কুঁড়ে ঘরে আগুণ লাগিয়ে দিয়েছিল।
डाकुओंने झोंपडे में आग लगादी थी।
ঘটনাক্রমে আমি সেখানে উপস্থিত ছিলাম।
दैवयोग से मैं वहाँ मौजूद था।
এ রকম অবস্থায় আমি বিল খানি গ্রাহ্য করিতে পারি না।
इस हालत में मैं बिलकी मञ्जूर नहीं कर सकता।
তিনি তাঁহার সমস্ত বিপদে অটল ছিলেন।
वह अपनी सारी विपद में अटल थे।
আমি উভয় সঙ্কটে পড়িয়াছি।
मैं दो आफतों में फँसा हूँ। मुझे दोनों ओरसे विपद है।
তুমি তাহার সামনে পড় নাই, তোমার পক্ষে ভালই হইয়াছে।
तुम उसके सामने नहीं पडे यह तुम्हारे लिये अच्छा ही हुआ

तेईसवाँ पाठ।

সে হঠাৎ কেঁদে উঠে ছিল।
वह यकायक रो पड़ा था।
তাহারা লুকোচুরি খেলা করিতেছে।
वह आँख मिचौनी खेलते हैं।
যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ।
जब तक श्वासा, तब तक आशा।
আমি এক দমে দশ মাইল যাইতে পারি।
मैं एक दममें दश मील जासक्ता हूँ।
আমি ছুটিতে আছি।
मैं छुट्टी पर हूँ।
তাঁর চেষ্টার কোনও ফল হয় নাই।
उनकी चेष्टाका कुछ भी फल न हुआ।
আমি আজ পাঁচটার সময় উঠিয়াছিলাম।
मैं आज पाँच बजे उठा था।
তিনি সমুদ্র ভ্রমণ ভালবাসেন।
उन्हें समुद्र भ्रमण अच्छा लगता है।
এ বিষয়ে তাঁহার মত শিরোধার্য্য।
इस विषय में उनका मत शिरोधार्य्य है।
আমি তার উদ্দেশ্য বুঝিতে পারি নাই।
मैं उसका उद्देश्य समझ नहीं सका।

चौबीसवा पाठ।

তিনি এত বেগে চলিলেন যে, তাহাকে ধরিতে পারিলাম না।
वह इतनी तेज़ी से चले, कि मैं उन्हें न पकड़ सका।
ইহাতে অপরের উপকার হ'তে পারে।
इससे दूसरों का उपकार होसकता है।
তৃষ্ণাতে আমার প্রাণ যায় যায় হয়ে উঠে ছিল।
प्यासके मारे मेरा दम निकलता था।
চাকরের উপর তোমার এত কড়া হওয়া উচিত নয়।
नौकर पर तुम्हारा इतना कड़ा रहना उचित नहीं है।
কেহ আপন দোষ দেখিতে পায় না।
किसीको अपना दोष मालूम नहीं होता।
বিশ্বাসই সফলতার অনুচর।
विश्वास ही सफलताका अनुचर है।
সে আমাকে তাচ্ছিল্য করে।
वह मुझे से नफ़रत करता है।
দুর্ভোগ সৌভাগ্যের কারণ।
दुःख भोगने के पीछे सुख मिलता है।
সুচরিত্র এবং সাহস মানবকে সম্মান দেয়।
सुचरित्र एवं साहस से मनुष्य का सम्मान होता है।
তাহারা অনেক কথা কয়।
वे बहुत सी बातें कहते हैं।

পচ্চীসবাঁ পাঠ।

মুরগীতে ডীম পাড়ে।
মুর্গী অণ্ডা দেতী হৈ।
বেগে বায়ু বহিতেছিল।
হবা তেজী সে চল রহী থী।
তিনি বিদ্বেষ বশতঃ এ কাজ করিয়াছেন।
উন্হোঁনে বিদ্বেষকে বশ হোকর যহ কাম কিয়া হৈ।
বাতাস বড় ঠাণ্ডা ও কন্‌কনে।
হবা বড়ী ঠণ্ডী ঔর ঠিঠরানেবালী হৈ।
আমি তোমাকে মনের কথা সব ব'লেছি।
মৈনে তুমসে মনকী সব বাতেঁ কহদী হৈঁ।
সে মজাব লোক।
যহ মজেকা আদমী হৈ।
আমি নগদ দাম দিব।
মৈঁ নকদ দাম দুঁগা।
তাঁহার মনের গতি বুঝা কঠিন।
উনকে মনকী গতি জানলা কঠিন হৈ।
এর দাম তোমাকে অনেক দিতে হবে।
ইসকা দাম তুমকো বহুত দেনা হোগা।

छब्बीसवा पाठ।

শিক্ষাই মনকে শুদ্ধ ও উন্নত করে।
शिक्षा ही मनको शुद्ध और उन्नत करती है।
তিনি আমার-কথায় কর্ণপাত করিলেন না।
उन्होंने हमारी बात पर कान नहीं दिया।
চক্ষের পলক পড়তে না পড়তে তিনি অদৃশ্য হইলেন।
पलक मारते २ वह गायब होगये।
তিনি গভীর রাত্রে যাত্রা করিয়াছেন।
उन्होंने आधी रातको यात्रा की।
আমি সর্ব্বান্তঃকরণে তোমার মঙ্গল কামনা করি।
मैं अन्तःकरण से तुम्हारा भला चहता हूँ।
এক দিনে কোন কাজ হয় না।
एक दिनमें कोई काम नहीं होता।
মানুষ মনে করে এক, ঘটে আর।
आदमी सोचता कुछ है और होता कुछ है।
তাঁহার শিখিবার বয়স আর নাই।
उसकी सीखनेकी उम्र और नहीं है।
তিনি সমস্ত জীবন সুখে কাটাইয়াছেন।
उन्होंने सारी उम्र सुखसे बीताई है।
তিনি লজ্জায় মাথা হেঁট করিলেন।
उन्होंने लज्जाके मारे सिर नीचा कर लिया।

সুবুদ্ধিকে এক কথা মরণ সমান।
বুদ্ধিমানকা এক বাতমে ছী মরণ হো জাতা হৈ।
মানুষের সময় একবার ফিরেই।
মনুষ্য কে দিন একবার তো ফিরতে হী হৈঁ।
পুলিস ডাকতে ২ চোরটা পিট্টান দিলে।
পুলিস কে বুলাতে ২ চোর ছুবা হোগয়া।
মিষ্টান্নগুলি দেখে বালকটীর মুখ দিয়া লাল পড়িতে লাগিল।
মিঠাই দেখতে হী বালক কী লার টপকনে লগী।

সত্তাইসবাঁ পাঠ।

ভূগোল শিখিবার আর সহজ কোনও উপায় নাই।
ভূগোল সীখনে কা ঔর সহজ তরীকা নহীঁ হৈ।
তাঁহার কথা আমার কানে বাজিতেছে।
উসকী বাত মেরে কানমে বজ রহী হৈ।
প্রেসের কাজ খুব চলিতেছে।
প্রেসকা কাম খুব চলতা হৈ।
মনে একটু সাহস কর।
দিলমে থোড়ী হিম্মত করো।
ইহা হাসি ঠাট্টার বিষয় নহে।
যহ হঁসী ঠট্টে কী বাত নহীঁ হৈ।
বালকেরা জয়ধ্বনি করিতেছে।
বালক জয়ধ্বনি কর রহে হৈ।

ভারতীয় কবিদিগের মধ্যে কালিদাস শ্রেষ্ঠ।
भारतीय कवियों में कालिदास श्रेष्ठ था।
স্বর্ণ সর্ব্বাপেক্ষা বহুমূল্য ধাতু।
सोना सब की अपेक्षा बहुमूल्य धातु है।
দুঃখীদিগের প্রতি দয়ালু হও।
दुःखियों पर दया करो।
দিল্লী ভারতবর্ষের রাজধানী।
दिल्ली भारतवर्ष की राजधानी है।
তেল ঘির চেয়ে সস্তা। तेल घी से सस्ता है।
দয়ার তুল্য আর কিছুই নাই।
दया के समान और कुछ नहीं है।
সাধুতাই সর্ব্বশ্রেষ্ঠ কৌশল।
ईमानदारी ही सबसे अच्छी नीति है।
ধন দৌলত এ সংসারে চিরস্থায়ী নয়।
इस संसार में धन दौलत चिरस्थायी नहीं है।

দুসরা পাঠ।

হিতাহিত	हिताहित	ভাই ভগিনী	भाई बहिन
গুরু শিষ্য	गुरु चेला	স্বর্গ মর্ত্ত	स्वर्ग मर्त्त
রাজা প্রজা	राजा प्रजा	চেতন অচেতন	चेतन अचेतन
কীট পতঙ্গ	कीट पतंग	দেবী দেবতা	देवी देवता

छठवां अध्याय।

पहला पाठ।

दिवा रात्र	दिन रात	अन्न वस्त्र	अन्न वस्त्र
अन्न जल	अन्न जल	धन जन	धन जन
रक्त मांस	रक्त मांस	माछ मांस	मछली मांस
स्त्री पुरुष	स्त्री पुरुष	जल स्थल	जल स्थल
मन प्राण	मन प्राण	ताला चाबि	ताला चाभी
बाडी घर	घर मकान	पाप पुण्य	पाप पुण्य
ताल्ला ताल्ला	गठरी मुठरी	हात पा	हाथ पाव
कागज कलम	कागज़ कलम	पिता पुत्र	बाप बेटा
पशु पक्षी	पशु पक्षी	भाल मन्द	अच्छा बुरा
धनी निर्द्धन	धनी निर्धन	कुकुर बिडाल	कुत्ता बिल्ली
शत्रु मित्र	शत्रु मित्र	चन्द्र सूर्य्य	चाँद सूरज
नर बानर	नर बानर	धर्म्माधर्म्म	धर्माधर्म

मनुष्य जाति हासिते पारे।

मनुष्य जाति हँस सकती है।

सूर्य्य पूर्व्वदिकें उदय हय।

सूर्य्य पूर्व दिशामें उदय होता है।

ভারতীয় কবিদিগের মধ্যে কালিদাস শ্রেষ্ঠ।
भारतीय कवियों में कालिदास श्रेष्ठ था।
স্বর্ণ সর্ব্বাপেক্ষা বহুমূল্য ধাতু।
सोना सब की अपेक्षा बहुमूल्य धातु है।
দুঃখীদিগের প্রতি দয়ালু হও।
दुःखियों पर दया करो।
দিল্লী ভারতবর্ষের রাজধানী।
दिल्ली भारतवर्ष की राजधानी है।
তেল ঘির চেয়ে সস্তা। तेल घी से सस्ता है।
দয়ার তুল্য আর কিছুই নাই।
दया के समान और कुछ नहीं है।
সাধুতাই সর্ব্বশ্রেষ্ঠ কৌশল।
ईमानदारी ही सबसे अच्छी नीति है।
ধন দৌলত এ সংসারে চিরস্থায়ী নয়।
इस संसार में धन दौलत चिरस्थायी नहीं है।

দুসরা পাঠ।

হিতাহিত	हिताहित	ভাই ভগিনী	भाई बहिन
গুরু শিষ্য	गुरु चेला	স্বর্গ মর্ত্ত	स्वर्ग मर्त्त
রাজা প্রজা	राजा प्रजा	চেতন অচেতন	चेतन अचेतन
কীট পতঙ্গ	कीट पतंग	দেবী দেবতা	देवी देवता

সুখ দুঃখ সুখ দুঃখ হাঁ কি না হাঁ যা না

তোমার বিলম্ব হইয়াছে।

তুম্হে দের হোগয়ী হৈ।

তাহার মাতার মৃত্যু হইয়াছে।

উসকী মাকী মৃত্যু হোগয়ী হৈ।

তাহার রক্তপাত হইতেছে।

উসকে খুন বহতা হৈ।

আমার যাওয়া হইবে না।

মেরা জানা ন হোগা।

তোমার আসা উচিত ছিল না।

তুম্হারা আনা উচিত ন থা।

আমাকে অনেক কাজ করিতে হইবে।

মুঝে বহুত সে কাম করনে হোঁগে।

এই আবেদন পত্রে আপনাকে স্বাক্ষর করিতে হইবে।

আপকো ইস আবেদনপত্র পর হস্তাক্ষর করনে হোঁগে।

গাভীতে ঘাস খায়।

গায ঘাস খাতী হৈঁ।

পংখীতে বাসা নির্ম্মাণ করে।

পক্ষী ঘোসলে বনায়া করতে হৈঁ।

দিবসে নিদ্রা যাওয়া বড় অনিষ্টকর।

দিনমেঁ নীদ লেনা বড়া নুকসানমন্দ হৈ।

[illegible] তিন শত টাকা বেতন পান।

৫৫ পঞ্চান্ন = পঞ্চপন
৫৬ ছাপান্ন = ছপ্পন
৫৭ সাতান্ন = সত্তাবন
৫৮ আটান্ন = অষ্টাবন
৫৯ উনষাট = উনসঠ
৬০ ষাট = সাঠ
৬১ একষট্টি = একসঠ
৬২ বাষট্টি = বাসঠ
৬৩ তেষট্টি = ত্রেসঠ
৬৪ চৌষট্টি = চৌসঠ
৬৫ পঁয়ষট্টি = পঁসঠ
৬৬ ছয়ষট্টি = ছাসঠ
৬৭ সাতষট্টি = সড়সঠ
৬৮ আটষট্টি = অড়সঠ
৬৯ উনসত্তর = উনহত্তর
৭০ সত্তর = সত্তর
৭১ একাত্তর = একহত্তর
৭২ বাহাত্তর = বহত্তর
৭৩ তিহাত্তর = তিহত্তর
৭৪ চৌহাত্তর = চৌহত্তর
৭৫ পঁচাত্তর = পঁচহত্তর
৭৬ ছিয়াত্তর = ছিয়হত্তর
৭৭ সাতাত্তর = সতহত্তর
৭৮ আটাত্তর = অঠহত্তর
৭৯ উনআশি = উনআসী
৮০ আশি = অসী
৮১ একাশি = একআসী
৮২ বিরাশি = বয়াসী
৮৩ তিরাশি = তিরাসী
৮৪ চুরাশি = চৌরাসী
৮৫ পঁচাশি = পিঞ্চাসী
৮৬ ছিয়াশি = ছিয়াসী
৮৭ সাতাশি = সত্তাসী
৮৮ অষ্টাশি = অষ্টাসী
৮৯ উননব্বই = নবাসী
৯০ নব্বই = নব্বে
৯১ একানব্বই = একআনবে
৯২ বিরানব্বই = বাণবে
৯৩ তিরানব্বই = তিরানবে
৯৪ চুরানব্বই = চৌরানবে
৯৫ পঁচানব্বই = পঁচানবে
৯৬ ছিয়ানব্বই = ছিয়ানবে
৯৭ সাতানব্বই = সত্তানবে
৯৮ আটানব্বই = অষ্টানবে

১১ এগার = গ্যারহ
১২ বার = বারহ
১৩ তের = তেরহ
১৪ চৌদ্দ = চৌদহ
১৫ পনের = পন্দ্রহ
১৬ ষোল = সোলহ
১৭ সতের = সত্তরহ
১৮ আঠার = অঠারহ
১৯ উনিশ = উন্নীস
২০ কুড়ি = বীস
২১ একুশ = ইক্কীস
২২ বাইশ = বাইস
২৩ তেইশ = তেইস
২৪ চব্বিশ = চৌবীস
২৫ পঁচিশ = পচ্চীস
২৬ ছাব্বিশ = ছব্বীস
২৭ সাতাইশ = সত্তাইস
২৮ আটাইশ = অট্টাইস
২৯ উনত্রিশ = উনতীস
৩০ ত্রিশ = তীস
৩১ একত্রিশ = ইকতীস
৩২ বত্রিশ = বত্তীস
৩৩ তেত্রিশ = তিতীস
৩৪ চৌত্রিশ = চৌতীস
৩৫ পঁয়ত্রিশ = পৈতীস
৩৬ ছত্রিশ = ছত্তীস
৩৭ সাঁইত্রিশ = সৈতীস
৩৮ আটত্রিশ = অড়তীস
৩৯ উনচল্লিশ = উনতালীস
৪০ চল্লিশ = চালীস
৪১ এক চল্লিশ = ইকতালীস
৪২ বিয়াল্লিশ = বয়ালীস
৪৩ তেতাল্লিশ = তিতালীস
৪৪ চুয়াল্লিশ = চৌবালীস
৪৫ পঁয়তাল্লিশ = পৈতালীস
৪৬ ছয় চল্লিশ = ছিয়ালীস
৪৭ সাত চল্লিশ = সৈতালীস
৪৮ আট চল্লিশ = অড়তালীস
৪৯ উনপঞ্চাশ = উনপচাস
৫০ পঞ্চাশ = পচাস
৫১ একান্ন = ইক্যাবন
৫২ বায়ান্ন = বাবন
৫৩ তিপান্ন = তিপন
৫৪ চুয়ান্ন = চৌপন

৫৫ পঞ্চান্ন = পঞ্চপন
৫৬ ছাপান্ন = ছপ্পন
৫৭ সাতান্ন = সত্তাবন
৫৮ আটান্ন = অট্টাবন
৫৯ উনষাট = উনসঠ
৬০ ষাট = সাঠ
৬১ একষট্টি = একসঠ
৬২ বাষট্টি = বাসঠ
৬৩ তেষট্টি = ত্রেসঠ
৬৪ চৌষট্টি = চৌসঠ
৬৫ পঁয়ষট্টি = পঁসঠ
৬৬ ছয়ষট্টি = ছাসঠ
৬৭ সাতষট্টি = সড়সঠ
৬৮ আটষট্টি = অড়সঠ
৬৯ উনসত্তর = উনহত্তর
৭০ সত্তর = সত্তর
৭১ একাত্তর = একহত্তর
৭২ বাযাত্তর = বহত্তর
৭৩ তিয়াত্তর = তিহত্তর
৭৪ চুয়াত্তর = চৌহত্তর
৭৫ পঁচাত্তর = পঁচহত্তর
৭৬ ছিয়াত্তর = ছিহত্তর
৭৭ সাতাত্তর = সতহত্তর
৭৮ আটাত্তর = অঠহত্তর
৭৯ উনআশি = উন্যাসী
৮০ আশি = অস্সী
৮১ একাশি = একযাসী
৮২ বিরাশি = বযাসী
৮৩ তিরাশি = তিরাসী
৮৪ চুরাশি = চৌরাসী
৮৫ পঁচাশি = পিচ্চাসী
৮৬ ছিয়াশি = ছিয়াসী
৮৭ সাতাশি = সত্তাসী
৮৮ অষ্টাশি = অট্টাসী
৮৯ উননব্বই = নবাসী
৯০ নব্বই = নব্বে
৯১ একানব্বই = একানবে
৯২ বিরানব্বই = বাণবে'
৯৩ তিরানব্বই = তিরানবে'
৯৪ চুরানব্বই = চৌরানবে'
৯৫ পঁচানব্বই = পঁচানবে
৯৬ ছিয়ানব্বই = ছিয়ানবে'
৯৭ সাতানব্বই = সত্তানবে
৯৮ আটানব্বই = অট্টানবে

৯৯ নিরেনব্বুই = নিন্যানবৈ ১০,০০০ দশ হাজার = দস
১০০ এক শত = একসৌ ১০০,০০০ লক্ষ = লাখ
১০০০ একহাজার = একছজার ১০০০০০০ দশ লক্ষ = দস

চৌথা পাঠ।

তাকে এখন যেতে বল। উসে ইস সময় জানে কী কহো।
হিন্দুরা শব দাহ করে। হিন্দু কা মুর্দা জলায়া জাতা হৈ।
তিনি বাজারে চা কিনিতে গেলেন।
বহু বাজার মে চায় খরীদনে গয়ে।
আমি তাঁহাকে দেখিতে আসিয়াছিলাম।
মৈঁ উন্হেঁ দেখনে কী আয়া থা।
আমি যাইতে প্রস্তুত ছিলাম। মৈঁ জানেকী তয়্যার থা।
তাঁহারা উপন্যাস পড়িতে ভালবাসেন।
উনকো উপন্যাস পঢ়না অচ্ছা লগতা হৈ।
তোমার বই আজ ফিরাইয়া দিয়াছি।
তুম্হারী পুস্তক আজ লৌটাদী হৈ।
তিনি আজ প্রাতে কাশী গিয়াছেন।
বহু আজ সবেরে কাশী গয়ে হৈঁ।
রাম কাল কলিকাতায় গিয়াছে। রাম কল কলকত্তে গয়া
এ সপ্তাহে প্রচুর বৃষ্টি হইয়াছে।
ইস সপ্তাহ মে পানী খুব বরসা হৈ।

পাঁচবাঁ পাঠ।

শীঘ্র কিংবা বিলম্বে	জল্দীয়া দেরসে
আর একবার	এক দফা ঔর, একবার ফির
সেই মুহূর্ত্তেই	উসী মুহূর্ত্ত মেঁ, তুরত হী
বর্ত্তমান সময়ে	বর্ত্তমান সময় মেঁ
তৎক্ষণাৎ	ফীরন, উসী ক্ষণ
এখনও	অব ভী
এই মাত্র	অভী অভী
সেই দিনই	উসী দিন
এতাবৎকাল	আজতক

তাঁহার গলায় গলাবন্ধ ছিল।

উনকে গলেমেঁ গুলুবন্দ থা।

প্রতি সপ্তাহে কলিকাতায় আন্দাজ দুই শত লোকের মৃত্যু হয়।

কলকত্তেমেঁ হর হফ্তে অন্দাজন দো সৌ আদমী মরতে হেঁ।

এখন আন্দাজ সাতটা বাজিয়াছে।

ইস সময় অন্দাজন সাত বজে হেঁ।

গত বৎসরের পূর্ব্ব বৎসর তিনি মরমর হইয়াছিলেন।

তীরস কী সাল বহু মরঁ মরঁ হো গয়ে থে।

আমি প্রত্যহ আন্দাজ দেড় সের দুধ খাইয়া থাকি।

মৈঁ হর রোজ অন্দাজন ডেঢ় সের দুধ পী লেতা হুঁ।

সন্তানগণের শিক্ষা বিষয়ে আমি বড় উদ্বিগ্ন আছি।

মুঝে বচ্চো কী শিক্ষা কা বড়া ফিক্র।

তারাগণ মেঘের উপরে রহিয়াছে।
तारे बादलों के ऊपर हैं।
পঞ্চাশ জন লোকের অধিক উপস্থিত ছিল না।
पचास से अधिक आदमी मौजूद नहीं थे।
এখন আন্দাজ একটা বাজিয়াছে।
इस समय अन्दाज़न एक बजा है।
চারিটার সময় তিনি এখানে ছিলেন।
चार बजे वह यहाँ थे।
বারকপুরে আমার একটি ক্ষুদ্র বাগান আছে।
बारकपुर में मेरा एक छोटासा बगीचा है।
দুর্ভিক্ষের জন্য শস্য সঞ্চয় করিয়া রাখ।
अकाल के लिये शस्य जमा कर रक्खो।
দরিদ্রতা প্রযুক্ত তিনি দেনা পরিশোধ করিতে পারেন নাই।
वह दरिद्रता के कारण से देना नहीं चुका सके।
বার্দ্ধক্য প্রযুক্ত তিনি চলিতে অশক্ত।
बुढ़ापे के कारण वह चलनेमें अशक्त हैं।
তিনি লজ্জা বশত এ কথার উল্লেখ করিলেন না।
उन्होंने लज्जा के मारे यह बात नहीं कही।
মনোযোগপূর্ব্বক পাঠ অভ্যাস কর।
मन लगाकर पाठ पढ़ो।
তিনি হাতে হাতেই ফল পাইয়াছিলেন।
उन्हों ने हाथों हो हाथ फल पा लिया था।

আমি কোন ক্রমে এ কাজ করিব না।
मैं किसी तरह इस काम को न करूंगा।
দিন দিন আমাদের দেশের উন্নতি হইতেছে।
दिनों दिन हमारे देश की उन्नति होरही है।

ছঠা পাঠ।

যাবজ্জীবন	ज़िन्दगी भर, यावज्जीवन
চিরকালের জন্য	सदा के लिये
এক ঘণ্টার জন্য	एक घण्टे के लिये
বহুকাল ব্যাপিয়া	मुद्दत तक,
অবিলম্বে	एकदम
ইতিমধ্যে	इस बीचमें
অশুভক্ষণে	बुरी घड़ी में
ঠিক সময়ে	ठीक समयपर
নিমেষ মধ্যে	पलक मारते मारते
পরিশেষে	अन्त में, आखिरकार
আজকাল	आजकल
সারাদিন	सब दिन, तमाम दिन
সপ্তাহ ব্যাপিয়া	हफ्तेभर, सप्ताहभर
সংবৎসর ধরিয়া	वर्षभर, सालभर
সে দিন	उस दिन
একদা	एक समय

তিন ঘণ্টা অন্তর	तीन तीन घण्टे पर
গত শনিবার	गया शनिवार
আগামী শনিবারের পরের শনিবার।	आगामी शनिवार के बादका शनिवार
চারি দিনের মধ্যে	चार दिनोंमें
এক সপ্তাহের মধ্যে	एक सप्ताहमें
চারি ঘটিকার সময়	चार बजे
মধ্য রাত্রিতে	आधी रात को
প্রাত:কালে	प्रात: समय, सवेरे
প্রত্যুষে	पौफटे
মধ্যাহ্নে	मध्यान्ह कालमें, दोपहरको
দুপুর বেলায়	दोपहर के समय
বৈকালে	तीसरे पहर
সন্ধ্যাকালে	सन्ध्या समय, शामको
রাত্রিতে	रात को, रात में
দিবাভাগে	दिन में
এক মাসে	एक महीने में
তিন বৎসরে	तीन वर्षमें
শনিবারে	शनिवार को
মে মাসে	मई महीने में
শেষে	अन्त में

অদ্য হইতে	आज से
সূর্য্যোদয়ের পূর্ব্বে	सूर्य्योदय से पहले
অদ্যাবধি	आज तक
াতক্ষণে	इस समय
াত্যেক দিন	प्रत्येक दिन, हर दिन
শশবে	शैशवकाल में, बचपन में
র্দ্ধক্যে	बुढ़ापे में
ুত্যুকালে	मृत्यु समय में, मरने के वक्त
থাকালে	उचित समय पर

ামি সে খবর শুনিয়াছি।

ঁনে বহু খবর সুনী হৈ।

াম হরির চেয়ে ভাল।

াম হরিসে অচ্ছা হৈ।

তিনি আমার চেয়ে ভাল ছেলে।

াহ মেরী অপেক্ষা অচ্ছা লড়কা হৈ।

তোমার অপেক্ষা যদু বুদ্ধিমান।

যদু তুম্হারী অপেক্ষা বুদ্ধিমান হৈ।

ারৎ অপেক্ষা সতীশ পরিশ্রমী।

সতীশ ভরত কী অপেক্ষা জিয়াদা মিহনতী হৈ।

কাঠ হইতে লৌহ শক্ত।

কাঠসে লোহা সখ্‌ত হোতা' হৈ।

সঙ্গীতের চেয়ে মধুর আর কিছুই নাই।

সঙ্গীত সে মীঠী ঔর কোই চীজ নহী হৈ।
দুই ভাইয়ের মধ্যে নরেন বড়।
দোনো ভাইয়োঁ মে নরেন বড়া হৈ।
দুই জনের মধ্যে কে বেশী জ্ঞানী ?
দোনোঁমে সে কৌন অধিক জ্ঞানী হৈ ?
আমার চেয়ে তাহার জোর বেশী।
উসমে মুঝসে অধিক বল হৈ।
আমার ঘর তোমার ঘর অপেক্ষা নিকৃষ্ট।
মেরা ঘর তুম্হারে ঘরসে নিকৃষ্ট হৈ।
গদ্য হইতে পদ্য অনেক বেশী শক্ত।
গদ্যসে পদ্য বহুত কঠিন হৈ।
জাপানবাসীরা রুষদিগের অপেক্ষা অনেক অধিক পরাক্রমশালী।
জাপানবাসী রুসিয়োঁকী অপেক্ষা অত্যধিক পরাক্রমী হৈঁ।
তিনি আমার অপেক্ষা পাঁচ বৎসরের বড়।
বে মুঝসে পাঁচ বর্ষ বড়ে হৈ।
পৃথিবীর মধ্যে ভারতবর্ষ সর্ব্বোৎকৃষ্ট দেশ।
সংসারমে ভারতবর্ষ সবসে অচ্ছা দেশ হৈ।
ব্যবসা চাকরী অপেক্ষা অনেক বেশী ভাল।
ব্যবসায় নৌকরীসে বহুত অচ্ছা হৈ।
পণ্ডিতেরা মূর্খ লোক অপেক্ষা বেশী সুখী।
পণ্ডিত লোগ মূর্খোঁ সে অধিক সুখী হৈঁ।

सातवा पाठ।

उपयोगी शब्द।

अनुग्रह करिया। मिहरबानीसे, कृपा करके।
मनोयोग करिया। ध्यानसे, ध्यान देकर।
शपथ करिया। शपथपूर्वक, कसम खाकर।
अत्यन्त ताडाताडि करिया। अत्यन्त शीघ्रतासे।
स्वेच्छापूर्व्वक। अपनी मरज़ीसे, अपनी इच्छासे।
यत्नपूर्व्वक। यत्नपूर्वक, होशियारीसे।
घोडाय चडिया। घोडे पर चढ कर।
पाये हाँटिया। पैदल।
सावधान पूर्व्वक। सावधानीसे।
आलस्य करिया। आलस्य करके, सुस्तीसे।
पीड़ा वशतः। रोगके कारणसे।
दुर्व्वलता वशतः। दुर्व्वलताके कारणसे।
दरिद्रता निबन्धन। दरिद्रताके कारणसे।
शीतप्रयुक्त। जाडेके मारे।
ईर्षाप्रयुक्त। ईर्षाके कारणसे।
समयेर अभाव वशत। समय न रहनेसे।
विलम्ब वशतः। देर होनेकी वजहसे।
स्नेह वशतः। प्रेमके कारण।
दैवक्रमे। दैवात्, इत्तिफ़ाक से।

ভাগ্যক্রমে। भाग्यवश।
কোনক্রমে না। किसी तरह नहीं।
ভ্রমক্রমে। भूलसे, गलतीसे।
প্রসঙ্গক্রমে। प्रसङ्गवश।
পর্য্যায়ক্রমে। बारीसे।
সম্প্রতিক্রমে। सम्प्रतिसे।
দিন দিন। दिन ब दिन, रोज़ ब रोज़।
ঘণ্টায় ঘণ্টায়। घण्टे घण्टे में।
সপ্তাহে সপ্তাহে। सप्ताह सप्ताह में।
একে একে। एक एक करके।
ক্রমে ক্রমে। क्रम क्रमसे।
পদে পদে। पैंड पैंड पर, क़दम क़दम पर।
ফোঁটা ফোঁটা। बूँद बूँद करके।
দ্বারে দ্বারে। द्वार द्वार पर।
রাস্তায় রাস্তায়। गली गलीमें।
দেশে দেশে। देश देशमें।
ঘরে ঘরে। घर घरमें।
যুগে যুগে। युग युगमें।
বনে বনে। वन वनमें।
নগরে নগরে। नगर नगर में।
সর্ব্বসমেত। बिल्कुल, सबका सब।
কোনক্রমেই না। किसी उपाय से नहीं।

গোপনে। গুপ্তরূপসে।
পরিবর্ত্তে। বজায়, জগহমें, স্থানमें।
সত্ত্বেও। তিসপর भी
সকল প্রকারে। সবতরহসে।
সর্ব্বতোভাবে। सर्व्वतोभावसे
অনেকের মতে। बहुतोंकी सम्मतिसे।
বিবেচনা করিয়া। ख्याल करके, बलिहाज़।
পক্ষান্তরে। पक्षान्तरमें।
সৎউদ্দেশ্যে। अच्छे उद्देश्यसे।
উচ্চৈস্বরে। उच्चस्वरसे, ज़ोरकी आवाज़से।
কর্কশ স্বরে। कठोर आवाज़से।
করুণস্বরে। दीनीसी आवाज़से।
ভগ্নস্বরে। टूटे फूटे स्वरसे, अटकती आवाज़से।
কাতর বচনে। करुणामय वचनसे।
সর্ব্বত্র। सब जगह।
বহুদূরে। बहुत दूर पर।
এদিক ওদিক। इधर उधर।
অল্পবিস্তর। कम अधिक।
সর্ব্বোপরি। सबसे ऊपर।

जमे पचजाता है एवं अङ्ग शैथिल्य और बुढापा प्रभृति कसरती पर आक्रमण नहीं कर सकते। बलवान और चिकना भोजन करनेवाले तथा मोटे आदमीके लिये कसरत अत्यन्त उपकारी है। व्यायामके समान स्थूलता (मुटापा) नाशक दूसरा और उपाय नहीं है।

दूसरा पाठ।

तैल मर्द्दनम्।

तैल मर्द्दनसे श्रमकी शान्ति ও वातकी उपशम हय, दृष्टिशक्ति ও आयु वृद्धि এবং শরীর পুষ্ট হয়, চর্ম্মের দৃঢ়তা ও শোভা সম্পাদিত হয়, সুনিদ্রা জন্মে এবং জরা আক্রমণ করিতে পারে না। মস্তকে, কর্ণ ও পদদ্বয়ে বিশেষরূপে তৈল ব্যবহার করা কর্ত্তব্য।

तेलकी मालिश।

तेल मलने से श्रमकी शान्ति और वातका उपशम होता है। दृष्टि-शक्ति और आयु एवं शरीर पुष्ट होता है। चमड़ा मज़बूत और शोभायमान होजाता है। अच्छी नींद आती है और बुढ़ापा आक्रमण नहीं कर सकता। सिर, कान और दोनों पैरोंमें विशेष रूपसे तेल मालिश कराना चाहिये।

তীসরা পাঠ।

স্নানম্।

স্নানে শরীর পবিত্র হয়। বল, বীর্য্য, আয়ু ওজধাতু বৃ
পায় এবং শ্রম, স্বেদ ও দেহের মল বিদূরিত হয়।

স্নান করিবার সময় শরীরে ঈষৎ উষ্ণ জল ও মাথায় শী
জল ব্যবহার করা কর্ত্তব্য। মাথায় উষ্ণ জল ব্যবহার করি
কেশমূল শিথিল হয় এবং দৃষ্টি হ্রাস পায়। উষ্ণ জলে স্না
দুগ্ধপান, যুবতী স্ত্রী সম্ভোগ ও ঘৃতাদি দ্বারা স্নিগ্ধ অন্ন ভোজ
সর্ব্বদা মানবগণের পক্ষে সুপথ্য।

স্নानम्।

स्नानसे शरीर पवित्र होता है। बल, वीर्य्य, आयु, औ
ओज धातुकी वृद्धि होती है तथा श्रम, पसीना और देहक
मैल दूर होता है।

स्नान करनेके समय शरीर पर कुछ गर्म जल और शि
पर शीतल जल व्यवहार करना उचित है। माथे पर गरम
जल व्यवहार करने से बालोंकी जड ढीली पडती है तथा
नेत्र ज्योति कम होजाती है। गरम जलसे स्नान, दूध पीना,
युवती स्त्रीसे सम्भोग करना और घी वगैर. से चिकना भोजन
करना मनुष्योंके लिये सदा हितकारी है।

চৌথা পাঠ।

আহার।

মানব শরীরে স্বাভাবিক নিয়মে এই চারি প্রকার ইচ্ছা জন্মিয়া থাকে। যথা—আহারের ইচ্ছা পান করিবার ইচ্ছা, নিদ্রা ও সহবাসের ইচ্ছা। আহারের ইচ্ছা জন্মিলে যদি আহার করা না যায়, তাহা হইলে অঙ্গ মর্দ্দ, অরুচি, শ্রমবোধ, তন্দ্রা, দুর্ব্বলতা, বলক্ষয় ও ধাতুপাক লক্ষণ সমূহ পরিলক্ষিত হইতে থাকে।

যথাবিধি আহারে—দেহ ধারণ করে, প্রীতি ও বল জন্মায় এবং স্মরণ শক্তি, আয়ু, উৎসাহ, বর্ণ, ওজধাতু, জীবনীয় শক্তি ও শরীরের কান্তি বৃদ্ধি করে।

প্রাতঃকালে ও সায়ংকালে এই দুইবার মাত্র আহার করা উচিত। রসাদি ধাতু, কফাদি দোষ ও মল সমূহ সম্যক্ পরিপাক পাইয়া যখনই ক্ষুধার উদ্বেগ হয়, তখনই আহার করা কর্ত্তব্য।

আমাশয়ের দুই ভাগ অন্নাদি ভোজ্য বস্তু দ্বারা ও এক ভাগ জলদ্বারা পূর্ণ করিয়া চতুর্থ ভাগ বায়ু সঞ্চরণের জন্য খালি রাখিবে।

আহার।

মনুষ্য শরीरमें स्वाभाविक नियम अनुसार ये चार प्रकार की इच्छाएँ होती हैं। यथा—खानेकी इच्छा, पीनेकी इच्छा, सोने और स्त्री-सहवासकी इच्छा। खानेकी इच्छा

होने पर भोजन न दिया जाय तो शरीरमें दर्द, अरुचि, थकान, जँघाई कमज़ोरी, बलका नाश और ग्लानि आदि धातुपाक के लक्षण होते हैं।

विधि सहित किया हुआ भोजन देहको धारण करता, प्रीति और बल पैदा करता एवं स्मरण-शक्ति, आयु, उत्साह, वर्ण, ओज, जीवनीयशक्ति और शरीर की कान्तिकी वृद्धि करता है।

सवेरे और शाम को दो बार भोजन करना उचित है। रस आदि धातु, कफादि दोष और मल समूह परिपाक होने पर जब भूख लगे तभी खाना उचित है।

आमाशयके दो भाग अन्न आदि खानेकी चीजों द्वारा और एक भाग जल द्वारा भर कर, चौथा भाग वायुके घूमनेके लिये खाली रखना चाहिये।

पाँचवां पाठ।

एक ব্যক্তির একটী ঘোড়া ছিল। সে ঐ ঘোড়া ভাড়া দিয়া, জীবিকা নির্ব্বাহ করিত। গ্রীষ্মকালে, একদিন কোনও ব্যক্তি চলিয়া যাইতে যাইতে অতিশয় ক্লান্ত হইয়া ঐ ঘোড়া ভাড়া করিল। মধ্যাহ্নকাল উপস্থিত হইলে, সে ব্যক্তি

ঘোড়া হইতে নামিয়া খানিক বিশ্রাম করিবার নিমিত্ত ঘোড়ার ছায়ায় বসিল, তাহাকে ঘোড়ার ছায়ায় বসিতে দেখিয়া যাহার ঘোড়া সে বলিল, ভাল, তুমি ঘোড়ার ছায়ায় বসিবে কেন? ঘোড়া তোমার নয়; এ আমার ঘোড়া আমি উহার ছায়ায় বসিব তোমায় কখনও বসিতে দিব না। তখন সে ব্যক্তি বলিল, আমি সমস্ত দিনের জন্য ঘোড়া ভাড়া করিয়াছি, কেন তুমি আমায় উহার ছায়ায় বসিতে দিবে না? অপর ব্যক্তি বলিল, তোমাকে ঘোড়াই ভাড়া দিয়াছি, ঘোড়ার ছায়া ত ভাড়া দি নাই। এইরূপে ক্রমে ২ বিবাদ উপস্থিত হওয়াতে উভয়ে ঘোড়া ছাড়িয়া দিয়া মারামারি করিতে লাগিল। এই সুযোগে ঘোড়া বেগে দৌড়িয়া পলায়ন করিল, আর উহার সন্ধান পাওয়া গেল না।

किसी शख्स के एक घोडा था। वह उस घोडे को भाड़े पर देकर जीविका निर्व्वाह करता था। ग्रीष्म कालमें, एकदिन, किसी शख्सने जाते-जाते बहुतही थक कर वह घोडा भाडे किया। मध्याह्नकाल होने पर वह शख्स घोडेसे उतर कर, थोडासा आराम करनेके लिये घोडेकी छायामें बैठ गया। उसे घोडे की छाया में बैठते देख कर घोडे का मालिक बोला '—भला, तुम घोडे की छाया में क्यों बैठे? घोडा तुम्हारा नहीं है, यह मेरा घोडा है, मैं उसकी छायामें बैठूँगा। तुमको हरगिज न बैठने दूँगा। तब वह शख्स बोला, मैंने सारे दिनके लिये घोडा भाडे किया है, तुम मुझे इसकी छायामें क्यों न बैठने दोगे? दूसरा शख्स बोला, तुमको घोडा ही भाडे दिया है घोडे की छाया तो भाडे नहीं दी। इस तरह, क्रम क्रमसे विवाद होनेपर, दोनोंने घोडा छोड दिया और मारपीट करने लगे। इसी सुयोगमें घोडा जोरसे दौड कर भाग गया। फिर उसका पता न मिला।

ছঠা পাঠ।

গোপালপুর নামক এক গ্রামে হরিদাস দত্ত নামে এক দরিদ্র গৃহস্থ বাস করিতেন। হরিদাসের অন্ন সংস্থানের কোন উপায় ছিল না। একদিন সে নির্জ্জনে বসিয়া নিজ স্ত্রী পুত্রের ভবিষ্যতে কি হইবে, তাহা চিন্তা করিতেছে, এমন সময় ঐ গ্রামের একটী সম্ভ্রান্ত লোক আসিয়া বলিলেন, "হরিদাস তুমি কি ভাবিতেছ? তুমি সর্ব্বদা এরূপ দুর্ভাবনা করিলে পাগল হইবে। কোন ভাবনা না করিয়া ধনোপার্জ্জনে মন দিলে দিন দিন নিশ্চয়ই তোমার উন্নতি হইবে। আমি তোমার উপকার করিতেছি। আমার সহিত আইস, আমি তোমাকে কলিকাতায় লইয়া গিয়া, কোন মহাজনের কোন কার্য্যে নিযুক্ত করিয়া দিতেছি। তাহা হইলে অল্প সময়ের মধ্যেই তোমার দরিদ্রতা দূর হইবে।"

गोपालपुर नामक एक गाँवमें हरिदास दत्त नामका एक दरिद्र गृहस्थ रहता था। हरिदासके अन्नसंस्थानका कोई उपाय न था। एक दिन वह एकान्तमें बैठा हुआ यह सोच रहा था, कि मेरे स्त्री पुत्रोंका भविष्यत्में क्या हाल होगा। इसी समय, उस गाँवका एक सम्भ्रान्त व्यक्ति आकर बोला "हरिदास तुम क्या सोचते हो? तुम सदा इस तरह दुर्भावना करनेसे पागल होजाओगे। किसी तरहका विचार न कर, धनके कमाने में, दिल लगाने से दिन-दिन निश्चयही तुम्हारी उन्नति होगी। मैं तुम्हारा उपकार करता हूँ, मेरे साथ आओ। मैं तुम्हें कलकत्ते लेजाकर, किसी महाजन के यहाँ किसी कामपर नियुक्त करा दूँगा। ऐसा होनेसे थोड़े समय में ही तुम्हारा दरिद्र दूर हो जायगा।

सातवां पाठ।

শৃগাল ও দ্রাক্ষাফল।

একদা এক ক্ষুধার্ত্ত শৃগাল আহারান্বেষণে ইতস্ততঃ ভ্রমণ করিতে করিতে কোনও স্থানে বেড়ার উপর কয়েকটী দ্রাক্ষাফল দেখিতে পাইল। সুমিষ্ট ও সুপক্ক দ্রাক্ষাফল

দেখিয়া শৃগালের বড় লোভ জন্মিল, কিন্তু সে বহু চেষ্টা করিয়াও সেই উচ্চ স্থানে উঠিতে পারিল না। অবশেষে অত্যন্ত পরিশ্রান্ত ও নিরাশ হইয়া বলিতে বলিতে চলিয়া গেল, "আঙ্গুর ফল অম্ল রসে পরিপূর্ণ ও অপক্ব, অতএব উহার জন্য চেষ্টা না করাই শ্রেয়ঃ।"

स्यार और अंगूर।

एक दफा एक भूखे स्यारने आहार की तलाश में इधर उधर घूमते घूमते किसी स्थान पर बेडेके ऊपर कुछ अँगूर देखे। मीठे और खूब पके हुए अँगूर देख कर स्यारका मन ललचा गया। किन्तु बहुत सी चेष्टाये करने पर भी वह ऊँचे स्थानपर चढ़ न सका। अन्तमें बहुत थकित और निराश होने पर वह यह कहता हुआ चला गया, "अँगूर खट्टे और कच्चे हैं, अतएव इनके लिये चेष्टा न करना ही अच्छा है।"

गोपालपुर नामक एक गाँवमें हरिदास दत्त नामका एक दरिद्र गृहस्थ रहता था। हरिदासके अन्नसंस्थानका कोई उपाय न था। एक दिन वह एकान्तमें बैठा हुआ यह सोच रहा था, कि मेरे स्त्री पुत्रोंका भविष्यत्में क्या हाल होगा। इसी समय, उस गाँवका एक सम्भ्रान्त व्यक्ति आकर बोला "हरिदास तुम क्या सोचते हो? तुम सदा इस तरह दुर्भावना करनेसे पागल होजाओगे। किसी तरहका विचार न कर, धनके कमाने में, दिल लगाने से दिन-दिन निश्चयही तुम्हारी उन्नति होगी। मैं तुम्हारा उपकार करता हूँ, मेरे साथ आओ। मैं तुम्हें कलकत्ते लेजाकर किसी महाजन के यहाँ किसी कामपर नियुक्त करा दूँगा। ऐसा होनेसे थोड़े समय में ही तुम्हारा दरिद्र दूर हो जायगा।

सातवाँ पाठ।

শৃগাল ও দ্রাক্ষাফল।

একদা এক ক্ষুধার্ত্ত শৃগাল আহারান্বেষণে ইতস্ততঃ ভ্রমণ করিতে করিতে কোনও স্থানে বেড়ার উপর কয়েকটী দ্রাক্ষাফল দেখিতে পাইল। সুমিষ্ট ও সুপক্ক দ্রাক্ষাফল

দেখিয়া শৃগালের বড় লোভ জন্মিল, কিন্তু সে বহু চেষ্টা করিয়াও সেই উচ্চ স্থানে উঠিতে পারিল না। অবশেষে অত্যন্ত পরিশ্রান্ত ও নিরাশ হইয়া বলিতে বলিতে চলিয়া গেল, "আঙ্গুর ফল অম্ল রসে পরিপূর্ণ ও অপক্ব, অতএব উহার জন্য চেষ্টা না করাই শ্রেয়ঃ।"

स्यार और अंगूर।

एक दफा एक भूखे स्यारने आहार की तलाश में इधर उधर घूमते घूमते किसी स्थान पर बेडेके ऊपर कुछ अँगूर देखे। मीठे और खूब पके हुए अँगूर देख कर स्यारका मन ललचा गया। किन्तु बहुत सी चेष्टाये करने पर भी वह ऊँचे स्थानपर चढ न सका। अन्तमें बहुत थकित और निराश होने पर वह यह कहता हुआ चला गया, "अँगूर खट्टे और कच्चे हैं, अतएव इनके लिये चेष्टा न करना ही अच्छा है।"

আঠবাঁ পাঠ।

কুকুব ও প্রতিবিম্ব।

একটা কুকুর, একখণ্ড মাংস মুখে করি
নদী পার হইতেছিল। নদীর নির্ম্মল জ
তাহার যে প্রতিবিম্ব পড়িয়াছিল, সে
প্রতিবিম্বকে অন্য কুকুর স্থির করিয়া, ম
মনে বিবেচনা কবিল, এই কুকুরের মুখে যে
মাংস খণ্ড আছে কাড়িয়া লই; তাহা হইলে
আমার দুই খণ্ড মাংস হইবেক।

এইরূপ লোভে পড়িয়া মুখ বিস্তার
করিয়া, কুকুর যেমন সেই অলীক মাংস খণ্ড
ধরিতে গেল অমনি উহার মুখস্থিত মাংস-
খণ্ড জলে পড়িয়া স্রোতে ভাসিয়া গেল।
তখন সে, হতবুদ্ধি হইয়া, কিয়ৎক্ষণ স্তব্ধ
হইয়া রহিল, অনন্তর, এই ভাবিতে ভাবিতে
নদী পার হইয়া চলিয়া গেল; যাহারা
লোভেব বশীভূত হইয়া কল্পিত

প্রত্যাশায় ধাবমান হয়, তাহাদের এই দশাই ঘটে।

कुत्ता और प्रतिबिम्ब।

एक कुत्ता, माँसका एक टुकड़ा लिये हुए नदी पार कर रहा था। नदीके निर्मल जलमें उसकी परछाईं पड़ी। उस परछाईं'को दूसरा कुत्ता समझकर मनमें विचारने लगा, इस कुत्तेके मुँहमें जो माँसका टुकड़ा है उसे निकाल लूँ तो मेरे पास माँसके दो टुकड़े हो जायँ।

इस तरह लोभमें पड़कर उसने मुँह फैलाया। कुत्ता जिस समय परछाईं रूपी माँस-खण्डको पकड़ने लगा उस समय उसके मुँहका माँस-खण्ड जलमें गिर गया और धारामें बह गया। उस समय वह हतबुद्धि होकर कुछ क्षण तक स्तब्ध हो गया। पीछे यह विचारता विचारता नदी पार चला गया, कि जो लोभके वशीभूत होकर कल्पित लाभकी आशासे दौड़ते हैं उनकी यही दशा होती है।

নবম পাঠ।

নেকড়েবাঘ ও মেষশাবক।

এক ব্যাঘ্র, পর্ব্বতের ঝরণায় জল পা
করিতে করিতে, দেখিতে পাইল, কিছুদূরে
নীচের দিকে, এক মেষশাবক জলপান করি
তেছে। সে দেখিয়া মনে ২ কহিতে লাগিল
এই মেষের প্রাণ সংহার করিয়া, আজিকা
আহার সম্পন্ন করি ; কিন্তু বিনা দোষে এক
জনের প্রাণবধ করা ভাল দেখায় না ;
অতএব একটা দোষ দেখাইয়া, অপরাধী
করিয়া উহার প্রাণবধ করিব।

এই স্থির করিয়া, ব্যাঘ্র সত্বরগমনে
মেষশাবকের নিকট উপস্থিত হইয়া কহিল,
অরে দুরাত্মন্! তোর এত বড় আস্পর্দ্ধা
যে, আমি জল পান করিতেছি দেখিয়াও,
তুই জল ঘোলা করিতেছিস্। মেষ শুনিয়া
ভয়ে কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, সে কি

মহাশয়! আমি কেমন করিয়া আপনার পান করিবার জল ঘোলা করিলাম। আমি নীচে জল পান করিতেছি, আপনি উপরে জল পান করিতেছেন। নীচের জল ঘোলা করিলে উপরে জল ঘোলা হইতে পারে না।

বাঘ কহিল, সে যাহা হউক, তুই এক বৎসর পূর্ব্বে আমার বিস্তর নিন্দা করিয়াছিলি; আজি তোরে তাহার সমুচিত প্রতিফল দিব। মেষশাবক কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, আপনি অন্যায় আজ্ঞা করিতেছেন; এক বৎসর পূর্ব্বে আমার জন্মই হয় নাই; সুতরাং তৎকালে আমি আপনকার নিন্দা করিয়াছি, ইহা কিরূপে সম্ভবিতে পারে। বাঘ কহিল, হাঁ বটে, সে তুই নহিস্, তোর বাপ আমার নিন্দা করিয়াছিল। তুই কর্, আর তোর বাপ করুক, একই কথা। আর আমি তোর কোন

নেকড়েবাঘ ও মেষশাবক।

এক ব্যাঘ্র, পর্ব্বতের ঝরণায় জল পান করিতে করিতে, দেখিতে পাইল, কিছুদূরে, নীচের দিকে, এক মেষশাবক জলপান করিতেছে। সে দেখিয়া মনে ২ কহিতে লাগিল, এই মেষের প্রাণ সংহার করিয়া, আজিকার আহার সম্পন্ন করি; কিন্তু বিনা দোষে এক জনের প্রাণবধ করা ভাল দেখায় না; অতএব একটা দোষ দেখাইয়া, অপরাধী করিয়া উহার প্রাণবধ করিব।

এই স্থির করিয়া, ব্যাঘ্র সত্বরগমনে মেষশাবকের নিকট উপস্থিত হইয়া কহিল, অরে দুরাত্মন্। তোর এত বড় আস্পর্দ্ধা যে, আমি জল পান করিতেছি দেখিয়াও, তুই জল ঘোলা করিতেছিস্। মেষ শুনিয়া ভয়ে কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, সে কি

মহাশয়! আমি কেমন করিয়া আপনার পান করিবার জল ঘোলা করিলাম। আমি নীচে জল পান করিতেছি, আপনি উপরে জল পান করিতেছেন। নীচের জল ঘোলা করিলে উপরে জল ঘোলা হইতে পারে না।

বাঘ কহিল, সে যাহা হউক, তুই এক বৎসর পূর্ব্বে আমার বিস্তর নিন্দা করিয়াছিলি, আজি তোরে তাহার সমুচিত প্রতিফল দিব। মেষশাবক কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, আপনি অন্যায় আজ্ঞা করিতেছেন, এক বৎসর পূর্ব্বে আমার জন্মই হয় নাই; সুতরাং তৎকালে আমি আপনকার নিন্দা করিয়াছি, ইহা কিরূপে সম্ভবিতে পারে। বাঘ কহিল, হাঁ বটে, সে তুই নহিস্, তোর বাপ আমার নিন্দা করিয়াছিল। তুই কর্, আর তোর বাপ একই কথা। আর আমি তোর

ওজর শুনিতে চাহি না; এই বলিয়া, বাঘ ঐ অসহায় দুর্ব্বল মেষশাবকের প্রাণসংহার করিল।

भेड़िया और भेड़का बच्चा।

एक भेड़ियेने, पहाड़की झरनेपर, जल पीते पीते देखा कि कुछ दूरपर, नीचे की तरफ़, एक भेड़का बच्चा जल पीता है। वह उसे देखकर मनमें कहने लगा कि भेड़के प्राणनाश करके आजका आहार जुटाऊँ। किन्तु बिना दोष एक जीवका प्राणनाश करना अच्छा नहीं मालूम होता, अतएव एक दोष दिखाकर और अपराधी बनाकर उसका प्राणनाश करूँगा।

यह बात स्थिर करके, भेड़िया जल्दी २ चलकर भेड़के बच्चेके पास उपस्थित होकर कहने लगा, अरे दुरात्मा! तुझे इतना घमण्ड है, कि मुझे जल पीते देखकर भी तू जलको गदला करता है। भेड़का बच्चा यह बात सुनकर काँपते-काँपते कहने लगा, यह क्या, महाशय! मैंने आपके पीनेका जल किस तरह गदला किया? मैं तो नीचे जल पीता हूँ और आप ऊपर जल पीरहे हैं। नीचेका जल गदला करनेसे ऊपरका जल गदला नहीं हो सकता।

भेड़िया कहने लगा, जो हो, तूने एक वर्ष पहले मेरी बहुत निन्दा की थी, आज तुझे उसका समुचित प्रतिफल दूँगा। भेड़का बच्चा काँपते काँपते कहने लगा, आप अन्याय कर रहे हैं। एक वर्ष पहले तो मेरा जन्म ही नहीं हुआ था। दूसरा उस समय मैंने आपकी निन्दा की, यह किस भाँति सम्भव हो सकता है। भेड़िया कहने लगा,—हाँ ठीक है, ठीक है। तू वह नहीं है, तेरे बापने मेरी निन्दा की थी। तू करे चाहे तेरा बाप करे एक ही बात है। मैं तेरा कोई और उज्र सुनना नहीं चाहता। ऐसा कहकर भेड़ियेने उस असहाय दुर्बल भेड़के बच्चेके प्राणनाश कर दिये।

ওজর শুনিতে চাহি না; এই বলিয়া, বাঘ ঐ অসহায় দুর্ব্বল মেষশাবকের প্রাণসংহার করিল।

भेड़िया और भेड़का बच्चा।

एक भेड़ियेने, पहाड़के झरनेपर, जल पीते पीते देखा कि कुछ दूरपर, नीचे की तरफ़, एक भेड़का बच्चा जल पीता है। वह उसे देखकर मनमें कहने लगा कि भेड़के प्राणनाश करके आजका आहार जुटाऊँ। किन्तु बिना दोष एक जीवका प्राणनाश करना अच्छा नहीं मालूम होता, अतएव एक दोष दिखाकर और अपराधी बनाकर उसका प्राणनाश करूँगा।

यह बात स्थिर करके, भेड़िया जल्दी २ चलकर भेड़के बच्चेके पास उपस्थित होकर कहने लगा, अरे दुरात्मा! तुझे इतना घमण्ड है, कि मुझे जल पीते देखकर भी तू जलको गदला करता है। भेड़का बच्चा यह बात सुनकर काँपते-काँपते कहने लगा, यह क्या, महाशय! मैंने आपके पीनेका जल किस तरह गदला किया? मैं तो नीचे जल पीता हूँ और आप ऊपर जल पीरहे हैं। नीचेका जल गदला करनेसे ऊपरका जल गदला नहीं हो सकता।

भेड़िया कहने लगा, जी हो, तूने एक वर्ष पहले मेरी बहुत निन्दा की थी, आज तुझे उसका समुचित प्रतिफल दूँगा। मेढ़का बड़ा कांपते कांपते कहने लगा, आप अन्याय कर रहे हैं। एक वर्ष पहले तो मेरा जन्म ही नहीं हुआ था। दूसरा उस समय मैंने आपकी निन्दा की, यह किस भांति सम्भव हो सकता है। भेड़िया कहने लगा,—हां ठीक है, ठीक है। तू वह नहीं है, तेरे बापने मेरी निन्दा की थी। तू करे चाहे तेरा बाप करे एक ही बात है। मैं तेरा कोई और उज्र सुनना नहीं चाहता'। ऐसा कहकर भेड़ियेने उस सहाय दुर्बल मेढ़के बच्चेके प्राणनाश कर दिये।

राजा राममोहन राय।

ब्रह्मसमाज जिसकी सर्व्वोत्तम पताका है, सतीदाह आदि सामाजिक कुसंस्कारों का बन्द होना जिसका गौरवमय यशस्तम्भ है, अकाट्य युक्तियों से भरे हुए ग्रन्थ जिसकी उज्ज्वल बुद्धि के प्रमाण हैं और सैकड़ों हज़ारों लोगों का दृढ विश्वास जिसके उच्च चरित्र की सजीव साक्षी है,—उस भारतमाता के सपूत राजा राममोहनराय का जीवनचरित्र पढ़ना प्रत्येक भारतवासी का कर्त्तव्य है। जिसने १६ वर्ष की अवस्था से लगाकर १८ वर्ष की अवस्था तक—मृत्युपर्य्यन्त—भारतवासियों के कल्याण के लिये अहोरात्रि तन-मन-धन से परिश्रम किया, जिसने सामाजिक, धार्म्मिक, और राजनैतिक विषयों में भारतवासियों को केवल शिक्षा ही नहीं दी—बल्कि अपने हृदय, हाथ और मस्तिष्क मिलाकर जिसने जीवनव्यापी परिश्रम किया—उसके कार्य्य से परिचित न होना अपने को भूलना है।

इस जीवन-चरित्र के पढ़ने से आपको उपन्यास, इतिहास और जीवनचरित्र तीनों के पढ़ने का आनन्द आवेगा, सारे हिन्दूशास्त्रों का निचोड़ मालूम होगा। पढ़ने ही लायक चीज़ है। छपाई सफाई सर्व्वाङ्गसुन्दर, तिस पर भी २०६ सफों की सुपुष्ट कागज़ पर छपी पुस्तक का मूल्य लागतमात्र ॥) डाक महसूल पैकिंग।)

पता—हरिदासएण्ड कम्पनी

२०१ हरिसनरोड, कलकत्ता

नरसिंह प्रेस की उत्तमोत्तम पुस्तकें

उपन्यास।

सम्राट् अकबर (सचित्र)	२॥)	शुक्लवसना सुन्दरी ३ भाग	२॥)
सिराजुद्दौला (सचित्र)	२॥)	मोतीमङ्गल	॥)
स्वर्णकमल (नया संस्करण)	१॥)	पापपरिणाम	।≈)
शरदकुमारी	॥≈)	अनाथ बालक	॥≈)
वीरचूडामणि	।=)	लक्ष्मी	॥≈)
सावित्री (उपन्यास)	॥)	रजनी	॥)
लवंगलता (नया संस्करण)	१)	इन्दिरा	॥)
विषवृक्ष (नया संस्करण)	१)	बिछुड़ीहुई दुलहन	॥)
प्रेमबाला	।≈)	अलका मन्दिर	।)
कृष्णकान्त की विल	१)	लियर	≈)

शिक्षा सम्बन्धी पुस्तकें।

हिन्दी बंगलाशिक्षा न० १	॥≈)	अँगरेज़ी शिक्षा न० २	१)
हिन्दी बंगला „ न० २	॥)	अँगरेज़ी शिक्षा न० ३	१)
हिन्दी बंगला कोष	१॥)	अँगरेज़ी शिक्षा न० ४	१)
अँगरेज़ी शिक्षा न० १	॥≈)		

स्त्रियोपयोगी पुस्तकें।

सावित्री (महाभारतवाली)	।)	पार्वती	≈)॥
दमयन्ती	।)	दमयन्ती	≈)

हरिश्चन्द्र	।)	सुनीति	।)
भँझली बहू	।/)	संयोगिता	।/)

नाटक।

पन्ना	।)	छात्रदुर्दशा	।/)
कुसुम	।/)	महाराणा प्रताप	।/)

बालोपयोगी पुस्तकें।

पत्रपुष्प	।)	स्त्रीपदेश	।/)
पक्षोपहार	।/)	उपदेश कुसुमाञ्जलि	।/)
बालगल्पमाला	।/)	गल्पगुच्छ	।)
बालोपदेश	।/)		

ज्ञानोत्पादक पुस्तकें

हिन्दी भगवद्गीता	१॥)	जीवनीशक्ति	।/)
स्वास्थ्यरक्षा	२॥)	हज़रत मुहम्मद साहब	॥)
चरित्र संगठन	॥)	भक्तमन्दोका खज़ाना	१।)
कर्त्तव्य	॥)	गुलिस्ताँ (हिन्दीमें)	१।)
राजा राममोहन राय	॥)	नेलसन	।/)
स्त्रियोंकी पराधीनता	१।)	रामायण रहस्य	॥)
नैषधचरित चर्चा	॥)	महात्मा बुद्ध	॥)
भारतमें पोर्चूगीज़	॥)	शान्तिसुख (नया संस्करण)	॥)
उस्ताद फ़ीक़	।=)	ब्रह्मयोग विद्या	।/)
महाकवि गालिब	।/)	अन्त करणका सुधार	।)
नीतिशतक	॥)	प्राचीनकीर्त्ति (सचित्र)	॥)

सर्व्वोपयोगी पुस्तकें।

सम्राट् अकबर	२॥)	प्राचीन कीर्त्ति	॥)
नवाब सिराजुद्दौला	२॥)	पत्रपुष्प	।=)
स्वर्णकमल	१॥)	पत्रोपहार	।)
सन्नीता बेगम	।)	चित्त करण का सुधार	।)
वीर चूड़ामणि	।=)	रामायणरहस्य	॥)
फ़ख़रत मुहम्मद माहब	॥)	परिश्रम	।)
झांसी की रानी	॥)	बालोपदेश	।)
सावित्री (सत्यवान)	।)	मेवाड़-गाथा	।)
गल्पमाला	।=)	गल्प-गुच्छ	।)
जीवनी शक्ति	।=)	प्रह्लाद	।)
भारतवर्ष का इतिहास	१)	प्रेम प्रशंसा	।)
नेलसन	।=)	महाराणा प्रताप	।=)
भारत में पोर्चुगीज़	॥)	वीरबल की हाजिर जवाबी	॥)

नोट—जिन्होंने पढ़ लिख कर "सम्राट् अकबर", और "नवाब सिराजुद्दौला" न देखा, उन्होंने जगत् में कुछ न देखा। इन दोनों पुस्तकों को हज़ार तरह से रुपया बचाकर देखिये, देखने ही लायक़ हैं। प्रत्येक में एक एक दर्जन हाफटोन चित्र हैं। क़लम में वह ताक़त नहीं, जो इनकी पूरी तारीफ़ कर सके।

नरसिंह प्रेस की उत्तमोत्तम पुस्तकें।

स्वास्थ्यरक्षा	२॥)	नीतिशतक (भर्तृहरि कृत)	॥)
हिन्दी भगवद्गीता	१॥)	महात्मा बुद्ध	॥)
गुलिस्ताँ (हिन्दीमें)	१।)	चरित्र संगठन	॥)
अकबरमन्दीका खज़ाना	१।)	नैषधचरितचर्चा	॥)
स्त्रियों की पराधीनता	१।)	उस्ताद ज़ौक़	।=)
कर्त्तव्य	॥)	शान्ति और सुख	।=)
स्वर्गीयजीवन	॥)	महाकवि गालिब	।)

दिलचस्प उपन्यास।

एकवसना सुन्दरी १ भाग	२॥)	रजनी	।)
राजा राममोहन राय	॥)	विदुषी पत्नी दुलहिन	॥)
लवणकान्तकी विल	॥)	मोतीमहल	॥)
चन्द्रशेखर	॥)	वीर चूड़ामणि	।=)
विषवृक्ष	॥)	पाप परिणाम	।=)
मणिमालिनी	॥)	मैनबाला	।=)
मनोरमा	॥)	प्राण और विद्या	
मरदकुमारी	॥)	पतिव्रता कुमुदिनी	
अनाथबालक			
गालिबी (गालिब उपन्यास)			
इन्दिरा			

नरसिंह प्रेस की उत्तमोत्तम पुस्तकें

स्वास्थ्यरक्षा	२॥)	नीतिशतक (भर्तृहरि कृत	
हिन्दी भगवद्गीता	१॥)	महात्मा बुद्ध	
गुलिस्ताँ (हिन्दीमें)	१।)	चरित्र सगठन	
अक्लमन्दीका खज़ाना	१।)	नैषधचरितचर्चा	
स्त्रियों की पराधीनता	१।)	उस्ताद ज़ौक	
कर्त्तव्य	॥)	शान्ति और सुख	
स्वर्गीयजीवन	॥)	महाकवि गालिब	

दिलचस्प उपन्यास।

शुक्लवसना सुन्दरी ३ भाग	२॥)	रजनी	
राजा राममोहन राय	॥)	बिछुड़ी हुई दुलहिन	
कृष्णकान्तकी विल	॥)	मोतीमहल	
चन्द्रशेखर	॥)	वीर चूडामणि	
विषवृक्ष	॥)	पाप-परिणाम	
लवङ्गलता	॥)	शैलबाला	
लक्ष्मी	॥)	ब्रह्म-योग-विद्या	
शरदकुमारी	॥)	पतिव्रता सुनीति	
अनाथबालक	॥)	हरिश्चन्द्र	
सावित्री (गार्हस्थ उपन्यास)	॥)	अलका मन्दिर	
इन्दिरा	॥)	सयोगिता	

पता—हरिदास एण्ड कम्

२०१, हरिसन रोड, क